THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 96 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ कृ.7 2083 मंगलवार, 7 जुलाई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✲ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

'सीएम विजय और मंत्रियों के बयानबाजी पर रोक लगाएं'

डीएमके की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट आज करेगा सुनवाई

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसिया)। तमिलनाडु के करूर भगदड़ मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट कल मंगलवार को सुनवाई करेगा। सर्वोच्च अदालत में दाखिल की गई याचिका में आरोप लगाया गया है कि मामले कुछ आरोपी, जो अब तमिलनाडु सरकार में मंत्री हैं। वह गवाहों को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं।

जस्टिस अहसनुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस शील नागु की पीठ ने मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई है। यह सुनवाई मंगलवार को हो सकती है। याचिका में यह भी कहा गया है कि मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत सीबीआई जांच कर रही है, इसलिए गवाहों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।

चंपत राय और अनिल मिश्रा का इस्तीफा मंजूर

> रिटायर्ड आईएफएस कृष्ण मोहन कार्यवाहक महासचिव > ट्रस्ट ने 5 सोने-चांदी की वस्तुएं दिखाईं, जिनके चोरी का दावा था

गोविंद देव गिरी | कृष्ण मोहन | चंपत राय | अनिल मिश्रा

अयोध्या, 6 जुलाई (एजेंसियां)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। चंपत राय की जगह नए ट्रस्टी रिटायर्ड आईएफएस कृष्ण मोहन को कार्यवाहक महासचिव बनाया गया है। चढ़ावा चोरी के बाद हुई पहली बैठक 3 घंटे तक चली। बैठक के बाद कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी बोले- चंपत राय ने कहा है कि जब तक अपराधी पकड़े नहीं जाते तब तक पद पर रहना सही नहीं है। जो हुआ वह कष्टदायी है।

इससे हम सब दुखी हैं। चढ़ावा चोरी लज्जाजनक घटना है। बैठक में ट्रस्टी के. पाराशरन ने कहा था कि त्यागपत्र देते ही इसे स्वीकार करना ट्रस्ट के संविधान में हैं। इसलिए इस्तीफा स्वीकार किया गया। कृष्ण मोहन ने कहा कि चढ़ावा चोरी के आरोपियों को सजा दिलाएंगे। प्रबंधन की कमियों का फायदा उठाया गया, कमियों को दूर करेंगे ताकि दोबारा ऐसी घटना न हो। समाज में अविश्वास है। विश्वास को दोबारा स्थापित करेंगे। कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने कहा-आरोप लगाए जाते हैं कि कई अन्य बेहतरीन चढ़ावे और दान की गई चीजें भी बिना किसी निशान के गायब हो गईं। हम आपको दिखाने के लिए इन सभी चीजों का रिकॉर्ड रखने वाला रजिस्टर लाए हैं। हम उन सभी चीजों का विवरण पेश करेंगे जिनकी बात हो रही है।

हम आज आपके सामने ये सब दिखाने जा रहे हैं। इसके अलावा, हम आपको बताना चाहते हैं कि हमारे पास ऐसी 2800 चीजों की सूची वाला एक रजिस्टर है, और वे सभी सुरक्षित हैं। हम ये पांच खास चीजें, जिन पर चर्चा हो रही है, सिर्फ़ आपको नमूने के तौर पर दिखाने के लिए लाए हैं। हालांकि, इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए, हम आगे जो काम करेंगे, उसे इस तरह से किया जाएगा कि कोई भी उसमें जरा सी भी कमी नहीं निकाल पाएगा। हमारा ट्रस्ट ऐसे बेहतरीन काम को सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, और हमने इस मकसद के लिए खास अधिकारियों को नियुक्त करने के लिए एक छोटी समिति बनाई है। हम इसी तरह काम को आगे बढ़ाएंगे। हम 22 तारीख को फिर से मिल रहे हैं। कार्रवाई का मामला प्रशासन की जिम्मेदारी है। हम भी जोरदार मांग करते हैं कि दोषियों को पकड़ा जाए, जिनमें वे साथी भी शामिल हैं जो शायद अभी भी छिपे हुए हैं और उन्हें उनके अपराध के लिए उचित सजा मिले, हम इस बात पर अडिग हैं। राम मंदिर ट्रस्ट के नए महासचिव कृष्ण मोहन ने कहा- कहीं न कहीं प्रबंधन और संचालन में कमियां रह गईं थीं। जहां कहीं लूप होल्स हैं, अब इसे बंद करना है। >12

केसीआर की आपत्ति के बाद ईसी का एक्शन

टीआरएस का नाम बदलने का आदेश

नई दिल्ली, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस की पूर्व नेता के. कविता को अपनी नवगठित राजनीतिक पार्टी के नाम को लेकर बड़ा झटका लगा है। निर्वाचन आयोग ने उन्हें अपनी पार्टी 'तेलंगाना रक्षणा सेना' का नाम बदलने का निर्देश दिया है। आयोग ने कहा है कि मौजूदा नाम और उसका संक्षिप्त रूप 'टीआरएस' पहले से इस्तेमाल हो चुके नाम से मिलता-जुलता है। इससे मतदाताओं के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है।

दरअसल, के. कविता ने अपनी नई पार्टी का नाम 'तेलंगाना रक्षणा सेना' रखा था, जिसका संक्षिप्त नाम टीआरएस है। यही संक्षिप्त नाम पहले 'तेलंगाना राष्ट्र समिति' का भी था। इस पार्टी का नाम बाद में बदलकर 'भारत राष्ट्र समिति' (बीआरएस) कर दिया गया था। हालांकि, पुराने नाम का संक्षिप्त रूप टीआरएस लंबे समय तक पार्टी की पहचान बना रहा। इसी वजह से पार्टी के नाम को लेकर विवाद हो रहा था। बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) और वरिष्ठ नेता के.टी. रामाराव (केटीआर) ने निर्वाचन आयोग के सामने आपत्ति दर्ज कराई थी। उनका कहना था कि नई पार्टी का नाम और उसका संक्षिप्त रूप मतदाताओं को भ्रमित कर सकता है। इससे चुनावी प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। निर्वाचन आयोग ने इन शिकायतों पर विचार करने के बाद के. कविता को पार्टी का नाम बदलने के निर्देश जारी किए हैं।

आयोग ने बताया कि उसे 1100 से अधिक आपत्तियां प्राप्त हुई थीं। इनमें सबसे प्रमुख शिकायत भारत राष्ट्र समिति की ओर से दर्ज कराई गई थी। आयोग का मानना है कि किसी राजनीतिक दल का नाम और उसका संक्षिप्त रूप अलग होना चाहिए। इससे मतदाताओं में भ्रम नहीं होना चाहिए।

इसके आधार कविता को अपनी पार्टी के लिए तीन नए वैकल्पिक नाम प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। निर्वाचन आयोग ने के. कविता को इसके लिए 15 दिनों की समयसीमा दी है। आयोग ने कहा कि यदि तय समय के भीतर तीन नए नाम नहीं दिए गए, तो उनकी पार्टी के पंजीकरण के लिए किया गया आवेदन रद्द किया जा सकता है। निर्वाचन आयोग के इस फैसले को तेलंगाना की राजनीति में अहम घटनाक्रम माना जा रहा है। अब सबकी नजर के. कविता के अगले कदम पर टिकी हुई है।

नीरव मोदी अंतिम कानूनी लड़ाई हारा

भारत आने का रास्ता साफ

जकार्ता, 6 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता पहुंचे हैं। इस दौरान पीएम मोदी का भव्य स्वागत किया गया।

इंडोनेशियाई वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने पीएम मोदी के एयरक्राफ्ट को एस्कॉर्ट किया। इसके बाद एयरपोर्ट पहुंचने पर इंडोनेशियाई राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो ने प्रोटोकॉल तोड़ पीएम मोदी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी इंडोनेशिया में 6 से लेकर 8 जुलाई तक रहेंगे। इस दौरान वह दोनों देशों के बीच कई क्षेत्रों में साझेदारी को गहरा करने पर जोर देंगे। इसके अलावा, भारतीय समुदाय के लोगों से भी मुलाकात करेंगे। पीएम मोदी के इंडोनेशिया यात्रा के कई उद्देश्य हैं। रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना: पीएम मोदी की इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना है। यह प्रधानमंत्री का चौथा दौरा होगा और मई 2018 में व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर पहुंचने के बाद पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी।

भारत के रक्षा और सुरक्षा सहयोग में उच्च स्तरीय दौरा, नियमित द्विपक्षीय और बहुपक्षीय एक्सरसाइज और रक्षा उद्योग में गहरे सहयोग (ब्रह्मोस की बिक्री सहित) के जरिए तेजी आई है और इसका दायरा भी बढ़ा है। समुद्री पड़ोसी होने के नाते, दोनों देशों ने 2018 में हिंद-प्रशांत में भारत-इंडोनेशिया समुद्री सहयोग के साझा दृष्टिकोण को अपनाया।

इंडोनेशिया में पीएम मोदी का ग्रैंड वेलकम

फाइटर जेट ने किया एस्कॉर्ट, राष्ट्रपति ने प्रोटोकॉल तोड़ अगवानी की

जकार्ता, 6 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता पहुंचे हैं। इस दौरान पीएम मोदी का भव्य स्वागत किया गया। इंडोनेशियाई वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने पीएम मोदी के एयरक्राफ्ट को एस्कॉर्ट किया। इसके बाद एयरपोर्ट पहुंचने पर इंडोनेशियाई राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो ने प्रोटोकॉल तोड़ पीएम मोदी का स्वागत किया।

इंडोनेशिया में पीएम मोदी का कार्यक्रम :

प्रधानमंत्री मोदी इंडोनेशिया में 6 से लेकर 8 जुलाई तक रहेंगे। इस दौरान वह दोनों देशों के बीच कई क्षेत्रों में साझेदारी को गहरा करने पर जोर देंगे।

इसके अलावा, भारतीय समुदाय के लोगों से भी मुलाकात करेंगे। पीएम मोदी के इंडोनेशिया यात्रा के कई उद्देश्य हैं। रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना: पीएम मोदी की इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना है। यह प्रधानमंत्री का चौथा दौरा होगा और मई 2018 में व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर पहुंचने के बाद पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी।

भारत-इंडोनेशिया रक्षा संबंध होंगे मजबूत

भारत के रक्षा और सुरक्षा सहयोग में उच्च स्तरीय दौरा, नियमित द्विपक्षीय और बहुपक्षीय एक्सरसाइज और रक्षा उद्योग में गहरे सहयोग (ब्रह्मोस की बिक्री सहित) के जरिए तेजी आई है और इसका दायरा भी बढ़ा है। समुद्री पड़ोसी होने के नाते, दोनों देशों ने 2018 में हिंद-प्रशांत में भारत-इंडोनेशिया समुद्री सहयोग के साझा दृष्टिकोण को अपनाया। आईएफसी-आईओआर में एक इंडोनेशियन लाइजन ऑफिसर की तैनाती से हमारी मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस को और बढ़ावा मिलेगा। भारत एनडीए और डीएसएससी में इंडोनेशियन कैडेट्स और ऑफिसर्स के लिए स्लॉट भी तय करेगा, जिससे रक्षा के क्षेत्र में कैपेसिटी बिल्डिंग बढ़ेगी।

अब नहीं बचेंगे ड्रग माफिया

गुवाहाटी, 6 जुलाई (एजेंसियां)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के महानिदेशक (डीजी) अनुराग गर्ग ने सोमवार को कहा कि ड्रग्स की समस्या के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए अधिकारी अब अंतर्राष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क में शामिल सरगनाओं को पकड़ने पर विशेष ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इस अवैध कारोबार में शामिल कई प्रमुख तस्करों की पहचान कर ली गई है और उन्हें गिरफ्तार करने की प्रक्रिया जारी है। गर्ग ने कहा कि हम पड़ोसी देशों से पूर्वोत्तर क्षेत्र के रास्ते आने वाली ड्रग्स की समस्या से पूरी तरह वाकिफ हैं और कई स्तरों पर इससे निपटने के लिए काम कर रहे हैं। म्यांमार मेथामफेटामाइन और हेरोइन दोनों का प्रमुख स्रोत है, जहां से ये नशीले पदार्थ भारत पहुंचते हैं। हमारी वार्षिक रिपोर्ट में भी इसका उल्लेख किया गया है। एनसीबी प्रमुख ब्रिक्स (ब्रिक्स) सदस्य देशों की ड्रग-रोधी एजेंसियों के प्रमुखों की दो दिवसीय बैठक के दौरान मीडिया से बातचीत कर रहे थे। महानिदेशक ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय ड्रग तस्करी में शामिल सरगनाओं की पहचान कर उन्हें पकड़ने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने मई में नई दिल्ली से म्यांमार के एक प्रमुख ड्रग तस्कर की गिरफ्तारी का उदाहरण भी दिया।

राज्यसभा की तीन सीटों के लिए उपचुनाव 24 को

कोलकाता, 6 जुलाई (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में राज्यसभा की तीन सीटों के लिए उपचुनाव की घोषणा कर दी है। मतगणना और वोटों की गिनती 24 जुलाई को होगी। बंगाल चुनाव में टीएमसी की करारी शिकस्त के बाद पार्टी के तीन राज्यसभा सांसदों सुष्मिता देव, सुखेंदु शेखर रॉय और प्रकाश चक बराइक ने इस्तीफा दे दिया था। उनके इस्तीफे के बाद खाली हुई सीट पर अब चुनाव आयोग ने इलेक्शन का ऐलान कर दिया है।

जिन तीन सांसदों ने इस्तीफा दिया उनका कार्यकाल अगस्त 2029 तक बाकी है। 20 जुलाई से संसद का मानसून सत्र शुरू हो रहा है। इससे ठीक पहले चुनाव आयोग ने बंगाल में खाली हुईं राज्यसभा की तीन सीटों पर उपचुनाव का ऐलान कर दिया।

पहलगाम आतंकी हमला : एनआईए ने पेश की पूरक चार्जशीट

लश्कर प्रमुख हाफिज सईद को बनाया आरोपी

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को पहलगाम आतंकी हमले के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के सरगना हाफिज सईद को अपनी पूरक (सप्लीमेंट्री) चार्जशीट में आरोपी बनाया है। एनआईए ने उस पर भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने और सीमा पार से आतंकी साजिश रचने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। जांच एजेंसी ने हमले की साजिश और आतंकी नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों के खिलाफ भी अतिरिक्त साक्ष्य अदालत में पेश किए हैं।

हाफिज सईद के खिलाफ क्या-क्या आरोप :

जम्मू की एनआईए स्पेशल कोर्ट में दायर अपनी सप्लीमेंट्री चार्जशीट में, आतंकवाद-रोधी एजेंसी ने हाफिज सईद पर व्यक्तिगत तौर पर और प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा व उसके सक्रिय प्रॉक्सी संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) के चीफ के तौर पर आरोप लगाए हैं। जांच एजेंसी के अनुसार, हाफिज सईद के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए), 1967 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। चार्जशीट में उस पर भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने और पाकिस्तान से आतंकी साजिश चलाने का आरोप लगाया गया है।

पहलगाम आतंकी हमला और ऑपरेशन सिंदूर :

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के 15 दिन बाद भारतीय सेना ने सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह किया था। जिसमें कई कुख्यात आतंकी भी मारे गए थे। इसके बाद दोनों देशों के बीच हालात बिगड़े और दो दशक बाद हालात चरम पर पहुंच गए। वहीं पाकिस्तान की तरफ से भारत के शहरों को निशाना बनाए जाने के बाद, भारत की वायु रक्षा प्रणाली ने सभी को नाकाम करते हुए उसका माकूल जवाब दिया। भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के 14 सैन्य ठिकानों को ध्वस्त कर दिए। इससे घबराए पाकिस्तान ने भारत के सामने सीजफायर का प्रस्ताव रखा, जिसे दोनों देशों ने आपसी चर्चा के बाद लागू किया गया। एनआईए ने कहा कि यह पूरक चार्जशीट पहले दाखिल की गई 1,597 पन्नों की मूल चार्जशीट का विस्तार है। इसमें पाकिस्तान की साजिश, हाफिज सईद की भूमिका और जांच के दौरान जुटाए गए वैज्ञानिक एवं अन्य सबूतों का विस्तृत विवरण शामिल किया गया है।

पहले किन लोगों को बनाया गया था आरोपी :

एनआईए ने 15 दिसंबर 2025 को दाखिल अपनी पहली चार्जशीट में पाकिस्तान के आतंकी हैंडलर साजिद जट्ट, जुलाई 2025 में ऑपरेशन महादेव के दौरान मारे गए तीन आतंकियों और गिरफ्तार किए गए दो आरोपियों को नामजद किया था। इसके अलावा, जांच एजेंसी ने प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा/टीआरएफ को भी एक कानूनी इकाई के रूप में आरोपी बनाया था।

संध्या थिएटर भगदड़ केस

वर्चुअली पेश हुए अल्लू अर्जुन पुलिस ने चार्जशीट की दाखिल

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की नामपल्ली क्रिमिनल कोर्ट में सोमवार को संध्या थिएटर भगदड़ मामले की सुनवाई के दौरान पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की। फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' से जुड़े इस केस में अभिनेता अल्लू अर्जुन मुंबई से वर्चुअली पेश हुए, लेकिन बाकी कई आरोपी अदालत में उपस्थित नहीं हो सके, जिसके चलते कोर्ट ने सुनवाई को 29 जुलाई तक टाल दिया।

बता दें कि अदालत ने अल्लू अर्जुन को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया था, लेकिन शूटिंग की वजह से उन्होंने अदालत से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यवाही में शामिल होने की अपील की थी। यह पूरा मामला 4 दिसंबर 2024 का है, जब फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' के प्रीमियर के दौरान हैदराबाद के संध्या थिएटर में भारी भीड़ जमा हो गई थी। उसी दौरान अचानक भगदड़ जैसी स्थिति बन गई, जिसमें एक महिला की मौत हो गई और उसका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। महिला की पहचान एम. रेवती के रूप में हुई थी। इस घटना ने पूरे राज्य में हड़कंप मचा दिया था और सुरक्षा व्यवस्था पर कई सवाल उठे थे। पुलिस ने इस पूरे मामले में गंभीर धाराएं लगाई हैं, जिनमें गैर इरादतन हत्या भी शामिल है। पुलिस का आरोप है कि भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ और कई स्तरों पर जिम्मेदारी तय की जानी बाकी है। इस मामले में कुल 23 लोगों को आरोपी बनाया गया है, जिसमें अल्लू अर्जुन को आरोपी नंबर 11 के तौर पर शामिल किया गया।

सहकारिता मंत्रालय के 5 साल पूरे : पीएम मोदी के फैसले से आंदोलन को मिला नया जीवन : अमित शाह

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। सहकारिता मंत्रालय के पांच साल पूरे होने के मौके पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए। इस खास मौके पर केंद्रीय मंत्री ने अपने संबोधन में सहकारिता क्षेत्र की उपलब्धियों को रेखांकित किया और बताया कि कैसे इसकी शुरूआत हुई? केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज ही के दिन केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय को केंद्र सरकार में प्रस्तावित करने का काम किया था।

सभी सहकारिता सदस्यों की ओर से प्रधानमंत्री का धन्यवाद करना चाहूंगा। प्रधानमंत्री के इस फैसले ने सहकारिता आंदोलन को नए चरण में ले जाने का काम किया है। 75 वर्षों में सहकारिता आंदोलन उपेक्षित रहा। इसे हमेशा दोयम दर्जे को जाना गया। लेकिन, प्रधानमंत्री ने इसे एक सदी तक आगे बढ़ाने का काम किया है और उनके एक फैसले से ही करोड़ों लोगों को फायदा पहुंचा है। सहकारिता मंत्रालय ने सहकारिता क्षेत्र को नया प्राण देने का काम किया है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह के मुताबिक, आज की तारीख में सहकारिता मंत्रालय के पांच साल पूरे हो चुके हैं। ऐसी स्थिति में हमारे लिए यह जरूरी हो जाता है कि हम आपको अपने मंत्रालय की उपलब्धियों से अवगत कराएं।

साथ ही, अपनी भावी रोडमैप के बारे में भी बताए। जब केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय का गठन किया जा रहा था, तब कई लोग इसका विरोध कर रहे थे। विरोधियों का कहना था कि सहकारिता मंत्रालय राज्य का विषय है, लिहाजा केंद्र सरकार को इसमें दखल नहीं देना चाहिए, लेकिन मैं एक बात कहना चाहता हूं कि आज जब हमारा मंत्रालय पांच साल पूरा कर चुका है तो आज तक किसी भी विरोधी दल ने कोई विरोध नहीं किया। इन पांच साल में सहकारिता मंत्रालय ने यह साबित कर दिया है कि हम राज्य सरकार के काम में दखल देने के लिए नहीं, बल्कि उनकी मदद के लिए हैं। उन्होंने कहा कि सहकारिता मंत्रालय ने इन पांच साल में समस्याओं को पहचान कर उसके निदान की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। हमने यह सुनिश्चित किया है कि हमारे कामों से प्रदेश के विकास को नई गति मिले।

17 जुलाई को लॉन्च होगी देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे जल्द ही यात्रियों को देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन की सौगात देने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। यह ट्रेन हरियाणा के जींद-सोनीपत रूट पर चलेगी। यह ट्रेन हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक से संचालित होगी। खास बात यह है कि ट्रेन को 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत विकसित किया गया है और इसका डिजाइन लखनऊ स्थित आरडीएसओ ने तैयार किया है। यह ट्रेन हरियाणा के जींद-सोनीपत रूट पर चलाई जाएगी और इसकी शुरूआती रफ्तार 75 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। उद्घाटन से पहले हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सोमवार जींद पहुंचकर तैयारियों का जायजा लेंगे। इस परियोजना को भारतीय रेलवे के हरित और स्वच्छ परिवहन की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

पैगंबर मोहम्मद पर अपमानजनक टिप्पणियों पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। वैसे तो भारत में पाकिस्तान जैसा ईश-निंदा कानून नहीं है। लेकिन भारत का मुस्लिम समुदाय पैगंबर मोहम्मद पर बोलने से कई बार आहत हो जाता है। एक बार फिर इसी तरह का मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा है, जिसमें त्वरित सुनवाई की मांग की गई है। लेकिन पैगंबर मोहम्मद पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों से जुड़े इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि मामले को सनसनीखेज बनाने की जरूरत नहीं हैं और न ही त्वरित सुनवाई की जरूरत है। याचिकाकर्ता को पहले उचित प्राधिकरण में शिकायत दर्ज कराने की जरूरत है। यह मामला पैगंबर मोहम्मद पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों से जुड़ा है, जिसके बाद विभिन्न स्तरों पर विरोध और कानूनी कार्रवाई की मांग उठी।

पुलिस को वीएचपी का पत्र : कांग्रेस बोली

'उल्टा चोर कोतवाल को डांटे', 1400 करोड़ का जिक्र क्यों?

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने सोमवार को विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) पर हमला बोला। वीएचपी ने अयोध्या पुलिस को पत्र लिखकर उन विपक्षी नेताओं के बयानों की जांच करने की मांग की थी, जिन्होंने राम मंदिर में चढ़ावे (दान) की कथित चोरी का आरोप लगाया था। कांग्रेस ने कहा कि यह 'उल्टा चोर कोतवाल को डांटे' जैसी बात है। पार्टी ने कहा कि वीएचपी सवालों से ध्यान हटाना चाहती है, ताकि उसके अपने नैतिक पतन की बात सामने न आए।

कांग्रेस की यह प्रतिक्रिया तब आई, जब वीएचपी ने अयोध्या पुलिस से कहा कि वह कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा और आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल समेत कई विपक्षी नेताओं के आरोपों की जांच करे। वीएचपी ने कहा कि इन नेताओं को बुलाकर अपने आरोपों के समर्थन सबूत देने के लिए कहा जाए। कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि राम मंदिर में कथित चोरी के मामले में विपक्षी नेताओं पर हमला करने वाला वीएचपी का पत्र 'चोरी ऊपर से सीनाजोरी' का उदाहरण है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि यही वीएचपी पहले निर्मोही अखाड़ा की ओर से लगाए गए 1,400 करोड़ रुपये के कथित राम मंदिर घोटाले के आरोपों का सामना कर चुका है। अब वही संगठन उन विपक्षी नेताओं से पूछताछ की मांग कर रहा है, जिन्होंने कथित लूट पर सवाल उठाए हैं। वेणुगोपाल ने कहा कि वीएचपी की यह मांग जितनी बेबुनियाद है, उतनी ही शर्मनाक भी है। उन्होंने कहा कि जब खुद वीएचपी पर सवाल उठ चुके हैं, तो उसके पास विपक्ष पर उंगली उठाने का न तो नैतिक अधिकार है और न ही भरोसेमंद छवि। उन्होंने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट का गठन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था।

महाराष्ट्र में बारिश से 13 की मौत, 17 उड़ानें रद्द

सीएम फडणवीस ने की आपात बैठक

मुंबई, 6 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में लगातार भारी बारिश जारी है। इसके कारण मुंबई में दो जगह भूस्खलन हुआ। मलबे में लोग दबे हुए हैं। बचाव के लिए एनडीआरएफ रवाना हो चुकी है। मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे और पुराना हाइवे भी बंद कर दिया गया है। इतना ही नहीं, भारी बारिश देखते हुए कई ट्रेनें भी रद्द कर दी गईं।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने की अहम बैठक

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंत्रालय में बने डिजास्टर कंट्रोल रूम में एक बैठक की। इस बैठक में आपदा राहत मंत्री गिरीश महाजन और वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा, 'आज दोपहर 3 बजे के बाद मुंबई में हाई टाइड (समुद्र में ऊंची लहरें) आएगा। अगर हाई टाइड के समय भारी बारिश होती है, तो जल-जमाव की समस्या हो सकती है। दोपहर के बाद तेज हवाएं चलने की आशंका है, जिनकी गति 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। भूस्खलन की आशंका वाले इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

भारी बारिश के कारण 17 उड़ानें रद्द

एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भारी बारिश के कारण आज सुबह 11:30 बजे तक 17 उड़ानें रद्द कर दी गईं। इसके साथ ही 217 उड़ानें देर से चलीं। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे के 'मिसिंग लिंक' सेक्शन पर हुए भूस्खलन (लैंडस्लाइड) पर कांग्रेस विधायक

बारिश के कारण जगह-जगह लैंड स्लाइड की वजह से जनजीवन एवं रेल यातायात प्रभावित।

विजय वडेट्टीवार ने कहा, 'मिसिंग लिंक' पर भूस्खलन हुआ है। पहले भी, जब थोड़ी सी बारिश हुई थी, तो वहां बड़े-बड़े गड्ढे बन गए थे और सड़क बह गई थी। मिट्टी नरम होने की वजह से पूरी मुख्य सड़क ढह गई थी। आज जो सड़क बनी है, यानी यह 'मिसिंग लिंक', उसमें भारी भ्रष्टाचार हुआ है। यहां काम का यही स्तर है। यह घटिया दर्जे का काम है।'

कांग्रेस ने राज्य सरकार से पूछे सवाल

राज्य में बारिश से जुड़ी मौतों पर कांग्रेस एमएलसी सतेज (बंटी) ज्ञानदेव पाटिल ने कहा कि आईएमडी ने ऐसी भारी बारिश की संभावना जताई थी। तो, क्या तैयारियां की गईं? यह प्रशासन की पूरी तरह से नाकामी है, चाहे वह म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की तरफ से हो या सरकार की तरफ से। मुंबई एक इंटरनेशनल शहर है। दुनिया भर में इसकी चर्चा होती है... फिर भी हम मुंबई को बचा नहीं पा रहे हैं। वे सरकार कैसे चलाएंगे?

बारिश के कारण अब तक 13 लोगों की मौत

महाराष्ट्र के मंत्री गिरीश महाजन ने बताया कि मुंबई, पालघर और रायगढ़ में रिकॉर्ड तोड़ बारिश हुई है। जिसके कारण पिछले तीन-चार दिनों में 13 लोगों की मौत हुई है।

महाराष्ट्र विधानसभा पूरे दिन के लिए स्थगित

मुंबई और आसपास के इलाकों में भारी बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी के बीच सोमवार को महाराष्ट्र विधानसभा की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने सभी विधायकों और नागरिकों से प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि दीवार गिरने, भूस्खलन और पेड़ गिरने जैसी घटनाएं अत्यधिक बारिश का परिणाम हैं, न कि प्रशासन की लापरवाही। उन्होंने बताया कि पूरा आपदा प्रबंधन तंत्र, नगर निगम और अन्य एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं। मुंबई-पुणे मार्ग पर भूस्खलन के बाद यातायात तुरंत रोका गया और राहत कार्य जारी है। फडणवीस ने लोगों से गैर-जरूरी यात्रा से बचने और झरनों व पर्यटन स्थलों पर न जाने की अपील की। वहीं, कांग्रेस ने बारिश से हुई मौतों और हादसों की उच्चस्तरीय जांच तथा जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की।

मुंबई में भारी बारिश से रेल सेवा प्रभावित, वसई-विरार रूट पर कई ट्रेनें प्रभावित

मुंबई और आसपास के इलाकों में लगातार हो रही भारी बारिश का असर पश्चिम रेलवे की सेवाओं पर पड़ा है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) विनीत अभिषेक ने बताया कि पालघर में पिछले 24 घंटों में 300 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई, जिससे वसई, नालासोपारा और विरार क्षेत्र में जलभराव हो गया है। इसके कारण वसई-नालासोपारा-विरार के बीच लोकल ट्रेन सेवाएं सीमित संख्या में चलाई जा रही हैं। चर्चगेट से वसई रोड तक लोकल ट्रेनें 20-25 मिनट की देरी से चल रही हैं। वहीं, मुंबई आने वाली कई लंबी दूरी की ट्रेनों को विरार से पहले रोका जा रहा है और कुछ ट्रेनों को शॉर्ट-टर्मिनेट किया गया है। रेलवे ने कहा कि यात्रियों को सोशल मीडिया, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से लगातार अपडेट दिए जा रहे हैं। साथ ही, रेलवे और स्थानीय प्रशासन मिलकर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

मुंबई में चॉल गिरने से छह लोगों की मौत

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई के मानखुर्द इलाके में चॉल गिरने की घटना पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वाले छह लोगों के परिजनों को राज्य सरकार की ओर से पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

'राम के नाम पर लूट, कहां गईं 200 केजी चांदी की ईंटें?'

चंदा चोरी मामले पर भड़के टीएमसी सांसद, नितिन नवीन के बयान पर पलटवार

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। राम मंदिर में चंदा चोरी मामले को लेकर सियासी घमासान छिड़ा हुआ है। बीजेपी और विपक्ष के बीच वार-पलटवार का दौर चल रहा है, इस बीच आज राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक हो रही है। इस बैठक को लेकर टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने तंज कसते हुए कहा कि राम मंदिर में लूट और अनियमितताओं का खेल चल रहा है।

कीर्ति आजाद ने सोमवार को कहा, 'राम मंदिर में राम नाम की लूट मची है, जो लूट सके तो लूट। वहां पर डकैती हुई है। ट्रस्ट की मीटिंग पर उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट के कहने पर प्रधानमंत्री, विश्व हिंदू परिषद और चुने हुए सरकारी अधिकारियों ने मिलकर ट्रस्ट बनाया। इन लोगों ने मिलकर वहां लूट मचाई है।'

'लीपापोती कर रहा प्रशासन'

टीएमसी सांसद ने प्रशासन पर ढीले रवैया का आरोप लगाते हुए कहा, 'अगर कोई केस हुआ

तो ये सब लोग छूट जाएंगे। जब पहले ही दिन 80 लाख रुपये पकड़े गए थे तो एफआईआर होनी चाहिए। ये दिखाता है कि ये लीपापोती कर रहे हैं। करोड़ों का घोटाला हुआ है।'

कहां गई 200 किलो चांदी ईंटें?

उन्होंने यह भी दावा किया कि कई दानकर्ताओं को रसीदें नहीं मिलीं, जिनमें एक रिटायर्ड आईएएस अधिकारी द्वारा सोने की रामायण दान करने और सिंधी समुदाय द्वारा 200 किलो चांदी की ईंटें देने जैसे मामले शामिल हैं। आजाद ने आरोप लगाया कि इन मामलों की जांच या स्पष्ट जवाब नहीं दिए गए। टीएमसी सांसद ने कहा, जिन लोगों को हिरासत में लिया गया है। उन्हें समझाया गया है कि क्या कहना है, क्या नहीं। कीर्ति आजाद ने आरोप लगाते हुए कहा, मामले में बड़े-बड़े मगरमच्छों को बचाया जा रहा है। यह तो राष्ट्रीय मुद्दा है, वहां जो डकैती हुई है। उन्होंने कहा, जो लोग राम के नाम पर राजनीति करते हुए वहां पर पहुंचे हैं, आज उसी राम के नाम पर लूट कर रहे हैं।

'सवाल उठना स्वाभाविक'

वहीं राम मंदिर चंदा चोरी के आरोपों पर बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन के बयान पर उन्होंने कहा, 'जब राजनीति आस्था के नाम पर की जाती है, तो उस पर सवाल उठना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि यदि अनियमितताएं होती हैं तो उस पर राजनीति करना गलत नहीं माना जाना चाहिए।'

अमरनाथ गुफा में शिवलिंग 90% गायब, ऊंचाई एक फीट बची

3 दिन में 56000 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए; यह आंकड़ा पिछले साल से 18% ज्यादा

श्रीनगर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। अमरनाथ में बनने वाले पवित्र शिवलिंग का आकार एक फीट रह गया है। सोमवार को एक फीट के बाबा बर्फानी की फोटो सामने आई। 57 दिन चलने वाली यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी। पिछले 3 दिनों में 56 हजार से ज्यादा तीर्थयात्री दर्शन कर चुके हैं। यह आंकड़ा पिछले साल से 18.6% ज्यादा रहा। 2025 में पहले तीन दिन में 47,972 श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे थे। यात्रा के लिए इस साल 4 लाख श्रद्धालुओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है।

23 मई को 7 फीट का था शिवलिंग

23 मई को बीएसएफ के जवानों ने जो तस्वीर जारी की थी, उसमें शिवलिंग का आकार करीब 7 फीट था। 29 जून को पहली पूजा के दिन भी हिमलिंग की ऊंचाई 5 फीट से ज्यादा थी। 6 जुलाई को सामने आई तस्वीर में हिमलिंग लगभग 90% गायब हो चुका है।

48 किमी लंबे नुनवान-पहलगाम रूट और 14 किमी वाले छोटे, लेकिन कठिन बालटाल रूट से लगातार यात्री दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। यात्रा 28 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन खत्म होगी।

'हमारी रोजी-रोटी छिन जाएगी'

दिल्ली सरकार की ईवी पॉलिसी से करोल बाग के हजारों मैकेनिकों के सामने रोजगार का संकट

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार ने हाल ही में दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए ईवी पॉलिसी, 2026 लागू की है। इसके तहत 1 अप्रैल, 2028 से राजधानी में सिर्फ नए दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहनों का ही रजिस्ट्रेशन होगा। दिल्ली सरकार के इस आदेश से वे लोग काफी परेशान हैं जो बीते कई सालों से दोपहिया पेट्रोल और डीजल वाहनों की मरम्मत कर अपनी रोजी-रोटी चला रहे हैं। ऐसे ही एक शख्स संजय कुमार हैं। संजय करोल बाग की एक दुकान में स्कूटर और मोटरसाइकिल रिपेयर करते हैं। संजय कुमार को याद नहीं है कि उन्होंने अब तक कितने स्कूटर, मोटरसाइकिल को ठीक किया या उन्हें फिर से चालू किया हो। शायद यह संख्या हजारों में होगी। संजय बताते हैं कि वह बचपन से यह काम कर रहे हैं।

दिल्ली सरकार ने इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों को लेकर फैसला राजधानी में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए लिया है लेकिन संजय जैसे हजारों लोगों के लिए यह जीने और मरने का सवाल है। संजय कहते हैं, "ये (पेट्रोल बाइक) बंद हो जाएंगे, सारे इलेक्ट्रिक हो जाएंगे, धीरे-धीरे आ ही रही हैं बाजार में (ईवीएस)... जब ये (पेट्रोल) गाड़ियां आनी बंद हो जाएंगी, तो हम बिल्कुल बेकार हो जाएंगे।" करोल बाग के इस बाजार में बाइक, स्कूटर के रिपेयर का काम करने वाले मैकेनिकों, मजदूरों के अलावा बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जो दोपहिया वाहनों के स्पेयर पार्ट्स और एक्सेसरीज का कारोबार करते हैं। इसके अलावा वाहनों के मोडिफिकेशन की वर्कशॉप और हेलमेट बेचने वाली दुकानों में भी सैकड़ों लोग काम करते हैं।

ट्रक और बुलेरो की बीच हुई भीषण टक्कर, पांच की मौत

सीहोर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में सोमवार दोपहर आष्टा-शुजालपुर मार्ग पर ग्राम मेना गोदी के पास भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रक और बोलेरो की आमने-सामने की जोरदार टक्कर में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि बुलेरो के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार कई लोग वाहन के अंदर फंस गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और घायलों को बाहर निकालकर एंबुलेंस की मदद से सिविल अस्पताल पहुंचाया। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची तथा राहत कार्य शुरू कराया।

'हिंदू धर्म पर आप लोग कलंक हैं'

हनुमान वेश में डांस पर बीजेपी पर बरसे केजरीवाल, बोले-माफी मांगिए

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बीजेपी पर हिंदू धर्म का अपमान करने का आरोप लगाया है। यह प्रतिक्रिया बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की एक रैली के दौरान सामने आए वीडियो के बाद आई है जिसमें

एक व्यक्ति भगवान हनुमान की वेशभूषा में सड़क पर उनके काफिले के सामने नृत्य करता दिखाई दे रहा है। केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो साझा करते हुए लिखा, "जितना नुकसान और अपमान आप लोगों ने हिंदू धर्म का किया है, शायद भारत के 5000 वर्ष के इतिहास में बाहर से आने वाले आतताइयों ने भी नहीं किया। जितना आप लोगों ने हिंदुओं को लूटा है, आज तक किसी ने नहीं लूटा। हिंदू धर्म पर आप लोग कलंक हैं।" केजरीवाल ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए यह भी लिखा, "ये वीडियो देखिए। ये क्या कर रहे हैं आप। शर्म आती है आपको? पूरे हिंदू समाज से माफी मांगिए।" केजरीवाल का यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के संदर्भ में आया है। बीजेपी की ओर से इस मामले पर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। कलाकार के डांस का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ जिसके बाद इसे लेकर राजनीतिक बहस भी शुरू हो गई। इसी वीडियो को साझा करते हुए आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बीजेपी पर हिंदू धर्म का अपमान करने का आरोप लगाया और पूरे हिंदू समाज से माफी मांगने की मांग की।

सोशल मीडिया पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं

हनुमान वेश में कलाकार के नृत्य का वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इसको लेकर तीखी बहस छिड़ गई। कई यूजर्स ने इसे धार्मिक भावनाओं से जुड़ा मुद्दा बताते हुए आपत्ति जताई जबकि कुछ लोगों ने इसे चुनावी प्रचार में धार्मिक प्रतीकों के इस्तेमाल से जोड़कर सवाल उठाए। सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने लिखा, "इतनी हिम्मत सिर्फ बीजेपी वाले ही कर सकते हैं, जो हनुमान जी को नचा रहे हैं।" एक अन्य यूजर ने टिप्पणी की, "अब पवनपुत्र हनुमान जी भी बीजेपी का प्रचार करेंगे?" एक अन्य पोस्ट में कहा गया, "क्या अब किसी की धार्मिक भावनाएं आहत नहीं हो रही हैं?"

बारुईपुर दुष्कर्म पर सियासत तेज

भाजपा ने ममता को 15 साल के गिनाए अपराध

टीएमसी बोली-ये 'अति आपातकाल' का समय

कोलकाता, 6 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में 12 साल की बच्ची के दुष्कर्म मामले में टीएमसी ने राज्य सरकार पर निशाना साधा। टीएमसी ने कहा कि यह आपातकाल नहीं है बल्कि यह अति आपातकाल है। वहीं, कांग्रेस ने कहा कि जब विपक्ष के शासन में दुष्कर्म होता है, तो वह एक बड़ा मुद्दा बन जाता है।

टीएमसी सांसदों ने क्या कहा?

वहीं, इस मामले में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को बारुईपुर जाने से रोके जाने पर टीएमसी सांसद डोला सेन ने कहा, 'यह सिर्फ इमरजेंसी नहीं है। यह 'सुपर इमरजेंसी' है। जो हो रहा है, वह सही नहीं है।' वहीं, सांसद प्रतिमा मंडल कहती हैं, 'यह

> ममता बनर्जी को 15 साल में वहां जाने का समय नहीं मिला। पिछले 15 वर्षों में कितनी ही घटनाएं हुईं, दुष्कर्म होते रहे। सिर्फ आपको ही नहीं, आपके मंत्रियों, विधायकों और सांसदों को भी समय नहीं मिला।

अग्निमित्रा पॉल
बंगाल सरकार की मंत्री

> ममता बनर्जी को रोकना एक शर्मनाक घटना है और लोकतंत्र की हत्या के बराबर है। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। ये लोग ममता बनर्जी से डरते हैं। ममता बनर्जी शेरनी हैं। उन्हें पता है कि विरोध में कैसे खड़ा होना है।

प्रतिमा मंडल
टीएमसी सांसद

एक शर्मनाक घटना है और लोकतंत्र की हत्या के बराबर है। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री को जाने नहीं दिया। ये लोग ममता बनर्जी से डरते हैं। ममता बनर्जी शेरनी हैं। देश जानता है कि वह क्या कर सकती हैं और विरोध में कैसे खड़ी होती हैं। अगर ममता बनर्जी वहां जाती हैं, तो हजारों लोग उन्हें आशीर्वाद देने और उनके संघर्ष का समर्थन करने के लिए इकट्ठा होंगे। इसीलिए भाजपा और यह सरकार ममता बनर्जी से डरती है।' उन्होंने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा कि जब विपक्ष के शासन में रेप होता है, तो वह एक बड़ा मुद्दा बन जाता है। और सही भी है, जब तक समाज और सरकारें जाग नहीं जातीं, तब तक सभी रेप बड़े मुद्दे बनने चाहिए। लेकिन अगर भाजपा सरकार के शासन में रेप होता है, तो आप विपक्ष को नजरबंद कर देते हैं। सभी रेप समान रूप से भयानक होते हैं। उन्हें इस नजरिए से नहीं देखा जा सकता कि आप किस राजनीतिक पार्टी से जुड़े हैं।' पश्चिम बंगाल के बारुईपुर में दुष्कर्म मामले पर बच्ची के परिवार से मिलने की टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी की योजना पर मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने आलोचना की। उन्होंने कहा 'ममता बनर्जी को 15 साल में वहां जाने का समय नहीं मिला। उन 15 वर्षों में कितनी ही घटनाएं हुईं।

झारसुगुड़ा में पति बाइक पर बांधकर लाया पत्नी का शव

परिजन का आरोप-स्वास्थ्य केंद्र ने घंटों इंतजार करवाया न शव वाहन दिया, न एंबुलेंस

झारसुगुड़ा, 6 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के झारसुगुड़ा में एक व्यक्ति पत्नी के शव को बाइक पर लाने मजबूर हो गया। लाइकेरा ब्लॉक के उडियापाली गांव में रहने वाले नरेश छत्रिया की पत्नी जमुना की मौत

मुद्रजोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हो गई थी। नरेश जमुना की तबीयत बिगड़ने पर उसे डॉक्टर के पास ले गया था। लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। नरेश ने शव को घर ले जाने के लिए एंबुलेंस मांगी, लेकिन काफी इंतजार के बाद भी उसे शव वाहन नहीं मिला। मजबूरन नरेश, अपने पड़ोसी की बाइक पर पत्नी के शव को रखकर घर लेकर आया। मुंद्राजोर सीएचसी से लेकर ओडियापाली गांव की दूरी लगभग 5 किमी है। शनिवार 4 जुलाई को हुए इस पूरे घटनाक्रम का एक वीडियो सामने आया है। जिसमें नरेश पत्नी के शरीर को चादर से ढंककर बाइक पर लेकर जाता दिख रहा है।

खबरें जरा हटके

बीमार छात्रा के लिए फरिश्ता बनीं वार्डन, जब नहीं मिली एंबुलेंस

तो पीठ पर उठाकर 6km चलीं पैदल, भावुक पल वायरल

आज के समय में अक्सर लोग छोटी-सी जिम्मेदारी से भी पीछे हट जाते हैं, लेकिन कुछ लोग अपने काम से यह साबित कर देते हैं कि सच्ची सेवा और इंसानियत आज भी जिंदा है. आंध्र प्रदेश से सामने आई एक

ऐसी ही घटना इन दिनों सोशल मीडिया पर लोगों का दिल जीत रही है. यहां एक स्कूल वार्डन ने बीमार छात्रा की जान बचाने के लिए जो किया, उसकी हर तरफ तारीफ हो रही है. जानकारी के अनुसार, यह घटना आंध्र प्रदेश के एक दूरदराज के आदिवासी इलाके की है. यहां एक स्कूल में पढ़ने वाली छात्रा की अचानक तबीयत खराब हो गई. उसे तेज बुखार था और उसकी हालत लगातार बिगड़ती जा रही थी. डॉक्टर तक जल्द पहुंचाना जरूरी था, लेकिन इलाके में न एंबुलेंस उपलब्ध थी और न ही ऐसी सड़क, जहां वाहन आसानी से पहुंच सके. ऐसे मुश्किल समय में स्कूल की वार्डन ने बिना देर किए खुद जिम्मेदारी उठाई. वार्डन ने छात्रा को अपनी पीठ पर बैठाया और अस्पताल की ओर पैदल निकल पड़ीं.

यह सफर बिल्कुल आसान नहीं था. रास्ते में कच्चे रास्ते, पत्थर, पहाड़ी चढ़ाई और जंगल का इलाका था. इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी. करीब 6 किलोमीटर तक लगातार पैदल चलकर वह छात्र को सुरक्षित अस्पताल तक ले गईं. उनके लिए सबसे अहम बात बच्चे का इलाज था, इसलिए उन्होंने अपनी थकान और कठिनाइयों की परवाह नहीं की. इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो में वार्डन सावधानी के साथ छात्रा को पीठ पर लेकर आगे बढ़ती दिखाई देती हैं. उनके चेहरे पर थकान जरूर नजर आती है, लेकिन उनके हौसले में कोई कमी नहीं दिखती. यही वजह है कि लोग उन्हें समर्पण और मानवता की मिसाल बता रहे हैं.

2028 में जी रहा है शख्स, लोगों को दिखाई दो साल बाद की दुनिया, सब कुछ हो जाएगा खत्म!

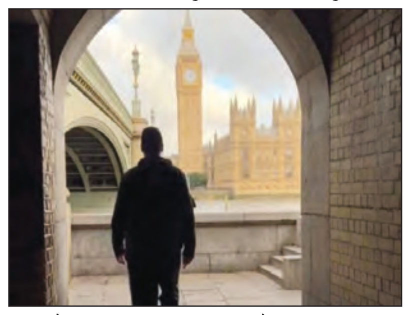

दुनिया में ऐसे कई लोग हैं जो दावा करते हैं कि उन्होंने भविष्य देखा है. कई इस दावे के सबूत भी पेश करते हैं. लेकिन हर बार सबूतों और दावों में कोई ना कोई लूपहोल निकलता है और झूठ सामने आ जाता है. एक्सपर्ट्स भी कहते हैं कि साइंस ने बड़ी तरक्की कर ली है लेकिन टाइम ट्रैवल का कांसेप्ट अभी तक अचीव नहीं हो पाया है. इस बीच सोशल मीडिया इन दिनों एक ऐसे शख्स की खूब चर्चा है जो खुद को 2028 का टाइम ट्रैवलर बता रहा है.

जेवियर नाम के इस युवक का दावा है कि वह दो साल आगे भविष्य में रह रहा है. उसके मुताबिक़, दो साल बाद की दुनिया में पूरी मानवता खत्म हो चुकी है और वह दुनिया का आखिरी बचा हुआ इंसान है. जेवियर टिक टॉक पर अपने वीडियो पोस्ट कर रहा है. इन वीडियो में स्पेन और लंदन जैसी जगहों की सड़कें पूरी तरह सुनसान दिख रही हैं. इमारतें, कारें, म्यूजियम सब कुछ वैसा ही है लेकिन कहीं कोई इंसान नजर नहीं आता. उसने एक वीडियो में कैप्शन लिखा, "दुनिया में अकेले 340 दिन पूरे हो गए. मैं कई शहरों में घूम चुका हूं. मेरे साथ क्या हो रहा है?" जेवियर का कहना है कि वह 340 दिनों से अकेला है. बिजली और इंटरनेट अभी भी काम कर रहे हैं, जिसकी वजह से वह वीडियो अपलोड कर पा रहा है. उसके वीडियो में खाली म्यूजियम, खाली सड़कें और सुनसान इलाके दिखाए गए हैं. उसने दावा किया है कि वह स्पेन में रहता है और कई शहरों का दौरा कर चुका है. टिक टॉक पर जेवियर के 66 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं. लोग उसके वीडियो देखकर हैरान हैं. कुछ उसे सच मान रहे हैं तो ज्यादातर लोग इसे अच्छा कंटेंट और एक्टिंग बता रहे हैं.

दुनिया का सबसे घिनौना ब्रेड! खाने दूर-दूर से आते हैं लोग, क्रीम में फेंटते हैं 'बाल'

थाईलैंड के पटाया शहर में एक बेकरी ने ऐसा क्रॉइसांट बनाया है जिसे देखकर लोगों के मुंह का स्वाद बिगड़ रहा है. इसे 'प्यूबिक हेयर क्रॉइसांट' का नाम दिया गया है क्योंकि ये देखने में बिल्कुल

प्राइवेट पार्ट के बालों जैसा लगता है. सोशल मीडिया पर वायरल हो रही वीडियो और तस्वीरों में क्रॉइसांट के ऊपर क्रीम के साथ बालों जैसी चीजें बिखरी नजर आ रही है. लोग इसे देखकर हैरान और घिनौना दोनों महसूस कर रहे हैं.

बेकरी के मालिक ने इसे जानबूझकर अजीबोगरीब तरीके से बनाया है. असल में ये 'बाल' सीवीड (समुद्री शैवाल) से तैयार किए गए हैं जो खाने में पूरी तरह सुरक्षित है. लेकिन दिखने में इतने रियलिस्टिक हैं कि पहली नजर में कोई भी इसे असली बाल समझ लेगा. क्रीम को खास तरीके से फेंटा जाता है और ऊपर ये सीवीड के टुकड़े इस तरह रखे जाते हैं कि पूरी डिश घिनौनी लगे. फिर भी लोगों में इसकी भारी डिमांड है. कई पर्यटक और लोकल लोग दूर-दूर से इस 'घिनौने' क्रॉइसांट को ट्राई करने आ रहे हैं. कुछ इसे मजाक में खा रहे हैं तो कुछ सोशल मीडिया पर वीडियो बनाकर वायरल करने के लिए.

यूनिक ब्रेड्स के लिए मशहूर है बेकरी

पटाया की यह बेकरी पहले से ही यूनिक और क्रिएटिव डिजाइन्स के लिए जानी जाती थी लेकिन इस बार उसने सनसनी मचा दी है. स्टॉम्प पटाया बेकरी के इस प्रोडक्ट ने हजारों शेयर और कमेंट्स पाए हैं. कुछ यूजर्स इसे क्रिएटिव मार्केटिंग बता रहे हैं तो कुछ कह रहे हैं कि यह स्वाद से ज्यादा शॉक वैल्यू पर चल रहा है. थाईलैंड में स्ट्रीट फूड और अजीबोगरीब डिशेज की परंपरा रही है. यहां के लोग एडवेंचरस खाने के शौकीन हैं. लेकिन इस क्रॉइसांट ने नया रिकॉर्ड बना दिया है. कई इन्फ्लुएंसर्स खास तौर पर पटाया पहुंचकर इसे ट्राई कर रहे हैं. बेकरी मालिक का कहना है कि यह सिर्फ एक फन और क्रिएटिव प्रोडक्ट है. सीवीड से बने 'बाल' खाने लायक हैं और कोई स्वास्थ्य जोखिम नहीं है. यह घटना मार्केटिंग की नई ट्रिक को भी दिखाती है. आजकल दुकानें सिर्फ स्वाद पर नहीं बल्कि वायरल होने वाली 'शॉक वैल्यू' पर भी ध्यान दे रही है.

सुविचार: कई बार तबीयत दवा लेने से नहीं, हाल पूछने से भी ठीक हो जाती है।

राज्य के हितों की अनदेखी कर रहे हैं सीएम रेवंत रेड्डी : केटीआर

हमाली यूनियन स्थापना दिवस महासम्मेलन आयोजित

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि राज्य के हमाली मजदूर कड़ी मेहनत कर धान की बोरियां उठा रहे हैं, जबकि मुख्यमंत्री कांग्रेस नेतृत्व को खुश करने के लिए दिल्ली का चक्कर लगाने में व्यस्त हैं और राज्य के हितों की अनदेखी कर रहे हैं। मल्लापुर स्थित एक गार्डन में आयोजित 18वें हमाली यूनियन स्थापना दिवस महासम्मेलन को संबोधित करते हुए केटीआर ने कहा कि बीआरएस सरकार के दौरान किसान, हमाली मजदूर और राइस मिल संचालक सभी संतुष्ट थे, लेकिन कांग्रेस सरकार बनने के बाद परिस्थितियां पूरी तरह बदल गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री केवल बीआरएस को बदनाम करने के उद्देश्य से कलेश्वरम परियोजना के कन्नेपल्ली पंपहाउस में पंप चालू नहीं कर रहे हैं और बड़ी मात्रा में पानी समुद्र में बहने दिया जा रहा है।

केटीआर ने कहा कि सरकार जानबूझकर किसानों को सिंचाई का पानी उपलब्ध नहीं करा रही है, क्योंकि फसल होने पर उसे समर्थन मूल्य और बोनस देना पड़ेगा। उन्होंने दावा किया कि पर्याप्त जल उपलब्ध होने के बावजूद किसानों की फसलों को सूखने के लिए छोड़ दिया जा रहा है। केटीआर ने कहा कि उन्होंने सरकार से अपील की है कि यदि बीआरएस नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करनी है तो करे, लेकिन किसानों के खिलाफ प्रतिशोधात्मक रवैया न अपनाए। उन्होंने कहा कि बीआरएस किसी भी मामले से डरने वाली नहीं है, लेकिन किसानों को परेशान किया गया तो जनता इसका जवाब देगी। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के दस वर्ष के शासन में राज्य ने विकास और समृद्धि देखी। कलेश्वरम परियोजना के माध्यम से सिंचाई का दायरा बढ़ा और कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई, जिससे किसानों के साथ-साथ हमाली मजदूरों को भी रोजगार के अधिक अवसर मिले।

केटीआर ने कहा कि बीआरएस सरकार ने हमाली मजदूरों के श्रम का सम्मान करते हुए उनकी मजदूरी दर को 8 रुपये से बढ़ाकर 26 रुपये किया था, जो लगभग 250 प्रतिशत की वृद्धि थी। उन्होंने दावा किया कि बीआरएस शासन में नियमित अंतराल पर मजदूरी दरों की समीक्षा कर मजदूरों की आय और जीवन स्तर में सुधार किया गया। हमाली मजदूरों को संबोधित करते हुए केटीआर ने उनकी सभी समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि श्रमिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा और कल्याण से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाएगा। बीआरएस नेता ने कहा कि पार्टी भले ही फिलहाल सत्ता में नहीं है, लेकिन जनता का समर्थन उसके साथ बना हुआ है। उन्होंने कार्यकर्ताओं और नेताओं से एकजुट रहने का आह्वान करते हुए विश्वास जताया कि आने वाले समय में बीआरएस फिर से सत्ता में लौटेगी। केटीआर ने लोगों से अपील की कि वे अगले दो वर्षों में केसीआर को पुनः मुख्यमंत्री बनाने के लिए प्रयास करें और तेलंगाना को विकास के मार्ग पर आगे बढ़ाएं।

महबूबनगर जिला जेल से पॉक्सो का आरोपी फरार

महबूबनगर, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के महबूबनगर जिला कारागार से सोमवार तड़के पॉक्सो अधिनियम के एक आरोपी के फरार होने का मामला सामने आया है। आरोपी की पहचान अमरचिंत मंडल के नंदीमल्ला गांव निवासी किशोर कुमार रेड्डी के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, किशोर कुमार रेड्डी सोमवार तड़के जेल की दीवार फांदकर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि वह पॉक्सो अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में न्यायिक हिरासत में बंद था। घटना की जानकारी मिलते ही जेल विभाग में हड़कंप मच गया। जेल विभाग के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) डी. श्रीनिवास महबूबनगर पहुंच गए हैं और पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। फरार आरोपी की तलाश के लिए पुलिस और जेल प्रशासन ने संयुक्त अभियान शुरू कर दिया है। जिला जेल से पॉक्सो के आरोपी के फरार होने की घटना से जिला मुख्यालय में सनसनी फैल गई है। मामले की विस्तृत जांच जारी है और अधिकारियों ने जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार करने का भरोसा जताया है।

अंतरराज्यीय गांजा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, तीन तस्कर गिरफ्तार

जीआरपी व ईगल टीम ने की बड़ी कार्रवाई

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद रेलवे पुलिस (जीआरपी), ईगल टीम (टीजीएएनबी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने संयुक्त अभियान चलाकर ओडिशा से महाराष्ट्र ले जाई जा रही अंतरराज्यीय गांजा तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई के दौरान तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 41.131 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 20.56 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, 5 जुलाई को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्मों और ट्रेनों में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ विशेष जांच अभियान चलाया गया। इसी दौरान संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर तीन व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि वे ओडिशा के बलांगीर से महाराष्ट्र के नागपुर तक गांजा की खेप पहुंचाने का काम कर रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान महाराष्ट्र के नागपुर निवासी 25 वर्षीय महेश दिलीप वांधरे और 30 वर्षीय कार्तिक चंद्रकांत अंबे के रूप में हुई है। इनके साथ एक 17 वर्षीय किशोर भी पकड़ा गया है। मामले में मुख्य सप्लायर संजू साहू, निवासी बलांगीर (ओडिशा), फरार बताया गया है। जांच में सामने आया कि संजू साहू ने महेश वांधरे को प्रत्येक खेप पहुंचाने के एवज में पांच हजार रुपये देने का लालच दिया था। इसके बाद महेश ने अपने साथी कार्तिक को भी इस काम में शामिल कर लिया। दोनों ने पूर्व में भी गांजा की खेप नागपुर पहुंचाई थी। बाद में एक किशोर भी इनके साथ जुड़ गया। पुलिस के अनुसार, 3 जुलाई को तीनों आरोपी बलांगीर रेलवे स्टेशन पर संजू साहू से मिले, जहां उन्हें कुल 40 पैकेट गांजा सौंपा गया। गांजा को ट्रॉली बैग और बैकपैक में छिपाकर वे नागावली एक्सप्रेस से 4 जुलाई को चेर्लापल्ली पहुंचे। इसके बाद संजू साहू के निर्देश पर वे सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पहुंचे और नागपुर जाने वाली दक्षिण एक्सप्रेस का इंतजार करने लगे। स्टेशन के सामान्य प्रतीक्षालय में संदिग्ध अवस्था में बैठे इन लोगों से पुलिस ने पूछताछ की। तलाशी के दौरान उनके सामान से 41.131 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। इसके बाद तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि मुख्य आरोपी संजू साहू की तलाश जारी है। यह कार्रवाई निरीक्षक बी. साईश्वर गौड़, उपनिरीक्षक टी. माधव और उनकी टीम ने ईगल टीम के डीएसपी शंकर यादव तथा आरपीएफ अधिकारियों के साथ मिलकर की।

हैदराबाद के लोक भवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से तेलंगाना जूनियर बास्केटबॉल लीग के विजेताओं ने मुलाकात की। इस दौरान राज्यपाल ने विजेताओं के साथ बातचीत की।

तेलंगाना विधानसभा में व्हिप के नए कार्यालयों का उद्घाटन

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधान परिषद के सभापति गुत्ता सुखेंदर रेड्डी तथा विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार ने सोमवार को विधानसभा भवन में विधानसभा व्हिप वेमुला वीरेशम तथा विधान परिषद के व्हिप अद्दांकी दयाकर और बालमुरी वेंकट के नए कार्यालयों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों को शुभकामनाएं दीं। इसके बाद सभापति और विधानसभा अध्यक्ष ने विधानसभा मीडिया सलाहकार समिति के नए कार्यालय का भी उद्घाटन किया तथा विशेष पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम में उपसभापति बंडा प्रकाश मुदिराज, मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, दुद्दिला श्रीधर बाबू और पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, राज्यसभा सदस्य वेम नरेंद्र रेड्डी, एमएलसी, विधायक, विधान परिषद सचिव डॉ.वी. नरसिम्हा चार्युलु, विधानसभा सचिव रेंडला तिरुपति सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

यूरिया बुकिंग ऐप को तत्काल वापस ले सरकार : निरंजन रेड्डी

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व कृषि मंत्री सिंगिरेड्डी निरंजन रेड्डी ने राज्य सरकार पर किसानों की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार की नीतियों के कारण किसान खेती-किसानी छोड़कर यूरिया बुकिंग के लिए मोबाइल फोन पर निर्भर होने को मजबूर हो गए हैं। सोमवार को जारी एक बयान में निरंजन रेड्डी ने कहा कि खेतों में काम करने वाले किसानों को यूरिया के लिए ऐप पर बुकिंग का इंतजार करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐप के माध्यम से यूरिया उपलब्ध नहीं होने से किसान भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। सरकार यूरिया की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने में विफल रही है और अब ऐप व्यवस्था लागू कर इसे बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रचारित कर रही है, जो शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि सरकार का यह दावा कि ऐप आधारित वितरण से अनियमितताओं और कालाबाजारी पर रोक लगी है, उसकी प्रशासनिक विफलता को ही उजागर करता है। यदि यूरिया की कालाबाजारी हो रही है तो उसे रोकने की जिम्मेदारी सरकारी तंत्र की है, न कि किसानों पर अतिरिक्त बोझ डालने की। पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि सिंचाई, बिजली और उर्वरकों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित नहीं कर सरकार खेती का रकबा कम करने की साजिश कर रही है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, M Poongodi, Mother of No. 14678676H, Hav, Manikandan M, R/o, Dist: Vellore, Tamil Nadu, changed my name from M Poongodi to M Poonkodi , vide Affidavit No. BU 316229 dt 30.06.2026, before Spl Judicial Magistrate at L B Nagar.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

जिला ओबीसी पर्यवेक्षकों के लिए राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के ओबीसी विभाग की ओर से नव नियुक्त जिला ओबीसी पर्यवेक्षकों के लिए सोमवार को हैदराबाद स्थित इंदिरा भवन में राज्य स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता टीपीसीसी ओबीसी विभाग के राज्य संयोजक डॉ. केतूरी वेंकटेश ने की।

में टीपीसीसी ओबीसी विभाग के अध्यक्ष वीरलपल्ली शंकर, ओबीसी विभाग की संयोजक जूलूरु धनलक्ष्मी, राज्य पर्यवेक्षक समन्वयक राजेश शामीरपेट, आलोक नाथ, अरुण कुमार गौड़, मेकला वीरन्ना यादव, बेंडे श्रीकांत, मुत्तिनेनी रवि कुमार, चरण गौड़, सुधाकर सहित कई नेता उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम पूरा होने के बाद राज्यभर में ओबीसी विभाग को गांव से लेकर राज्य स्तर तक मजबूत करने के लिए व्यापक संगठनात्मक विस्तार अभियान शुरू किया जाएगा। इसके तहत गांव, मंडल, विधानसभा क्षेत्र, जिला और राज्य स्तर पर विशेष समितियों का गठन कर अध्यक्ष, चेयरमैन, उपाध्यक्ष, समन्वयक, महासचिव, सचिव और सदस्य समेत विभिन्न पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। नेताओं ने कहा कि ओबीसी समाज के उत्थान के लिए समर्पित भाव से कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं, युवाओं और समाजसेवियों को संगठन में प्राथमिकता दी जाएगी। पार्टी लगभग 10 हजार संगठनात्मक पदों के सृजन और भरती की दिशा में कार्ययोजना तैयार कर रही है। उन्होंने बताया कि एसआईआर प्रक्रिया पूरी होने के बाद जिला ओबीसी पर्यवेक्षकों के माध्यम से इच्छुक कार्यकर्ताओं का विवरण एकत्र किया जाएगा और उनकी योग्यता, सक्रियता तथा सेवा भावना के आधार पर संगठन में जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। प्रशिक्षण शिविर में राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों से आए जिला ओबीसी पर्यवेक्षकों को संगठन निर्माण, दायित्वों, समन्वय, सदस्यता अभियान, जमीनी स्तर की गतिविधियों तथा ओबीसी कल्याण कार्यक्रमों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों से आए पर्यवेक्षकों ने भाग लिया।

विद्यालय से इंटर की छात्रा लापता

पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरू की जांच

मंचेरियल, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मंचेरियल जिले के कोटापल्ली मंडल स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय से इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष की एक छात्रा के लापता होने का मामला सामने आया है। छात्रा की पहचान साई श्रुति के रूप में हुई है, जो रविवार सुबह बिना किसी को सूचना दिए विद्यालय परिसर से चली गई।

पुलिस के अनुसार, छात्रा के लापता होने की सूचना मिलने पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। छात्रा की तलाश के लिए विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया है और विभिन्न संभावित स्थानों पर उसकी खोजबीन की जा रही है।

घटना के बाद अभिभावकों ने सरकारी शिक्षण संस्थानों से छात्रों के लगातार लापता होने की घटनाओं पर चिंता जताई है। उन्होंने अधिकारियों से छात्रा का शीघ्र पता लगाने के साथ-साथ विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि 3 जुलाई को चेन्नूर स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले आवासीय विद्यालय से लापता हुई कक्षा नौ की एक छात्रा को एक दिन बाद सुरक्षित बरामद कर लिया गया था। वहीं, 25 जून को रेब्बेना मंडल स्थित सामाजिक कल्याण आवासीय महाविद्यालय से द्वितीय वर्ष की एक इंटरमीडिएट छात्रा परिसर की चारदीवारी फांदकर चली गई थी, जो करीब एक सप्ताह बाद वापस लौट आई थी।

मतदाता गणना प्रपत्र भरने में हो रहीं कई गलतियां, बीएलओ की बढ़ी मुश्किलें

गलत विवरण, व्हाइटनर के इस्तेमाल और भाषा संबंधी त्रुटियों से प्रभावित हो रही विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। चुनावी प्रक्रिया के तहत चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को मतदाता गणना प्रपत्र भरवाने के दौरान कई व्यावहारिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अधिकारियों का कहना है कि बड़ी संख्या में मतदाता प्रपत्रों में गलत या अधूरी जानकारी दर्ज कर रहे हैं, जिससे सत्यापन प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। बीएलओ के अनुसार, कई मतदाता जन्मतिथि, पता और विधानसभा क्षेत्र जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां सही ढंग से नहीं भर रहे हैं। कुछ मामलों में मतदाताओं ने निर्धारित कॉलम में पूरी तरह असंबंधित जानकारी दर्ज कर दी। उदाहरण के तौर पर, विधानसभा क्षेत्र वाले कॉलम में बैंक खाते का विवरण भर दिया गया। इसके अलावा कई प्रपत्रों में बार-बार काटछांट और सुधार किए गए, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। अधिकारियों ने मतदाताओं को सलाह दी है कि वे मूल प्रपत्र भरने से पहले उसकी फोटोकॉपी पर सभी जानकारियां सावधानीपूर्वक भरकर जांच लें। सभी विवरण सही होने के बाद ही मूल प्रपत्र में प्रविष्टियां करें, ताकि त्रुटियों से बचा जा सके।

बीएलओ ने बताया कि फोटो चिपकाने के संबंध में भी कई गलतियां सामने आ रही हैं। प्रशिक्षण के दौरान केवल नवीनतम पासपोर्ट आकार की फोटो लगाने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन कई मतदाता पहले से उपयोग की गई या अस्पष्ट तस्वीरें लगा रहे हैं। कुछ तस्वीरों में चेहरा रबर स्टांप से ढका हुआ है या स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दे रहा है।

अधिकारियों के अनुसार, कुछ मतदाता प्रपत्र भरने में लाल और हरे रंग के पेन का उपयोग कर रहे हैं, जबकि उन्हें केवल नीले या काले रंग के बॉलपेन से ही प्रपत्र भरने की सलाह दी गई है। इसके अलावा कुछ लोग त्रुटि सुधारने के लिए व्हाइटनर का इस्तेमाल भी कर रहे हैं, जिसे निर्वाचन प्रक्रिया में स्वीकार्य नहीं माना गया है। बीएलओ ने यह भी बताया कि अंग्रेजी में छपे प्रपत्रों को समझने में कुछ मतदाताओं को कठिनाई हो रही है और वे तेलुगु या उर्दू में जानकारी भर रहे हैं, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।

ऐसे मामलों में अधिकारियों को स्वयं उनकी सहायता करनी पड़ रही है। मैदानी स्तर पर कार्य कर रहे अधिकारियों ने यह भी बताया कि कई घरों के बाहर 'कुत्तों से सावधान' जैसे चेतावनी बोर्ड लगे होने और सुरक्षा व्यवस्था के कारण उन्हें घरों तक पहुंचने में अतिरिक्त समय लग रहा है। उनका कहना है कि कई बार गेट खुलने के लिए 10 से 15 मिनट तक इंतजार करना पड़ता है, जिससे सर्वेक्षण कार्य की गति प्रभावित हो रही है।

पत्नी को वीडियो कॉल पर आत्महत्या का लाइव दृश्य दिखाकर युवक ने दी जान

वारंगल, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के वारंगल जिले में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी पत्नी को वीडियो कॉल पर आत्महत्या का दृश्य दिखाते हुए ट्रेन के सामने कूदकर जान दे दी। मृतक की पहचान 45 वर्षीय राजेश नाइक के रूप में हुई है, जो वारंगल जिला रजिस्ट्रार कार्यालय में दस्तावेज लेखक के रूप में कार्यरत थे।

पुलिस और स्थानीय लोगों के अनुसार, राजेश नाइक का परिवार के साथ संपत्ति को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी मुद्दे को लेकर घर में अक्सर कहासुनी होती रहती थी।

बताया गया कि रविवार रात संपत्ति विवाद को लेकर राजेश और उनकी पत्नी के बीच तीखी बहस हुई। इसके बाद वह घर से निकल गए और अपनी पत्नी को वीडियो कॉल कर आत्महत्या करने की बात कही। आरोप है कि वीडियो कॉल के दौरान ही उन्होंने काजीपेट रेलवे स्टेशन के निकट एक तेज रफ्तार ट्रेन के सामने छलांग लगा दी। घटना की सूचना मिलने पर सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर तलाश अभियान चलाया।

सोमवार सुबह राजेश का शव काजीपेट रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर बरामद किया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामला दर्ज कर लिया है। घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

तहसीलदार 70 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने सिद्दीपेट जिले में एक तहसीलदार को 70 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी पर भूमि के नाला (एनएएलए) परिवर्तन संबंधी आवेदनों के निस्तारण के लिए रिश्वत मांगने का आरोप है। एसीबी के अनुसार, चेयार्ल मंडल के तहसीलदार कोर्रा दिलीप नायक को सोमवार दोपहर उनके कार्यालय में जाल बिछाकर पकड़ा गया। आरोप है कि उन्होंने नागापुरी गांव स्थित भूमि से संबंधित 11 नाला परिवर्तन आवेदनों की प्रक्रिया पूरी करने के लिए शिकायतकर्ता से 70 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी। इनमें से आठ आवेदनों का निस्तारण पहले ही किया जा चुका था। एसीबी अधिकारियों ने आरोपी के कब्जे से रिश्वत की राशि बरामद कर ली। जांच एजेंसी का कहना है कि तहसीलदार ने अपने पद का दुरूपयोग करते हुए अनुचित लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से रिश्वत स्वीकार की। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उसे हैदराबाद स्थित विशेष एसीबी एवं एसपीई अदालत में पेश किया जाएगा। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी गई है। मामले की जांच जारी है।

निजी स्कूल बसों पर रोक से सरकारी स्कूलों में बढ़ा नामांकन

मेदक के दो गांवों की पहल बनी मिसाल, ग्रामीणों और शिक्षकों के प्रयास रंग लाए

मेदक, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मेदक जिले में सरकारी विद्यालयों में घटते नामांकन के बीच निजामपेट मंडल के दो गांवों की अनूठी पहल ने सकारात्मक परिणाम दिए हैं। गांवों में निजी स्कूल बसों के प्रवेश पर रोक लगाने के बाद सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। खासीमपुर प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक के. संपत ने बताया कि वर्ष 2024-25 के अंत तक विद्यालय में केवल चार छात्र ही रह गए थे, जबकि गांव के लगभग 30 बच्चे निजी स्कूलों में पढ़ने के लिए निजामपेट मंडल मुख्यालय जाते थे। इसके बाद उन्होंने ग्राम सरपंच और ग्रामीणों के सहयोग से निजी स्कूल बसों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की पहल की।

जून 2025 में यह निर्णय लागू होने के बाद खासीमपुर प्राथमिक विद्यालय में छात्रों की संख्या बढ़कर 19 हो गई। इस वर्ष विद्यालय के दो विद्यार्थियों ने नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण की, जिसके बाद नामांकन बढ़कर 24 तक पहुंच गया। वर्तमान में गांव से केवल पांच छात्र ही निजी वाहनों से निजी स्कूलों में पढ़ने जाते हैं।

इसी प्रकार पड़ोसी गांव शौकतपल्ली में भी निजी स्कूल बसों के प्रवेश पर रोक लगाने का निर्णय लिया गया। इसका असर यह हुआ कि वहां के सरकारी विद्यालय में छात्रों की संख्या 14 से बढ़कर 30 हो गई। खासीमपुर के सरपंच रामचंदर और शौकतपल्ली की सरपंच सुनीता ने इस पहल में शिक्षकों का पूरा सहयोग किया। शौकतपल्ली के प्रधानाध्यापक एल. नागेश ने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि अगले शैक्षणिक सत्र से गांव का कोई भी छात्र निजी स्कूल में न जाए। शिक्षकों ने कहा कि यदि सरकारी विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं को और बेहतर बनाया जाए तो वे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने में और अधिक सक्षम होंगे। वहीं, सरपंच रामचंदर ने विश्वास जताया कि योग्य और समर्पित शिक्षकों के कारण अभिभावकों को सरकारी विद्यालयों में बच्चों का दाखिला दिलाने के लिए आसानी से प्रेरित किया जा सकता है।

तूफानी बारिश, काशी की गलियों में पानी भरा

बरेली में सड़कें डूबीं, ई-रिक्शा पलटे 10 शहरों में बरसात, 57 में अलर्ट

लखनऊ/वाराणसी, 6 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। सोमवार सुबह 11 बजे से प्रयागराज में तूफानी हवाओं के साथ बारिश हो रही है। सड़कों पर पानी भर गया है। इससे पहले वाराणसी, भदोही और मिर्जापुर समेत 10 शहरों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। वाराणसी में गलियों में पानी भर गया। तेज हवाओं के कारण गंगा नदी किनारे लगी जेटी बह गई। लखनऊ-कानपुर समेत ज्यादातर शहरों में तेज धूप है। बीच-बीच में बादल छा रहे हैं। लखीमपुर खीरी के प्राइमरी स्कूल में गर्मी-उमस से 2 छात्र बेहोश हो गए। रविवार देर रात 1 बजे बरेली में हुई बारिश से कई सड़कें जलमग्न हो गईं। जलभराव में फंसकर कई ई-रिक्शा पलट गए। मौसम विभाग ने आज 57 शहरों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। कल से मानसूनी एक्टिविटी और तेज होगी। इससे पूरे प्रदेश में अच्छी बारिश होने की संभावना है। पिछले 24 घंटे की बात करें तो गाजियाबाद, बलिया समेत 18 शहरों में बरसात हुई। लखनऊ-बाराबंकी में 45 मिनट तक आंधी के साथ बारिश हुई। कई जगह पेड़ और पोल उखड़ गए। हापुड़ में बारिश से हाईवे पर पानी भर गया था।

मौसम विभाग (आईएमडी) का कहना है कि उत्तरी पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में बना मौसमी सिस्टम आज शाम उत्तरी ओडिशा तट पार कर छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ेगा। इसके मौजूदा पश्चिमी विक्षोभ के साथ मिलने की वजह से यूपी में कहीं-कहीं अचानक तेज बारिश हो सकती है। ओले गिर सकते हैं।

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया-उत्तरी ओडिशा तट के पास बने मौसम सिस्टम का असर यूपी पर पड़ा है। इस वजह से प्रदेश में मानसून कमजोर पड़ गया है।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को अखिलेश यादव ने दिया 10 मिनट का अल्टीमेटम

टिन्नू यादव से कनेक्शन के आरोप

लखनऊ, 6 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के गोड्डा से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव और अखिलेश यादव के बीच कथित संपर्क की बात सामने आई है। जैसे ही ये खबर सामने राम मंदिर चंदा चोरी मामले को और भी सनसनीखेज बना दिया है। निशिकांत दुबे ने कहा कि पुलिस जांच और मोबाइल कॉल रिकॉर्ड के विश्लेषण के अनुसार, तिन्नू यादव कथित तौर पर नियमित रूप से अखिलेश यादव के संपर्क में था। अब इस मामले में सपा मुखिया अखिलेश यादव ने चेतावनी दी है। उन्होंने निशिकांत दुबे को पोस्ट डिलीट करने के लिए 10 मिनट का समय दिया है। हालांकि, खबर लिखे जाने तक निशिकांत दुबे ने ट्वीट डिलीट नहीं किया था।

सपा मुखिया अखिलेश यादव लगातार राम मंदिर चंदा चोरी पर सरकार को घेर रहे हैं। इसको लेकर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने उन पर हमला बोला था।

सम्राट से मिले तेजस्वी के कोटे वाले विधायक आईपी गुप्ता

पटना, 6 जुलाई (एजेंसियां)। तेजस्वी यादव कोटे के विधायक आईपी गुप्ता ने पटना में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात की है। इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे और स्वास्थ्य मंत्री निशांत से भी मुलाकात की थी। इन मुलाकातों के पीछे उनकी मकसद भी था। दरअसल, आईपी गुप्ता अपनी पार्टी बना लिए, महागठबंधन की कृपा से विधायक भी बन गए लेकिन पटना के सरकारी बंगला में पार्टी ऑफिस नहीं खोल पाए। इसी ख्वाहिश को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मिले।

इसके अलावे भी उनकी मांगे रही। जिसमें अहम था पान की खेती करने वाली जातियों को अति पिछड़ा वर्ग की सूची से हटाकर अनुसूचित जाति की श्रेणी में शामिल किया जाए। विधायक का तर्क है कि बिहार में 113 जातियां अति पिछड़ी सूची में हैं, लेकिन आरक्षण का लाभ केवल 12-13

किस ख्वाहिश के साथ सीएम से हुई मुलाकात

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मिले विधायक आईपी गुप्ता

सक्षम जातियां ही उठा पा रही हैं। सहरसा के विधायक आईपी गुप्ता ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मिलकर अपनी मांगों की लिस्ट थमाई। आईआईपी के इकलौते विधायक आईपी गुप्ता ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया है, वे सारे विषयों पर गंभीरता से विचार करेंगे। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय की गलत व्याख्या करते हुए प्रक्रियारत भर्तियों में तांती, तत्वा, पान समुदाय के अभ्यर्थियों का कोटि परिवर्तन कर नौकरी से वंचित करने संबंधी विभिन्न अधिसूचना को निरस्त करने पान जाति का स्टेटस बहाल करने जेनरल कोटि और अतिपिछड़ा अभ्यर्थियों के कट ऑफ के बराबर मार्क्स प्राप्त कर चुके पान छात्रों को नियुक्ति दिलाने। पूर्णिया मेडिकल कॉलेज से निकाली गई पान की बेटी अनुसूरिया कुमारी को वापस पूर्णिया मेडिकल कॉलेज में नामांकन कराने आईआईपी पार्टी को अपना एक कार्यालय मुहैया कराने।

22 करोड़ का ओवरब्रिज बारिश में दो हिस्सों में बंटा

राजनांदगांव, 6 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में डोंगरगढ़ और राजनांदगांव के बीच बरगा रेलवे ओवरब्रिज बारिश के बाद बीच से फट गया और दो हिस्सों में बंट गया। पुल पर करीब 60–70 फीट लंबी और 10–12 सेंटीमीटर चौड़ी दरारें आ गईं, जिससे इसकी मजबूती पर सवाल उठने लगे हैं।

वहीं, आलीवारा ओवरब्रिज की हालत भी बिगड़ गई है, जहां सड़क का हिस्सा बह गया, किनारे की बाउंड्री टूट गई और कई जगह बेस धंस गया। सुरक्षा के लिए बैरिकेड्स लगा दिए गए हैं। बतादें कि बरगा और आलीवारा में 20 से 22 करोड़ की लागत से दोनों रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण किया गया था। लोकार्पण पिछले महीने जून में हुआ था।

बांका डबल मर्डरः सीने के आरपार हुई गोली,10 राउंड फायरिंग

बांका, 6 जुलाई (एजेंसियां)। बांका में रविवार शाम बाइक सवार दो लोगों की ताबड़तोड़ गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई। घटनास्थल पर 10 से ज्यादा खोखे मिले हैं। दो बाइक पर सवार होकर चार युवक नशा करने गांव पहुंचे थे, जहां चारों के बीच आपस में विवाद हो गया। इसी दौरान एक युवक ने गोली चला दी।

गोली दोनों युवकों के सीने में लगी और आर-पार हो गई, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस घटना में एक अन्य युवक भी गोली लगने से जख्मी हो गया और मौके से फरार हो गया, पुलिस जिसकी तलाश कर रही है।

मृतकों की पहचान सिट्टू सिंह (35) और गुंजन सिंह (40) के रूप में हुई है। वारदात अमरपुर थाना क्षेत्र के बलिया गांव की है।

एसपी बोले- नशे में विवाद के बाद गोलियां चलीं दिल्ली में ठेकेदार थे दोनों, एक हिस्ट्री शीटर

एसपी अमितेश कुमार ने कहा, नशे के दौरान चारों का आपस में विवाद हुआ, जिसके बाद गोलियां चलीं। मृतक गुंजन सिंह का आपराधिक इतिहास रहा है।

गुंजन सिंह और सीटू सिंह दोस्त थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, दोनों युक्क दिल्ली में रहकर छोटे-मोटे ठेकेदारी का काम करते थे और कुछ दिनों के लिए गांव आए हुए थे। रविवार शाम वे नशा करने दोस्तों के साथ बलिया गांव चले गए, जहां गोली लगते ही दोनों सड़क पर गिर पड़े और मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही अमरपुर थानाध्यक्ष राकेश कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। इसके कुछ ही देर बाद बांका के पुलिस अधीक्षक अमितेश कुमार और एसडीपीओ अमर विश्वास भी मौके पर पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि घटना के समय दोनों युक्कों के साथ दो अन्य युवक भी मौजूद थे। बताया जा रहा है कि उनमें से एक को भी गोली लगी है, लेकिन घटना के बाद वह वहां से भाग निकला।

पुलिस उस युवक की तलाश कर रही है, क्योंकि उससे घटना के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की संभावना है।

घटना के बाद पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बांका भेज दिया है।

16 साल पुराने हत्याकांड में दो को फांसी की सजा

मुजफ्फरनगर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर में 16 साल पुराने राजवीर सिंह हत्याकांड में फास्ट ट्रैक कोर्ट-3 ने दो मुख्य आरोपियों को फांसी की सजा सुनाई है। जिला न्यायाधीश रवि दिवाकर की अदालत ने सोमवार को सहदेव उर्फ पप्पू और प्रमोद को दोषी करार देते हुए यह फैसला सुनाया। यह घटना उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के तितावी थाना क्षेत्र के माड़ी गांव में 2010 के प्रधानी चुनाव की रंजिश से जुड़ी है। कोर्ट ने दोनों दोषियों पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

अदालत ने स्पष्ट किया कि जुर्माना अदा न करने की स्थिति में अतिरिक्त सजा का प्रावधान होगा। वर्ष 2010 में माड़ी गांव में ग्राम प्रधान पद के चुनाव को लेकर राजवीर सिंह की हत्या की गई थी।

अचानक जेडीयू कार्यालय पहुंचे नीतीश कुमार

नाराज होकर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष से क्या कहा?

पटना, 6 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार को अचानक जनता दल यूनाईटेड के प्रदेश कार्यालय पहुंच गए।

उनके अचानक पहुंचे से पार्टी कार्यालय में कुछ देर के लिए हलचल मच गई। इस दौरान उन्होंने कार्यालय का निरीक्षण किया और संगठन के कामकाज की जानकारी ली।

प्रदेश कार्यालय में मौजूद प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा से बातचीत के दौरान नीतीश कुमार ने कार्यों में देरी पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, मेरे कहने के बाद भी काम नहीं हो रहा, इसका क्या मतलब है?

पूर्व मुख्यमंत्री की इस टिप्पणी के बाद कार्यालय में मौजूद पदाधिकारी और कार्यकर्ता कुछ देर के लिए असहज नजर आए। बताया जा रहा है कि नीतीश कुमार जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान ही अचानक जदयू प्रदेश कार्यालय पहुंच गए।

उन्होंने कार्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा भी की। नीतीश कुमार ने पदाधिकारियों को संगठन से जुड़े कार्यों में तेजी लाने और लंबित मामलों का समय पर निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उनका यह दौरा राजनीतिक और संगठनात्मक दोनों दृष्टि से अहम माना जा रहा है।

जमीन पर कब्जा करने आए 17 अपराधी अरेस्ट

पटना, 6 जुलाई (एजेंसियां)। पटना के रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र में 31 कट्ठा जमीन पर कथित कब्जा करने की कोशिश को पुलिस और एसटीएफ ने विफल कर दिया। संयुक्त कार्रवाई में 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें 12 पेशेवर अपराधी बताए जा रहे हैं। रामकृष्णा नगर के दारोगा हेमंत झा के आवेदन पर सभी पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज हुई है। सभी गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है। आवेदन के मुताबिक, पटना के रामकृष्ण नगर इलाके में बैरिया बस स्टैंड के पास श्री देवी नाम की महिला का 31 कट्ठा का प्लॉट है। जिस पर हरवे हथियार के बल पर कब्जा करने की तैयारी में था।

मणिकांत ग्रुप समेत अलग-अलग ग्रुप कब्जा करने वाले थे। इसी बीच पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि उस जमीन पर कब्जा करने के इरादे से कुछ अपराधी पटना में जुटे हैं। उनमें से एक विकास कुमार 22 वर्ष भूपतिपुर में है।

ट्रक ने 2 ट्रैफिक सिपाहियों को कुचला, एक की मौत

भागने के चक्कर में कंटेनर में घुसा, ट्रक चालक की भी जान गई

कानपुर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। कानपुर में बर्रा एलिवेटेड रोड पर सोमवार तड़के 4 बजे ड्यूटी पर तैनात 2 ट्रैफिक सिपाहियों को ट्रक ने कुचल दिया। एक सिपाही की मौके पर मौत हो गई। दूसरा गंभीर घायल है।

हादसे के बाद भागने के चक्कर में ट्रक बेकाबू हो गया। आगे चल रहे कंटेनर में जा घुसा। इसमें ट्रक ड्राइवर की भी जान चली गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक का केबिन पिचक गया। ड्राइवर का शव केबिन में फंस गया। केबिन काटकर शव निकाला गया। मृतक जितेंद्र 2018 बैच के सिपाही थे। मूलरूप से आगरा के रहने वाले थे। जबकि सिपाही राकेश कुमार घायल हैं। उन्हें कांशीराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राकेश मूलरूप से बुलंदशहर के रहने वाले हैं। ट्रक ड्राइवर की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस के मुताबिक, दोनों सिपाही राकेश और जितेंद्र की ड्यूटी नौबस्ता बाईपास पर लगी थी। सूचना मिली की एलिवेटेड रोड में जाम लगा है। दोनों बाइक से नौबस्ता से बर्रा एलिवेटेड की ओर निकल गए।

एलिवेटेड रोड पहुंचे तो तभी अचानक से तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों सिपाही जमीन पर गिर गए। कंटेनर जितेंद्र को कुचलता हुआ आगे बढ़ गया। जबकि, राकेश जख्मी हो गए।

हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर घबरा गया। वह एलिवेटेड रोड में ही ट्रक को भगाने लगा।

कुछ दूर आगे जाकर वह कंटेनर में घुस गया। इसमें उसकी मौत हो गई।

हादसे में सिपाही की मौत की सूचना मिलते ही अपर पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) डॉ. विपिन टाडा और डीसीपी ट्रैफिक रवींद्र कुमार मौके पर पहुंचे।

बिहार के गांवों में हर घर से 1200 होल्डिंग टैक्स वसूलने की तैयारी

मंत्री दीपक प्रकाश बोले- अभी आर्थिक बोझ डालना उचित नहीं

पटना, 6 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में शहरों की तरह अब गांवों में भी पर घर से 1200 रुपये होल्डिंग टैक्स वसूलने की तैयारी की जा रही है। हालांकि पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश ने इसका विरोध करते हुए कहा कि वर्तमान समय में अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालना उचित नहीं है।

दीपक प्रकाश ने कहा कि पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाना जरूरी है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में अतिरिक्त बोझ डालना उचित नहीं होगा।

दीपक प्रकाश ने पत्रकारों के बातचीत में कहा कि पंचायतों को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने के लिए जनसहयोग जरूरी है। लेकिन सरकार की कोशिश है कि आम लोगों पर कम से कम आर्थिक भार पड़े। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बिहार की जनता अभी इस तरह के टैक्स का भार वहन करने के लिए तैयार नहीं है। इसलिए उन्होंने इस प्रस्ताव पर अपनी आपत्ति दर्ज कराई है।

दरअसल, बिहार सरकार की ओर से पंचायतों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए नगर निकाय की तर्ज पर गांवों में भी होल्डिंग और अन्य स्थानीय टैक्स लगाने पर विचार किया जा रहा है। इसके तहता गांव में पर घर से सालाना 1200 रुपये टैक्स लेने का प्रस्ताव है। इसके बदले ग्रामीणों को पेयजल, साफ-सफाई, स्ट्रीट लाइट और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है। मंत्री दीपक प्रकाश ने हाल ही में नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त आयोग की अनुशंसाओं पर दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में भी इस मुद्दे को उठाया गया था। उनकी ओर से ये साफ कहा गया था कि बिहार जैसे राज्य में गांव के पर घर से 1200 रुपये टैक्स वसूलने का प्रस्ताव व्यावहारिक नहीं है। इससे पहले पंचायतों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की सिफारिश की गई है, ताकि पंचायत विकास कार्यों पर अधिक खर्च कर सकें और भविष्य में केंद्रीय अनुदान पर उनकी निर्भरता कम हो सके।

औरंगाबाद समेत 6 जिलों में झमाझम बारिश, 12 में अलर्ट

पटना समेत कई जगह बादल छाए, अगले 10 दिनों तक राज्य में रुक-रुककर होगी बारिश

पटना, 6 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में मानसून की रफ्तार धीमी है। प्रदेश के कई जिलों में बादल छाए है, लेकिन अच्छी बारिश के लिए लोगों को इंतजार करना होगा। इस बीच सोमवार को बक्सर, सासाराम और औरंगाबाद में तेज बारिश होने से लोगों को राहत मिली है।

दोपहर बाद बांका, नालंदा और जमुई में भी झमाझम बारिश हुई। पटना, कटिहार समेत कई शहरों में बादल छाए हैं। मौसम विभाग ने आज 12 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में 60km/h की रफ्तार से हवा चल सकती है। ऑरेंज अलर्ट वाले जिलों के अलावा राज्य के 26 जिलों के अधिकांश हिस्सों में बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 10 दिनों तक राज्य में रुक-रुककर बारिश होती रहेगी। पटना में रविवार शाम करीब पांच बजे आंधी के साथ बारिश शुरू हुई, लेकिन यह महज 15 मिनट तक ही चली। बारिश थमते ही धूप निकल आई, जिससे नमी बढ़ गई और उमस पहले से अधिक महसूस होने लगी। पिछले 24 घंटे में राज्य में कहीं भी अच्छी बारिश दर्ज नहीं की गई। केवल पश्चिम चंपारण के एक-दो स्थानों पर मध्यम बारिश हुई, जबकि उत्तर-पश्चिम, उत्तर-मध्य और दक्षिण बिहार के एक-दो स्थानों तथा उत्तर-पूर्व बिहार के कुछ इलाकों में हल्की बारिश दर्ज की गई। इस दौरान राज्य के अधिकांश जिलों में अधिकतम तापमान 35.1 से 39.5 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। सबसे अधिक 39.5 डिग्री सेल्सियस तापमान भभुआ में दर्ज किया गया, जबकि पटना का अधिकतम तापमान 35.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

लड़की ने प्रेमी से कराई दादा की हत्या

गला रेतकर लाश जलाई, खुद से लिखा सुसाइड नोट पुलिस को पकड़ाया

फिरोजाबाद, 6 जुलाई (एजेंसियां)। फिरोजाबाद में लड़की ने अफेयर में रोड़ा बने बाबा की प्रेमी से हत्या करवा दी। बीते 25 जून को 55 साल के बुजुर्ग की लाश मिली थी। इसका खुलासा करते हुए पुलिस ने रविवार सुबह 10 बजे लड़की और उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया।

पुलिस की जांच में सामने आया कि दादा को लड़की के अफेयर के बारे में पता था। वो उसे समझाते भी थे, लेकिन लड़की मानने को तैयार नहीं थी।

परिवार वालों ने लड़की की शादी कहीं और तय कर दी। इसके बाद दोनों ने लव मैरिज का फैसला लिया, लेकिन दादा शादी के लिए तैयार नहीं हुए।

लड़की और उसके प्रेमी ने मिलकर दादा का गला रेतकर हत्या दी। उनके शव को जला दिया। आत्महत्या दिखाने के लिए खुद से लिखा सुसाइड नोट पुलिस को पकड़ा दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया है। वारदात टूंडला इलाके की है।

मोहम्मदाबाद गांव के रहने वाले नरेंद्र पाल किसान थे। 25 जून की सुबह उनकी लाश पशुओं के बाड़े में जली हुई हालत में मिली। उनके गले पर धारदार हथियार के निशान थे। जिससे मामला संदिग्ध लगा। घटना के कुछ घंटों बाद, घर वालों ने पुलिस को एक सुसाइड नोट सौंपा। इसमें जमीन दोनों बेटों के नाम करने के साथ ही पोती रश्मि (20) की शादी उनकी मर्जी के खिलाफ होने की बात लिखी थी। हालांकि, सुसाइड नोट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पुलिस का रश्मि पर शक गहरा गया। पुलिस ने रश्मि के मोबाइल की कॉल डिटेल खंगाली।

'नौवीं फेल' तेजस्वी की शरण में अब अमेरिका रिटर्न 'महाज्ञानी'

अब दूसरे से मदद क्यों मांग रहे पीके?

पटना, 6 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार भौगोलिक रूप से मौसम परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। मानसून दगा दे रहा है। धान की रोपनी पिछड़ रही है। किसान परेशान हैं। दूसरी तरफ बिहार, राजनीतिक रूप से भी मौसम परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। लालू यादव खुद को सामाजिक न्याय का पुरोधा मानते हैं। जनता उन्हें गरीबों का मसीहा मानती रही है। लेकिन, वक्त के साथ अब लालू यादव भी राजनीतिक परिवर्तन के शिकार हैं।

जिस पार्टी को उन्होंने खून-पसीने से सींच कर खड़ा और बड़ा किया, उसके स्थापना दिवस (5 जुलाई) के दिन न तो कोई कार्यक्रम किया और न कोई सीधा जनसंवाद किया। घर में बैठे-बिठाये जनता के नाम संदेश जारी कर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर ली। खुद को 'जननेता' कहने वाले तेजस्वी यादव को विदेश जाने की इतनी जल्दी थी कि उन्होंने पार्टी स्थापना दिवस समारोह 5 जुलाई के बदले 1 जुलाई को ही मना लिया। ये तो सुविधा की राजनीति की पराकाष्ठा है। क्या कोई व्यक्ति अपना जन्मदिन पांच दिन पहले या पांच दिन मना सकता है?

राजनीतिक मौसम परिवर्तन के दूसरे बड़े शिकार प्रशांत किशोर (पीके) हैं। चुनावी जीत का 'गुरु ज्ञान' बांटने वाले पीके खुद अपनी जीत के लिए यहां-वहां झोली फैला कर मदद की गुहार लगा रहे हैं। उनका दावा है कि उन्होंने चुनाव में जीत दिलाकर कई मुख्यमंत्री बनाये। तो अब सिर्फ एक सीट पर जीत के लिए याचना क्यों कर रहे हैं? याचना भी किससे कर रहे हैं? उस तेजस्वी यादव से जिन्हें पिछले एक साल से नौवीं फेल बता कर अक्षम नेता करार देते रहे हैं। प्रशांत किशोर न्यूयॉर्क स्थिति संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय में पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट के रूप में काम कर चुके हैं। फिर न्यूयॉर्क से डेस्क जॉब छोड़ कर फील्ड वर्क के लिए अफ्रीकी देश चाड गये। शोध और आंकड़ों के महाज्ञानी हैं। नेता बनने के बाद उन्होंने 2024 में जनसुराज का अमेरिका चैप्टर लॉन्च किया। अमेरिका में पार्टी का संगठन खड़ा करने के बाद फिर अमेरिका गए थे।

अब बदलते मौसम का कमाल देखिए कि अमेरिका रिटर्न महाज्ञानी (प्रशांत किशोर) खुद की चुनावी जीत के लिए नौवीं फेल (तेजस्वी यादव) की शरण में गिर पड़ा है। पटना के बांकीपुर विधानसभा सीट पर 30 जुलाई को उपचुनाव होना है। प्रशांत किशोर यहां से उम्मीदवार बनने वाले हैं। उन्होंने अपनी जीत के लिए तेजस्वी के नेतृत्व वाले महागठबंधन से समर्थन मांगा है। अब प्रशांत किशोर मानते हैं कि तेजस्वी यादव के पास जनसमर्थन है, जिसकी मदद से वे चुनावी वैतरणी पार कर सकते हैं। ये तो प्रशांत किशोर अब पलट गये हैं?

चीनी मिल से पकड़ा गया नाबालिग चोर हिरासत से फरार

गोंडा, 6 जुलाई (एजेंसियां)। गोंडा के छपिया थाना क्षेत्र में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई। यहां पुलिस अभिरक्षा में रखा गया एक नाबालिग आरोपी थाने से फरार हो गया। आरोपी को एक दिन पहले ही बभनान चीनी मिल परिसर से चोरी के आरोप में पकड़कर पुलिस को सौंपा गया था। आरोपी के फरार होने से पुलिस के हाथ पांव फूल गए और पूरे महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। जानकारी के अनुसार, बभनान चीनी मिल की सुरक्षा में तैनात कर्मचारियों ने परिसर के अंदर एक युवक को कबाड़ चोरी करते हुए देख लिया। कर्मचारियों ने तत्परता दिखाते हुए उसे मौके पर ही दबोच लिया और फिर छपिया थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को अपने साथ थाने ले आई। इसके बाद चोरी से संबंधित धाराओं में मुकदमा भी दर्ज कर लिया गया। बाद में थाने में तैनात पुलिसकर्मियों को पता चला कि हिरासत में रखा गया नाबालिग वहां नहीं है। शुरुआती जांच में पता चला कि आरोपी ने विवेचना कक्ष में लगी एल्युमीनियम की खिड़की की जाली को किसी तरह तोड़ दिया और उसी रास्ते से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही थाना स्तर पर हड़कंप मच गया। थाना अध्यक्ष प्रबोध कुमार ने बताया कि आरोपी की तलाश के लिए कई टीमें बनाई गई हैं। पुलिस टीमों को अलग-अलग दिशाओं में रवाना किया गया है। साथ ही उसके संभावित ठिकानों, रिश्तेदारों के घर और आसपास के गांवों में भी दबिश दी जा रही है। फिलहाल अभी तक आरोपी का कोई सुराग नहीं लग पाया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फरार हुए नाबालिग को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अग्निवीरों के लिए बड़ी खुशखबरी !

नौसेना 75 फीसदी और सेना-वायुसेना 50% जवानों को रख सकती हैं स्थायी

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। दो बैचों के बाद अब अग्निपथ योजना में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। सेना, नौसेना और वायुसेना चार साल की सेवा पूरी करने वाले अग्निवीरों में पहले से ज्यादा जवानों को स्थायी रूप से रखने पर विचार कर रही हैं। इस साल के आखिर तक अग्निपथ योजना के तहत भर्ती हुए पहले अग्निवीर अपना कार्यकाल पूरा करेंगे, इसलिए इस मुद्दे पर चर्चा तेज हो गई है।

फिलहाल नियम यह है कि हर बैच के अधिकतम 25% अग्निवीरों को प्रदर्शन और जरूरत के आधार पर नियमित सैनिक, नाविक या एयरमैन बनाया जा सकता है। लेकिन अब तीनों सेनाएं इस सीमा को बढ़ाने का प्रस्ताव तैयार कर रही हैं। हालांकि सरकार या रक्षा मंत्रालय की ओर से अभी तक किसी बदलाव की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

क्या हो सकता है नया बदलाव?

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारतीय नौसेना करीब 75% अग्निवीरों को स्थायी करने की अनुमति मांग सकती है।

वहीं भारतीय सेना और वायुसेना करीब 50% अग्निवीरों को नियमित सेवा में रखने का प्रस्ताव दे सकती हैं। इस प्रस्ताव पर तीनों सेनाओं और डिपार्टमेंट ऑफ मिलिट्री अफेयर्स (डीएमए) के बीच चर्चा होनी है।

बदलाव की जरूरत क्यों महसूस हुई?

पिछले चार वर्षों में अग्निवीरों ने आधुनिक हथियारों और नई तकनीक पर प्रशिक्षण लिया है।

कई जवान अलग-अलग सैन्य अभियानों और तैनातियों का अनुभव भी हासिल कर चुके हैं। सेना का मानना है कि ऐसे प्रशिक्षित जवानों को अधिक संख्या में रखने से लड़ाकू क्षमता और अनुभव दोनों मजबूत होंगे।

विशेष यूनिटों में ज्यादा मौका मिल सकता है

अगर कुल 25% की सीमा नहीं भी बदली जाती, तब भी कुछ विशेष यूनिटों में ज्यादा अनुभवी अग्निवीरों को रखा जा सकता है।

उदाहरण के तौर पर सेना की नई भैरव बटालियन में स्थायी अग्निवीरों की संख्या सामान्य पैदल सेना की तुलना में अधिक हो सकती है।

भर्ती भी बढ़ाने की तैयारी

> अग्निपथ योजना 2022 में शुरू हुई थी और पहले अग्निवीरों ने 2023 में प्रशिक्षण शुरू किया।

> मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पिछली भर्ती में सेना ने करीब 70 हजार अग्निवीरों को प्रशिक्षण दिया था, जबकि अगले भर्ती चक्र में करीब 90 हजार पद निकाले जा सकते हैं।

> सेना अगले दो वर्षों में लगभग 1.8 लाख जवानों की कमी पूरी करने के लिए भी अग्निवीर भर्ती बढ़ाने की तैयारी कर रही है।

> हालांकि यह प्रस्ताव अभी विचाराधीन है और अंतिम फैसला सरकार तथा रक्षा मंत्रालय की मंजूरी के बाद ही लिया जाएगा। यदि इसे मंजूरी मिलती है, तो बड़ी संख्या में अग्निवीरों को सेना में लंबे समय तक सेवा देने का अवसर मिल सकता है।

गुजरात में शेर का किसान पर हमला

हाथ जबड़े में आधे घंटे दबाए रखा, फिर छोड़ा; एक और व्यक्ति पर भी हमले की कोशिश की

भावनगर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात में भावनगर के पालीताना तालुका में सोमवार सुबह शेर ने किसान पर हमला कर दिया। किसान कालूभाई बोगभाई परमार ने बताया कि शेर ने मेरी पीठ पर वार किया और मुझे गिरा दिया। फिर उसने मेरा हाथ अपने मुंह में पकड़ लिया। उसने मुझे करीब आधे घंटे तक पकड़े रखा। कालूभाई ने बताया, 'मैं लगातार उससे छूटने की कोशिश करता रहा। मैंने उसे खरोंचा भी, लेकिन उसकी पकड़ मजबूत थी।'

शेर ने इसके पहले एक और व्यक्ति पर हमले की कोशिश की, लेकिन उसने भाग कर खुद को घर में बंद कर लिया। भावनगर, गिर नेशनल पार्क के इलाके में है। यहां अक्सर घरों और खेतों के आसपास शेर देखे जा सकते हैं। किसान कालूभाई बोगभाई परमार ने बताया, 'मैं सुबह 10:30 बजे अपनी गाय को चारा खिलाने जा रहा था। तभी यह घटना हुई। मैंने खुद को बचाने के लिए शेर को खरोंचा, जिससे उसने मेरा हाथ छोड़ दिया।' उन्होंने बताया, 'मैं तुरंत वहां से भागा। इसके बाद शेर मेरी गाय के पीछे चला गया।

श्रीलंका की जेल में कैदियों के बीच हिंसक झड़प : 25 की मौत, 100 घायल

स्थिति काबू करने के लिए बुलाई गई सेना

कोलंबो, 6 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीलंका में सोमवार को कैदियों के बीच हुई हिंसक झड़प में 25 लोगों की मौत हो गई। करीब 100 लोग घायल हो गए। मृतकों में जेल अधिकारियों के भी शामिल होने की आशंका जताई जा रही है। इस हिंसा के बाद श्रीलंकाई सेना को मदद के लिए बुलाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि स्थिति को काबू करने के लिए सेना से समर्थन मांगा।

अत्यधिक भीड़भाड़ वाली जेल में हुई हिंसक झड़प

यह झड़प रविवार को शुरू हुई थी, जब दोषी कैदियों और हिरासत में रखे गए कैदियों के बीच संघर्ष हुआ। यह घटना श्रीलंका के तटीय शहर नेगोम्बो की एक अधिक भीड़भाड़ वाली जेल में हुई। रॉयटर्स ने यह जानकारी सूत्रों के हवाले से दी है।

स्थानीय टेलीविजन चैनल हिरू के अनुसार, मृतकों में कैदी और जेल अधिकारी दोनों शामिल हैं। यह जेल कोलंबो से करीब 35 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। झड़प किस कारण शुरू हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं है। लेकिन बताया जा रहा है कि सोमवार को हिंसक झड़प के दौरान कुछ कैदियों ने जेल के हथियार छीन लिए, जिसके बाद हिंसा और बढ़ गई और स्थिति घातक हो गई। रॉयटर्स ने पुलिस सूत्रों के हवाले से बताया कि जेल के कुछ हिस्सों में अभी भी तलाशी और सफाई का काम चल रहा है और मृतकों व घायलों की सही संख्या का पता लगाया जा रहा है। श्रीलंकाई सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर वारुणा गामागे ने बताया कि सेना को पुलिस की मदद के लिए बुलाया गया है। लेकिन फिलहाल वे तैयार स्थिति में हैं।

वीडियो फुटेज में क्या देखा गया?

डेराना समेत कई टेलीविजन चैनलों के वीडियो फुटेज में दिखाया गया कि एक पुलिस बस घायलों को ले जा रही है। कुछ घायल कैदी बस के फर्श पर पड़े हुए थे। जेल के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

बंदर मैच देखने आ रहे तो इसमें दिक्कत क्या : हिमंता बिस्वा

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। साल 2026 की शुरुआत में दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित हुए इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट की व्यवस्थाओं पर कई सवाल उठे थे। डेनमार्क की शटलर ने खुलकर इसकी आलोचना भी की थी। दर्शक दीर्घा में बंदर आ गए थे तो कबूतर की पॉटी को कोर्ट पर गिरते देखा गया था। ऐसे मामलों से वहां की व्यवस्थाओं पर सवाल उठे थे। इसको लेकर भारतीय बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष हिमंता बिस्वा सरमा ने अटपटा बयान दिया है। इंडियन एक्सप्रेस के खास प्रोग्राम आइडिया एक्सचेंज में हिमंता बिस्वा सरमा से इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट में सामने आई अव्यवस्थाओं पर सवाल किया गया तो, उन्होंने इसको लेकर चौंकाने वाला जवाब दिया। उन्होंने कहा कि अगर बंदर मैच देखने आ रहे हैं तो दिक्कत क्या। इसके अलावा उन्होंने कई ऐसी बातें कहीं जो काफी अटपटी भी थीं।

विकास के नाम पर पेड़ों की कटाई और पर्यावरण से हो रहा खिलवाड़, मुंबई का हाल खराब : सुप्रिया सुले

पुणे। एनसीपी (एसपी) की सांसद सुप्रिया सुले ने महाराष्ट्र में भारी बारिश, भूस्खलन, बुनियादी ढांचे की स्थिति और राम मंदिर चढ़ावा में कथित हेराफेरी के मुद्दे पर राज्य सरकार और संबंधित एजेंसियों को निशाने पर लिया।

उन्होंने कहा कि राज्य में चल रहे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के दौरान पर्यावरण की अनदेखी की जा रही है, जिसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। एनसीपी (एसपी) की सांसद सुप्रिया सुले ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर विकास कार्य चल रहे हैं लेकिन इन परियोजनाओं में पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता नहीं दी गई। विकास कार्यों के नाम पर बड़े स्तर पर पेड़ों की कटाई हो रही है और कई स्थानों पर लोगों की जान भी जा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री से पूरे मामले का ऑडिट कराने और राज्य की जनता के सामने स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। हाल ही में भारी बारिश के बीच भूस्खलन और अन्य घटनाओं में हुई मौतों पर चिंता व्यक्त करते हुए सुले ने कहा कि राज्य का बुनियादी ढांचा चरमरा गया है। उनके मुताबिक पुणे और मुंबई जैसे देश के प्रमुख शहरों में इस तरह इंफ्रास्ट्रक्चर का विफल होना गंभीर चिंता का विषय है। इन सभी घटनाओं की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। राम मंदिर चढ़ावा मामले में कथित हेराफेरी के आरोपों पर भी सांसद सुले ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अयोध्या से लेकर उज्जैन तक देश के धार्मिक स्थल करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र हैं और यदि ऐसे पवित्र स्थलों पर भ्रष्टाचार हुआ है तो यह बेहद शर्मनाक है। उनकी पार्टी इस मुद्दे को संसद में उठाएगी और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करेगी। वहीं, सांसद सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अभी मुंबई-पुणे और कई अन्य इलाकों में भारी बारिश हो रही है।

पाकिस्तानी फेयरनेस क्रीम लगाने से नागपुर की 18 महिलाओं की किडनी खराब

नागपुर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। गोरा होने की चाहत कुछ महिलाओं के लिए सेहत से जुड़ी परेशानी का कारण बन गई है। गोरापन देने का दावा करने वाली एक स्किन-व्हाइटनिंग क्रीम विवादों में घिर गई है, क्योंकि महाराष्ट्र के नागपुर में 18 महिलाओं को किडनी की समस्या होने का संबंध कथित तौर पर इसी क्रीम से जोड़ा जा रहा है। 'गोरी ब्यूटी क्रीम' नाम का यह प्रोडक्ट कथित तौर पर पाकिस्तान में बना है और इसे मीशो और कई इंस्टाग्राम पेजों के जरिए बेचा जा रहा था। इस घटना ने ऑनलाइन चिंता पैदा कर दी है और कई लोग सवाल उठा रहे हैं कि पाबंदियों के बावजूद भारत में यह क्रीम कैसे बेची जा रही थी।

दिल्ली में पकड़े गए छह दहशतगर्द

शहजाद भट्टी नेटवर्क के दो मॉड्यूल का भंडाफोड़, पेट्रोल बम और पिस्तौल बरामद

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात 'शहजाद भट्टी नेटवर्क' के दो अलग-अलग मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है।

पुलिस ने इस मामले में दिल्ली और पंजाब के विभिन्न हिस्सों में छापेमारी कर छह संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में अवैध हथियार, पिस्तौल और खतरनाक पेट्रोल बम (मोलोटोव कॉकटेल) बरामद किए गए हैं। सोमवार को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी साझा की।

दो अलग-अलग नेटवर्क के जरिए रची जा रही थी साजिश

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपी दो बेहद खतरनाक और अलग-अलग नेटवर्क के माध्यम से अपनी गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे।

पहला मॉड्यूलः इसका सीधा संबंध आतंकी गतिविधियों और देश विरोधी साजिशों से था, जो किसी बड़ी अप्रिय घटना को अंजाम देने की फिराक में था।

दूसरा मॉड्यूलः यह पूरी तरह से अवैध हथियारों की तस्करी (आर्म्स स्मगलिंग) में लिप्त था, जो अपराधियों और गैंगस्टरों को हथियारों की सप्लाई करता था।

अंतरराज्यीय संबंधों की आशंका प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि यह पूरा नेटवर्क बेहद संगठित तरीके से काम कर रहा था। पुलिस को शक है कि इस नेटवर्क के तार देश के कई अन्य राज्यों से भी जुड़े हुए हैं। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे होने की उम्मीद है।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल अब इस बात की गहराई से तफ्तीश कर रही है कि इन पेट्रोल बमों और हथियारों का इस्तेमाल कहां और किस बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए किया जाना था।

फिलहाल, मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अन्य संभावित ठिकानों पर भी छापेमारी कर रही है और विस्तृत रिपोर्ट का इंतजार है।

इकलौते बेटे के हत्यारे बाप को उम्रकैद

शराब पीकर सिर पर मारे थे डंडे; 10 हजार रुपये जुर्माना

फतेहाबाद, 6 जुलाई (एजेंसियां)। फतेहाबाद के गांव भूथन कलां में करीब डेढ़ साल पहले शराब के नशे में अपने ही इकलौते 17 वर्षीय बेटे परमजीत की हत्या करने के दोषी पिता सरजीत सिंह को जिला अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। दोषी सरजीत सिंह पर 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल की कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान सजा सुनाई है। कोर्ट ने अभियोजन पक्ष द्वारा पेश किए गए गवाहों, मेडिकल रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को दोषी करार दिया। इसके बाद उम्रकैद की सजा सुनाई गई। मृतक परमजीत सिंह की मां रोशनी देवी की शिकायत पर आरोपी पिता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। शिकायत के अनुसार सरजीत सिंह शराब के नशे में घर पहुंचा था। किसी बात को लेकर उसका अपने इकलौते बेटे से विवाद हो गया। गुस्से में उसने लकड़ी के डंडे से बेटे के सिर पर जोरदार वार कर दिया। इससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजन घायल किशोर को उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचना मिलने पर पुलिस और एफएसएल टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। जिला अटॉर्नी देवेंद्र मित्तल ने बताया कि अदालत में अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक जिला अटॉर्नी अरुण बंसल ने प्रभावी पैरवी की। सुनवाई के दौरान प्रत्यक्षदर्शी गवाहों के बयान, मेडिकल साक्ष्य और अन्य सबूत अदालत के समक्ष रखे गए। सभी साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने आरोपी सरजीत सिंह को अपने ही किशोर बेटे की हत्या का दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। पुलिस को दी शिकायत में रोशनी देवी ने बताया कि उसके दो बच्चे हैं, जिनमें एक बेटी व एक बेटा है।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा : कांगपोकपी में हमले में महिला और बच्चा घायल, एनएच-37 पर 24 घंटे का बंद

इंफाल, 6 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर में लंबे समय से जारी जातीय तनाव के बीच एक बार फिर हिंसा भड़क उठी। कांगपोकपी जिले के थिंगखोंगजांग (थिंगखोजांग) कुकी गांव पर हुए कथित सशस्त्र हमले में एक महिला और एक बच्चा घायल हो गए। घटना के बाद कुकी संगठनों ने सोमवार से राष्ट्रीय राजमार्ग-37 (एनएच-37) पर 24 घंटे के बंद का एलान कर दिया है। साथ ही स्वतंत्र न्यायिक जांच, दोषियों की गिरफ्तारी और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग उठाई है। हालांकि, सरकार की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

चर्च में प्रार्थना के दौरान हुआ गांव पर हमला

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, रविवार शाम गांव के लोग चर्च में प्रार्थना कर रहे थे, तभी हथियारबंद हमलावरों ने गांव पर गोलीबारी की और विस्फोटक फेंके। हमले के दौरान कई घरों में आग लगाए जाने का भी दावा किया गया है। हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना में घायल महिला के पैर में गोली लगने की बात कही जा रही है, जबकि एक बच्चा भी घायल हुआ। दोनों को पहले असम राइफल्स के न्यू कैथेलमणबी शिविर में प्राथमिक उपचार दिया गया और बाद में इम्फाल स्थित रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आरआईएमएस) भेजा गया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि हमले के पीछे एनएससीएन (आईएम) और जेडयूएफ-के के उग्रवादी शामिल थे, हालांकि सुरक्षा एजेंसियों की ओर से अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की गई है।

सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

घटना के बाद कुकी समुदाय के शीर्ष संगठन 'कुकी इनपी मणिपुर' (केआईएम) ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे आम नागरिकों पर सुनियोजित हमला बताया। संगठन का आरोप है कि भारी हथियारों से लैस हमलावरों ने गांव में घुसकर गोलीबारी की, घरों में आग लगाई और महिलाओं व बच्चों को निशाना बनाया, जबकि निकट ही केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का शिविर मौजूद था। संगठन ने सवाल उठाया कि सुरक्षा बलों की मौजूदगी के बावजूद हमलावर कैसे गांव में प्रवेश कर हिंसा फैलाकर आसानी से निकल गए।

केआईएम ने इस पूरे घटनाक्रम की स्वतंत्र न्यायिक जांच, सुरक्षा चूक की जवाबदेही तय करने और समयबद्ध जांच की मांग की है। स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि आसपास के कुकी-जो समुदाय के ग्रामीण जब पीड़ितों की मदद के लिए पहुंचे तो उन्हें सीआरपीएफ कर्मियों ने गांव में प्रवेश करने से रोक दिया, जिससे कुछ देर तनाव की स्थिति बन गई। इस संबंध में भी सुरक्षा बलों की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

कारोबारी से मांगी थी रंगदारी, पैसे ना मिलने पर कर दी फायरिंग; दो आरोपी गिरफ्तार

अमृतसर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। अमृतसर शहर में एक कारोबारी की दुकान पर फायरिंग करने और रंगदारी मांगने के मामले में कमिश्नरेट पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, कारोबारी ने शुरुआत में शिकायत दर्ज कराने में हिचक दिखाई, लेकिन मामला पुलिस के संज्ञान में आने के बाद जांच शुरू की गई।

कारोबारी को रंगदारी के लिए आया था फोन

जांच के दौरान सामने आया कि फायरिंग से पहले कारोबारी को रंगदारी के लिए फोन कॉल भी आ रही थी। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर जशनप्रीत सिंह उर्फ जशन और साजनप्रीत सिंह उर्फ साजन की पहचान की। दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमें गठित की गईं। कार्रवाई के दौरान मजीठा क्षेत्र से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक साजनप्रीत सिंह ने गिरफ्तारी से बचने का प्रयास किया, जिसके दौरान उसके दाहिने पांव में चोट लग गई। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि जशनप्रीत सिंह को अमृतसर लाते समय मदन मोहन मालवीय रोड के पास पुलिस वाहन के सामने अचानक एक पशु आ गया, जिससे वाहन की गति धीमी करनी पड़ी।

सीमा पार से आई 12 किलो हेरोइन बरामद, तस्करी नेटवर्क की कड़ियां खंगालने में जुटी पुलिस

अमृतसर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। अमृतसर देहात पुलिस के थाना घरिंडा पुलिस ने करीब 11 किलो 960 ग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बरामद हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करोड़ों रुपये आंकी जा रही है। हेरोइन की यह खेप पाकिस्तान में बैठे तस्करों की ओर से भेजी गई है। एसएसपी कंवल प्रीत सिंह चाहल ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। जांच के दौरान संदिग्ध गतिविधियों के संबंध में मिली जानकारी के बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए हेरोइन की खेप बरामद की। फिलहाल इस मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद हेरोइन की खेप किन लोगों ने रिसीव करनी और इसे किस स्थान तक पहुंचाया जाना था। साथ ही तस्करी से जुड़े नेटवर्क, सप्लाई चेन और अन्य संभावित आरोपियों की पहचान के लिए जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

बंगाल में बड़ा फैसला : स्कूल से लेकर यूनिवर्सिटी तक पढ़ाए जाएंगे श्यामा प्रसाद मुखर्जी

सीएम शुभेंदु ने किया एलान

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रख्यात शिक्षाविद् और राष्ट्रवादी नेता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर सोमवार को बड़ा एलान करते हुए कहा कि अगले शैक्षणिक सत्र से राज्य के स्कूलों से लेकर विश्वविद्यालयों तक के पाठ्यक्रम में उनके जीवन, विचारों और राष्ट्र निर्माण में योगदान को शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को डॉ. मुखर्जी के व्यक्तित्व और उनके राष्ट्रवादी विचारों से परिचित कराना समय की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कोलकाता स्थित मित्रा इंस्टीट्यूशन पहुंचकर डॉ. मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसी विद्यालय में उन्होंने शिक्षा ग्रहण की थी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों में 'नेशन फर्स्ट' की भावना विकसित करना ही डॉ. मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि देश को सर्वोपरि रखने का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना उनके समय में था। सीएम शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार पाठ्यक्रम में आवश्यक बदलाव कर डॉ. मुखर्जी के जीवन,

शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान और राष्ट्रीय एकता के प्रति उनके दृष्टिकोण को शामिल करेगी।

इसके साथ ही सीएम ने मित्रा इंस्टीट्यूशन के विकास और आधारभूत सुविधाओं के उन्नयन के लिए भी कई घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी शिक्षाविद् थे। उन्होंने शिक्षा और राष्ट्र निर्माण को एक-दूसरे का पूरक माना और युवाओं को राष्ट्रीय दायित्वों के प्रति जागरूक करने का काम किया।

उधर, कोलकाता स्थित भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में भी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। प्रदेश भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान नेताओं ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक पहचान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उन्होंने युवाओं तक उनके विचार पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया। गौरतलब है कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई 1901 को कोलकाता में हुआ था। वे देश के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों में गिने जाते हैं और स्वतंत्र भारत के पहले उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री भी रहे। बाद में उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना की, जिसे भारतीय जनता पार्टी का वैचारिक आधार माना जाता है। उनकी 125वीं जयंती के अवसर पर राज्यभर में विभिन्न सरकारी और संगठनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

आवारा कुत्तों का आतंक : चार साल की मासूम को नोचकर मार डाला

होशियारपुर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। होशियारपुर के गांव ओहड़पुर-बसी जलाल संपर्क मार्ग पर रविवार देर शाम आवारा कुत्तों के झुंड ने प्रवासी खेत मजदूरों की करीब 4 वर्षीय बच्ची पर हमला कर उसे नोच-नोचकर मार डाला। इस हृदयविदारक घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर है। जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले के ध्यानपुर गांव निवासी मजदूर राम जीवन और उनकी पत्नी प्रीति गांव बसी जलाल के पास एक किसान के खेत में धान की रोपाई कर रहे थे। उन्होंने अपनी बेटी गुनगुन को खेत से करीब 100 मीटर दूर मोटर के पास पेड़ के नीचे लिटा रखा था। शाम करीब सात बजे के करीब आवारा कुत्तों ने बच्ची पर अचानक हमला कर दिया और उसे कुछ दूरी तक घसीट ले गए। बच्ची की चीखें सुनकर उसके माता-पिता और अन्य परिजन मौके पर पहुंचे, जहां गुनगुन गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़ी थी।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 7 जुलाई - 2026

द्वेष नहीं, क्षमा से जीते जाते हैं दिल

योगेश कुमार गोयल

हर वर्ष 7 जुलाई को 'विश्व क्षमा दिवस' मनाया जाता है, जो वास्तव में मानवीय मूल्यों, आत्मशुद्धि और सामाजिक समरसता की पुनर्स्थापना का एक सशक्त अवसर है। आधुनिक समय में जब व्यक्ति तनाव, प्रतिस्पर्धा, अहंकार और कटुता के जाल में उलझता जा रहा है, तब क्षमा की भावना न केवल व्यक्तिगत जीवन को संतुलित करती है बल्कि समाज में सौहार्द और शांति की स्थापना का भी मार्ग प्रशस्त करती है। विश्व क्षमा दिवस की स्थापना 1994 में कनाडा स्थित 'क्रिश्चियन एंबेसी ऑफ क्राइस्ट अंबेसडर्स' द्वारा की गई थी। प्रारंभ में इसे राष्ट्रीय स्तर पर मनाया गया किंतु धीरे-धीरे इसकी महत्ता और संदेश ने वैश्विक स्वरूप ग्रहण कर लिया। आज यह दिवस विश्वभर में लोगों को अपने संबंधों को सुधारने, पुराने मतभेदों को समाप्त करने और एक नई शुरुआत करने के लिए प्रेरित करता है। यह दिवस हमें स्मरण कराता है कि क्रोध, द्वेष और प्रतिशोध से भरे मन के स्थान पर करुणा, सहानुभूति और क्षमाशीलता को अपनाना ही सच्ची मानवता है। क्षमा का अर्थ केवल किसी के अपराध को भूल जाना नहीं है बल्कि यह एक गहन मानसिक और भावनात्मक प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति अपने भीतर के नकारात्मक भावों को त्यागकर आत्मिक शांति प्राप्त करता है। यह स्वयं को मुक्त करने का मार्ग है क्योंकि द्वेष और आक्रोश सबसे पहले उसी व्यक्ति को क्षति पहुंचाते हैं, जो उन्हें अपने भीतर संजोए रखता है। इसलिए क्षमा को एक सकारात्मक ऊर्जा के रूप में देखा जाता है, जो हमारे मन, मस्तिष्क और आत्मा को शुद्ध करती है।

वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक दृष्टि से भी क्षमा का महत्व अत्यंत गहरा है। अनेक अध्ययनों में यह सिद्ध हुआ है कि क्षमा करने से तनाव, चिंता और अवसाद में कमी आती है। यह हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है, रक्तचाप को नियंत्रित करती है और मानसिक संतुलन को बनाए रखती है। अमेरिका के विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय के अध्ययन में यह पाया गया कि क्षमाशील व्यक्ति अपेक्षाकृत कम बीमार पड़ते हैं और उनका जीवन अधिक संतुलित एवं सुखद होता है। मस्तिष्क के वैज्ञानिक अध्ययनों से भी यह स्पष्ट हुआ है कि जब कोई व्यक्ति क्षमा करने की प्रक्रिया में होता है, तब मस्तिष्क के भावनात्मक और सहानुभूति से जुड़े क्षेत्र सक्रिय हो जाते हैं, जिससे सकारात्मक मानसिक स्थिति उत्पन्न होती है।यदि हम भारतीय संस्कृति की ओर दृष्टि डालें तो पाएंगे कि 'क्षमा' का स्थान अत्यंत ऊंचा और सम्मानजनक रहा है। भारतीय दर्शन में क्षमा को 'मानव का सर्वश्रेष्ठ गुण' कहा गया है। संस्कृत में एक प्रसिद्ध उक्ति है 'क्षमा वीरस्य भूषणम्' अर्थात क्षमा वीरों का आभूषण है। यह विचार स्पष्ट करता है कि क्षमा करना कायरता नहीं बल्कि महानता और आंतरिक शक्ति का प्रतीक है। भारतीय धार्मिक परंपराओं में क्षमा का अत्यंत व्यापक स्वरूप देखने को मिलता है। जैन धर्म में 'क्षमावाणी' या 'क्षमा पर्व' का विशेष महत्व है, जो पर्युषण पर्व के समापन पर मनाया जाता है। इस अवसर पर लोग एक-दूसरे से 'मिच्छामि दुक्कडम्' कहकर क्षमा मांगते हैं, जिसका अर्थ है, 'यदि मैंने किसी को जाने-अनजाने में कष्ट पहुंचाया हो तो मुझे क्षमा करें।' यह परंपरा केवल औपचारिकता नहीं बल्कि आत्मशुद्धि और सामाजिक सौहार्द का सशक्त माध्यम है। हिंदू धर्म में भी क्षमा को धर्म का मूल तत्व माना गया है। महाभारत और रामायण जैसे ग्रंथों में अनेक प्रसंग ऐसे मिलते हैं, जहां क्षमा को सर्वोच्च आदर्श के रूप में प्रस्तुत किया गया है। भगवान राम का चरित्र इस संदर्भ में अत्यंत प्रेरणादायक है, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य, करुणा और क्षमाशीलता का परिचय दिया। इसी प्रकार, बौद्ध धर्म में करुणा और क्षमा को जीवन का आधार माना गया है, जहां बुद्ध ने सिखाया कि द्वेष से द्वेष समाप्त नहीं होता बल्कि प्रेम और क्षमा से ही उसका अंत संभव है। वैश्विक स्तर पर भी अनेक महान व्यक्तित्वों ने क्षमा की शक्ति को अपने जीवन में अपनाया और समाज के लिए प्रेरणा बने। दक्षिण अफ्रीका के नोबेल शांति पुरस्कार विजेता डेसमंड टूटू ने रंगभेद के बाद अपने देश में 'सत्य और सुलह आयोग' के माध्यम से यह सिद्ध किया कि क्षमा ही सामाजिक पुनर्निर्माण का सबसे प्रभावी साधन है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि क्षमा का अर्थ अन्याय को स्वीकार करना नहीं बल्कि अपने भीतर के आक्रोश से मुक्त होना है। इसी प्रकार, तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने भी क्षमा को आंतरिक शांति और वैश्विक सद्भाव का मूल आधार बताया है। उनके अनुसार, क्षमा करने से हम न केवल दूसरों को बल्कि स्वयं को भी मुक्त करते हैं। यह दृष्टिकोण आधुनिक समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक है, जहां छोटी-छोटी बातों पर रिश्ते टूट जाते हैं और मानसिक तनाव बढ़ता जाता है।

इतिहास में भी क्षमा के कई प्रेरणादायक उदाहरण मिलते हैं। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान जापानी पायलट नोबुओ फुजिता द्वारा अमेरिका के ओरेगन राज्य पर बमबारी की घटना के बाद, जब वह वर्षों बाद वहां गया और क्षमा मांगी तो स्थानीय लोगों ने उसे क्षमा कर दिया। यह घटना यह दर्शाती है कि क्षमा केवल व्यक्तिगत नहीं बल्कि सामूहिक हीलिंग का भी माध्यम हो सकती है। इसी प्रकार, पोप जॉन पॉल द्वितीय द्वारा अपने हमलावर को क्षमा करना मानवता के इतिहास में क्षमा का एक अद्भुत उदाहरण है। क्षमा और सुलह के बीच अंतर को समझना भी आवश्यक है। क्षमा एक आंतरिक प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति अपने मन से द्वेष को त्याग देता है जबकि सुलह एक बाहरी प्रक्रिया है, जिसमें संबंधों को पुनः स्थापित किया जाता है। यह आवश्यक नहीं कि हर क्षमा सुलह में परिवर्तित हो लेकिन हर सुलह का आधार क्षमा ही होती है। आज के डिजिटल युग में, जहां सोशल मीडिया और त्वरित संचार ने संवाद को आसान बनाया है, वहीं गलतफहमियों और विवादों की संभावना भी बढ़ी है।

ऐसे में क्षमा की भावना और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यह हमें सिखाती है कि प्रतिक्रिया देने से पहले विचार करें, दूसरों के दृष्टिकोण को समझें और यदि संभव हो तो क्षमा के माध्यम से संबंधों को मजबूत बनाएं। विश्व क्षमा दिवस हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या हम अपने जीवन में किसी के प्रति द्वेष या क्रोध पालकर बैठे हैं? क्या हम किसी से क्षमा मांग सकते हैं या किसी को क्षमा कर सकते हैं? यह आत्ममंथन ही हमें एक बेहतर इंसान बनने की दिशा में अग्रसर करता है। बहरहाल, क्षमा केवल एक नैतिक गुण नहीं बल्कि जीवन जीने की एक कला है। यह हमें सिखाती है कि जीवन में शांति और संतुलन बनाए रखने के लिए हमें अपने भीतर की नकारात्मकता को त्यागना होगा। भारतीय संस्कृति की यह अनमोल धरोहर आज पूरे विश्व के लिए एक मार्गदर्शक सिद्ध हो सकती है।

अमर रहेगी तीजन बाई की पंडवानी

भारतीय लोकसंस्कृति की महान कलाकार तीजन बाई का निधन केवल एक कलाकार की विदाई नहीं, बल्कि भारतीय लोकसंस्कृति की जीवंत परंपरा को लगा ऐसा झटका है, जिसकी भरपाई आसान नहीं होगी। छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध लोकनाट्य शैली पंडवानी को उन्होंने जिस ऊंचाई तक पहुंचाया, वह भारतीय सांस्कृतिक इतिहास की अमूल्य उपलब्धियों में है। अपनी अद्भुत गायन शैली, सशक्त अभिनय और ओजपूर्ण प्रस्तुति के माध्यम से उन्होंने पंडवानी को चौपाल से निकालकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फलक तक पहुंचाया। आज उनका स्वर भले ही शांत हो गया हो, लेकिन उनकी कला और संघर्ष पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे। तीजन बाई का जीवन संघर्ष, साहस और आत्मविश्वास की मिसाल है। आदिवासी समाज से आने वाली इस असाधारण कलाकार ने ऐसे दौर में पंडवानी को अपनाया, जब यह कला मुख्यतः पुरुषों तक सीमित थी। कम उम्र में विवाह, सामाजिक उपेक्षा, पारिवारिक कठिनाइयों और विरोध के बावजूद उन्होंने अपने सपनों से समझौता नहीं किया। उन्होंने सिद्ध किया कि प्रतिभा किसी वर्ग, लिंग या परिस्थिति की मोहताज नहीं होती। यही संघर्ष ने उन्हें विश्वभर में भारतीय लोककला की सबसे सशक्त प्रतिनिधि बनाया। पंडवानी केवल महाभारत की कथाओं का गायन नहीं, बल्कि अभिनय, संगीत, संवाद और भावाभिव्यक्ति का अद्भुत समन्वय है। तीजन बाई ने पारंपरिक वेदमती शैली की सीमाओं से आगे बढ़कर कापालिक शैली को अपनाया, जिसमें मंच पर खड़े होकर पूरे जोश, ऊर्जा और नाटकीयता के साथ कथा प्रस्तुत की जाती है। हाथ में तंबूरा लेकर वे कभी भीम, कभी द्रौपदी, कभी श्रीकृष्ण तो कभी दुर्योधन के चरित्र को इस जीवंतता से प्रस्तुत करती थीं कि दर्शक स्वयं महाभारत का हिस्सा महसूस करने लगते थे। उनकी प्रस्तुति केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि भारतीय लोक परंपरा की आत्मा का सजीव अनुभव थी। उन्हें पद्मश्री, पद्मभूषण, पद्मविभूषण, संगीत नाटक अकादमी सम्मान सहित अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कारों से अलंकृत किया गया। उन्होंने अनेक देशों में पंडवानी का प्रदर्शन कर यह साबित किया कि भारतीय लोककला किसी सीमा की मोहताज नहीं, बल्कि विश्व संस्कृति को समृद्ध करने वाली धरोहर है। उनके कारण छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक सम्मान मिला। आज चिंता यह है कि आधुनिक मनोरंजन के बढ़ते प्रभाव के बीच लोककलाओं के प्रति युवाओं का आकर्षण लगातार घट रहा है। यदि पंडवानी जैसी विधाओं को संरक्षण, प्रशिक्षण और संस्थागत समर्थन नहीं मिला, तो आने वाले समय में ऐसी महान परंपराएं कमजोर पड़ सकती हैं। सरकार, सांस्कृतिक संस्थानों और समाज की यह साझा जिम्मेदारी है कि लोककलाओं को विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और सांस्कृतिक आयोजनों में अधिक स्थान दिया जाए तथा नई पीढ़ी को उनसे जोड़ा जाए। तीजन बाई का जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि लोककला केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज की सांस्कृतिक स्मृति, पहचान और आत्मा होती है। यदि हम उनकी विरासत को नई पीढ़ी तक उसी सम्मान और गौरव के साथ पहुंचाने में सफल रहे, तो यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मंदिर, राम सेतु और राजनीति कैसे बदलते रहे नेताओं के सुर

संजय सक्सेना

भारतीय राजनीति में भगवान राम का नाम दशकों से एक संवेदनशील और विवादित विषय रहा है। समय-समय पर अलग-अलग दलों और नेताओं के बयानों ने इस मुद्दे को गर्माया है, और हर बार यह बहस नए सिरे से शुरू हो जाती है कि कौन राम के प्रति कैसा नजरिया रखता है।2007 में केंद्र की कांग्रेस नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने सेतुसमुद्रम शिपिंग कैनाल प्रोजेक्ट के मामले में सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दाखिल किया था। इस हलफनामे में यह तर्क दिया गया था कि रामायण और अन्य धार्मिक ग्रंथ ऐतिहासिक दस्तावेज नहीं माने जा सकते, और इसलिए राम सेतु के अस्तित्व को पुरातात्विक या वैज्ञानिक प्रमाण के तौर पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। इस हलफनामे पर देशभर में भारी विरोध हुआ, जिसके बाद सरकार को इसे वापस लेना पड़ा और तत्कालीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री कपिल सिब्बल ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी थी। इस घटना को आज भी बीजेपी और अन्य हिंदुत्ववादी संगठन कांग्रेस के खिलाफ एक प्रमुख राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव का नाम राम मंदिर आंदोलन के दौर से जुड़ा रहा है। 1990 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने कारसेवकों पर गोली चलवाने का आदेश दिया था, जिसे लेकर बीजेपी और हिंदुत्ववादी संगठन आज भी उन्हें निशाना बनाते हैं। संसद और सार्वजनिक मंचों पर उनके कुछ बयानों को लेकर भी विवाद हुए, जिनमें अयोध्या में राम जन्मभूमि के ऐतिहासिक प्रमाणों पर सवाल उठाने की बात कही जाती रही है। हालांकि, सपा नेता इन आरोपों को अक्सर संदर्भ से काटकर पेश किए जाने की बात कहते रहे हैं। 'मिले मुलायम कांशीराम, हवा में उड़ गए जय श्रीराम' यह नारा 1993 के यूपी विधानसभा चुनाव के दौरान सपा-बसपा गठबंधन के खिलाफ बीजेपी और उसके समर्थकों की ओर से गढ़ा गया था, ताकि यह संदेश दिया जा सके कि सपा-बसपा गठबंधन हिंदुत्व की राजनीति के विरोध में खड़ा है। यह नारा आज भी चुनावी भाषणों में सपा को घेरने के लिए इस्तेमाल होता है।आज सपा प्रमुख अखिलेश यादव खुद को 'हिंदू' बताते हुए मंदिरों में पूजा-अर्चना करते और जनेऊ पहनते नजर आते हैं। आलोचक इसे चुनावी रणनीति बताते हैं, जबकि सपा नेताओं का कहना है कि यह उनकी निजी आस्था है और इसे राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए।बिहार में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर भी बीजेपी अक्सर यह आरोप लगाती है कि उनकी पार्टी की राजनीति मुस्लिम-यादव (एमवाई) समीकरण पर आधारित है, और इस वजह से राम मंदिर जैसे मुद्दों पर उनका रुख हमेशा सतर्क और गोलमोल रहा है। राजद की ओर से इसे धर्मनिरपेक्षता की राजनीति बताया जाता है, न कि किसी धर्म-विशेष के प्रति दुराग्रह।एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी लंबे समय से बीजेपी और हिंदुत्ववादी संगठनों के निशाने पर रहे हैं। उन पर मुस्लिम तुष्टिकरण और हिंदू प्रतीकों से परहेज करने के आरोप लगते रहे हैं। ओवैसी खुद अक्सर इन आरोपों को खारिज करते हुए कहते हैं कि वे भारतीय संविधान और धर्मनिरपेक्षता में विश्वास रखते हैं, और किसी धर्म के प्रति उनका कोई पूर्वाग्रह नहीं है।

हाल के वर्षों में संभल की जामा मस्जिद को लेकर हुए विवाद और वहां के सपा सांसद जिया उर रहमान बर्क के बयानों ने भी सुर्खियां बटोरीं। यह मुद्दा भी सांप्रदायिक राजनीति और मस्जिद-मंदिर विवादों की व्यापक बहस का हिस्सा बन गया।कुछ दलित और बौद्ध नेता भी राम मंदिर आंदोलन से खुद को दूर रखते आए हैं। इसके पीछे तर्क यह दिया जाता है कि बौद्ध धर्म और अंबेडकरवादी विचारधारा हिंदू धार्मिक प्रतीकों और वर्ण-व्यवस्था से जुड़े इतिहास को अलग नजरिए से देखते हैं।

वैश्विक कूटनीति के केंद्र में भारत

अशोक भाटिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 से 11 जुलाई 2026 तक इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड की आधिकारिक विदेश यात्रा पर गए हैं । इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य तीनों देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी, व्यापार और आर्थिक संबंधों को मजबूत करना है० विरोधी दल भले ही इसे फिजूल खर्ची बता रहे हो पर नरेंद्र मोदी की लगातार विदेश यात्राओं का उद्देश्य भारत के लिए रणनीतिक और आर्थिक लाभ सुनिश्चित करना है, जिससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा सहयोग और तकनीकी आदान-प्रदान को बढ़ावा मिला है। इन यात्राओं के माध्यम से प्रमुख विदेशी कंपनियों से भारी निवेश आने से देश में रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और वैश्विक मंच पर भारत की साख व कूटनीतिक पकड़ मजबूत होती है। साथ ही, इन दौरों के जरिए प्रवासी भारतीयों के हितों की रक्षा भी की जाती है।

देखने वाली बात यह है कि वैश्वीकरण के इस दौर में किसी भी देश की प्रगति उसकी आंतरिक नीतियों के साथ-साथ इस बात पर भी निर्भर करती है कि वैश्विक पटल पर उसके संबंध कैसे हैं। पिछले एक दशक में भारत की विदेश नीति में एक अभूतपूर्व गतिशीलता देखी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लगातार होने वाली विदेश यात्राएं अक्सर घरेलू राजनीति में चर्चा और बहस का विषय बनती रही हैं। विपक्ष और आलोचक अक्सर इन यात्राओं के औचित्य और वित्तीय खर्चों पर सवाल उठाते हैं, वहीं दूसरी ओर रणनीतिक विशेषज्ञ इसे भारत की 'सक्रिय कूटनीति' का स्वर्णिम काल मानते हैं। आज जब दुनिया भू-राजनीतिक तनावों, आर्थिक मंदी और तकनीकी बदलावों के दौर से गुजर रही है, तब यह आत्मनिरीक्षण करना आवश्यक है कि इन निरंतर दौरों से वास्तव में भारत को क्या हासिल हुआ है। क्या ये यात्राएं महज औपचारिक मुलाकातें थीं या इनसे देश को कोई दीर्घकालिक रणनीतिक और आर्थिक लाभ मिला है? प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं का सबसे प्रत्यक्ष और मापने योग्य प्रभाव भारत के आर्थिक परिदृश्य पर पड़ा है। मोदी सरकार ने कूटनीति को सीधे तौर पर देश के आर्थिक विकास से जोड़ने का काम किया है, जिसे 'आर्थिक कूटनीति' कहा जाता है।दुनिया के प्रमुख वित्तीय केंद्रों (जैसे अमेरिका, यूएई, जापान, जर्मनी और सिंगापुर) के दौरों के दौरान प्रधानमंत्री ने सीधे तौर पर वहां के शीर्ष मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और वैश्विक निवेशकों से मुलाकातें कीं। इसका परिणाम यह हुआ कि भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के रिकॉर्ड स्तर दर्ज किए गए।'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसे अभियानों को वैश्विक मंच पर प्रमोट करने से एप्पल, फॉक्सकॉन, माइक्रोन और टेस्ला जैसी दिग्गज कंपनियों ने भारत में अपनी विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने में रुचि दिखाई। यूएई और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ त्वरित गति से किए गए मुक्त व्यापार समझौतों ने भारतीय निर्यातकों के लिए नए रास्ते खोले हैं, जिससे कपड़ा, रत्न-आभूषण और कृषि उत्पादों के व्यापार को सीधा लाभ मिला है।

शीत युद्ध के दौर की पुरानी रक्षात्मक विदेश नीति को छोड़कर भारत ने अब 'बहु-पक्षीय संरेखण' की नीति अपनाई है। प्रधानमंत्री मोदी की व्यक्तिगत कूटनीति ने भारत को वैश्विक महाशक्तियों के बीच एक अनूठा और संतुलित स्थान दिलाया है।इन विदेश यात्राओं में वाशिंगटन की यात्राओं और 'क्वाड' शिखर सम्मेलनों के माध्यम से भारत ने भारत-प्रशांत क्षेत्र में अपनी सुरक्षा चिंताओं को मजबूती से रेखांकित किया है। रक्षा कूटनीति के तहत अमेरिका के साथ महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों पर पहल जैसे समझौते हुए हैं।

पश्चिमी देशों के भारी दबाव के बावजूद, प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्राओं और राष्ट्रपति पुतिन के साथ उनके मजबूत संबंधों ने यह सुनिश्चित किया कि भारत को संकट के समय में भी रियायती दरों पर कच्चे तेल की निर्बाध आपूर्ति मिलती रहे। यह भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की एक बड़ी जीत है।पड़ोस पहले की नीतिः खाड़ी देशों (यूएई, सऊदी अरब) के साथ संबंधों का कायाकल्प इस कूटनीति की सबसे बड़ी सफलताओं में से एक है। कभी पाकिस्तान के करीब माने जाने वाले ये देश आज भारत के सबसे बड़े व्यापारिक और रणनीतिक साझेदार बनकर उभरे हैं। देखा जाय त्तो एक तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने के नाते, भारत की ऊर्जा जरूरतें विशाल हैं। प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में केंद्रीय भूमिका निभाई है।खाड़ी देशों, रूस और अफ्रीकी देशों के दौरों ने भारत के लिए ऊर्जा के स्रोतों विविधीकरण किया है, जिससे देश वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों के उतार-चढ़ाव से काफी हद तक सुरक्षित हुआ है।फ्रांस के साथ मिलकर 'अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन' की स्थापना और ब्रिटेन के साथ 'वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड' की पहल ने भारत को वैश्विक जलवायु कूटनीति के नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित किया है। इससे देश में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारी विदेशी निवेश और तकनीक का आगमन हुआ है।

आज तक भारत ऐतिहासिक रूप से अपनी रक्षा जरूरतों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहा है। मोदी जी की विदेश यात्राओं ने इस निर्भरता के स्वरूप को बदला है। अब भारत केवल एक 'खरीदार' नहीं, बल्कि 'सह-उत्पादक' बनने की दिशा में अग्रसर है।फ्रांस से राफेल विमानों की खरीद हो या अमेरिका के साथ जीई फाइटर जेट इंजनों के भारत में निर्माण का समझौता, इन सभी में भारत के भीतर तकनीकी हस्तांतरण की शर्तों को प्राथमिकता दी गई है।

ताइवान, जापान और अमेरिका के साथ हुए समझौतों के माध्यम से भारत को सेमीकंडक्टर डिजाइन और विनिर्माण का एक नया वैश्विक केंद्र बनाने की नींव रखी गई है। इसके अतिरिक्त, भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को सिंगापुर, यूएई और कई यूरोपीय देशों में स्वीकार्यता मिलना भारतीय तकनीक की वैश्विक धाक को दर्शाता है। लगातार दौरों और व्यक्तिगत संपर्क के कारण वैश्विक मंचों पर भारत का वजन काफी बढ़ गया है। भारत को अब अंतरराष्ट्रीय समस्याओं के हिस्से के रूप में नहीं, बल्कि उनके समाधान के रूप में देखा जाता है।भारत की जी-20 अध्यक्षता की सफलता और उसमें 'ग्लोबल साउथ' (विकासशील देशों) की आवाज को बुलंद करना प्रधानमंत्री की वैश्विक स्वीकार्यता का ही परिणाम था। अफ्रीकी संघ को जी-20 का स्थायी सदस्य बनवाना भारत की कूटनीतिक कुशलता का प्रमाण है।संयुक्त राष्ट्र में 21 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मान्यता दिलाना, वैश्विक स्तर पर आयुर्वेद का प्रचार और दुनिया के विभिन्न देशों में 'महान भारतीय प्रवासियों' को देश की प्रगति से जोड़ना—इन सबने भारत की सांस्कृतिक साख को अत्यधिक मजबूत किया है।

सीमा पर अविश्वास, बाज़ार में विश्वास-कितना उचित?

आरके जैन

इतिहास गवाह है कि किसी राष्ट्र की दिशा केवल युद्धक्षेत्रों से नहीं, बल्कि नीतिगत निर्णयों से भी तय होती है। भारत सरकार द्वारा चार चीनी-लिंक्ड पावर उपकरण कंपनियों (जिनकी भारत में विनिर्माण इकाइयाँ हैं) को बिजली क्षेत्र की महत्वपूर्ण सरकारी परियोजनाओं में दो वर्ष के लिए बोली लगाने की अनुमति ऐसा ही एक निर्णय है। इसे महज़ व्यापारिक उदारीकरण मानना भूल होगी। यह उस द्वंद्व का प्रतीक है, जहाँ एक ओर आर्थिक विकास की आवश्यकता है, तो दूसरी ओर राष्ट्रीय सुरक्षा का अटल दायित्व। गलवान की रक्तरंजित स्मृतियाँ आज भी राष्ट्रीय चेतना में अंकित हैं, पूर्वी लद्दाख की वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पूर्ण डी-एस्केलेशन अभी बाकी है और दोनों देशों के बीच विश्वास अब भी अधूरा है। फिर भी आर्थिक आवश्यकताओं ने संवाद के द्वार फिर खटखटाए हैं। प्रश्न केवल चीनी कंपनियों की वापसी का नहीं, बल्कि यह है कि क्या भारत इसे अपने रणनीतिक हितों के अनुरूप नियंत्रित कर पाएगा, या आर्थिक आवश्यकता धीरे-धीरे रणनीतिक निर्भरता में बदल जाएगी।

हर बड़े राष्ट्रीय निर्णय के पीछे आर्थिक यथार्थ की कठोर परत होती है, जिसे अनदेखा नहीं किया जा सकता। भारत ऊर्जा संक्रमण, उच्च गति रेल, स्मार्ट सिटी, हरित अवसंरचना और नवीकरणीय ऊर्जा जैसी महत्त्वाकांक्षी परियोजनाओं के निर्णायक दौर में है। इनके लिए भारी निवेश के साथ उन्नत तकनीक, तीव्र निष्पादन क्षमता और प्रतिस्पर्धी लागत आवश्यक है। वैश्विक स्तर पर कई चीनी कंपनियाँ कम समय और लागत में विशाल परियोजनाएँ पूरी करने में सक्षम हैं। दूसरी ओर, पश्चिमी कंपनियाँ अपेक्षाकृत महँगी हैं, जबकि भारतीय उद्योग अभी सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भर नहीं हैं। ऐसे में सस्ता और सक्षम विकल्प आकर्षित करता है। किंतु इतिहास चेतावनी देता है कि आज का आर्थिक लाभ, यदि दूरदृष्टि न हो, तो कल रणनीतिक स्वतंत्रता पर बोझ बन सकता है।

यहीं आर्थिक आवश्यकता और राष्ट्रीय सुरक्षा का सबसे कठिन टकराव सामने आता है। सुरक्षा एजेंसियों की आशंकाएँ पूर्वाग्रह नहीं, बल्कि वैश्विक अनुभवों पर आधारित हैं। अनेक चीनी कंपनियों और उनकी सरकार के निकट संबंधों को लेकर कई देश चिंता जता चुके हैं। यदि ऐसी कंपनियों की पहुँच बिजली ग्रिड, दूरसंचार नेटवर्क, रेलवे, बंदरगाह और डिजिटल अवसंरचना जैसे अत्यंत संवेदनशील क्षेत्रों तक होती है, तो डेटा संग्रह, साइबर निगरानी, संभावित बैकडोर और लॉजिस्टिक नियंत्रण के जोखिम बढ़ जाते हैं। आज युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं, बल्कि डेटा, डिजिटल नेटवर्क और महत्वपूर्ण अवसंरचनाओं पर भी लड़े जाते हैं। ऐसे में प्रश्न यही है कि क्या औपचारिक सुरक्षा जाँच और कागजी मंजूरियाँ इन अदृश्य खतरों से देश की रक्षा कर पाएँगी, या यही ढील भविष्य में राष्ट्रीय सुरक्षा की सबसे महँगी कीमत बन जाएगी। विडंबना यह है कि जब विश्व आर्थिक संतुलन की नई दिशा तय कर रहा है, तब भारत एक अलग द्वंद्व से गुजर रहा है। आज विश्व 'चीन प्लस वन' रणनीति के तहत अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में चीन पर निर्भरता घटाकर भारत जैसे देशों की ओर आशा से देख रहा है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्गठन भारत के लिए ऐतिहासिक अवसर है, किंतु इसी समय भारत चीनी कंपनियों के लिए नए आर्थिक द्वार खोल रहा है। यह हमारी दोहरी वास्तविकता को उजागर करता है। एक ओर आत्मनिर्भर भारत का संकल्प है, तो दूसरी ओर वैश्विक उत्पादन व्यवस्था की जटिलता, जहाँ पूर्ण आर्थिक पृथक्करण व्यवहारिक नहीं। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि राष्ट्रीय हितों पर आधारित स्पष्ट शर्तों के बिना यह खुलापन तकनीकी निर्भरता, बाहरी नियंत्रण, आर्थिक दबाव और ऋण-जाल जैसी चुनौतियाँ बढ़ा सकता है। इसलिए निवेश का स्वागत तभी उचित है, जब वह भारत को सशक्त बनाए, निर्भर नहीं। स्पष्ट है कि इस चुनौती का उत्तर न अतिवादी विरोध में है, न बिना शर्त स्वीकार्यता में। भारत को विवेकपूर्ण, नियंत्रित और राष्ट्रीय सुरक्षा-आधारित सहयोग की नीति अपनानी होगी। चीनी कंपनियों की भागीदारी केवल गैर-संवेदनशील क्षेत्रों तक सीमित रहे। प्रत्येक परियोजना में डेटा लोकलाइजेशन, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, स्थानीय सामग्री और भारतीय साझेदारी सुनिश्चित हो तथा हर चरण में कठोर साइबर सुरक्षा ऑडिट कराया जाए। साथ ही घरेलू उद्योगों को अनुसंधान, नवाचार, वित्तीय सहयोग और तकनीकी प्रोत्साहन मिले, ताकि दीर्घकाल में भारत बाहरी तकनीकी निर्भरता से मुक्त हो सके। यदि सस्ती परियोजनाओं के आकर्षण में इन सुरक्षा उपायों की अनदेखी हुई, तो आज का आर्थिक लाभ कल की रणनीतिक कमजोरी बन सकता है।

इस निर्णय की कूटनीतिक गूँज भी इसके आर्थिक प्रभावों जितनी दूरगामी है। लद्दाख में सैन्य और राजनयिक वार्ताएँ जारी हैं, किंतु विश्वास की पुनर्स्थापना अब भी अधूरी है। ऐसे समय में चीनी कंपनियों की वापसी का संदेश केवल बीजिंग ही नहीं, बल्कि पूरा विश्व देख रहा है।

इसे एक ओर संतुलित और नियंत्रित सहयोग की नीति माना जा सकता है, तो दूसरी ओर यह आशंका भी है कि भारत अनजाने में अपने रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी को आर्थिक अवसर दे रहा है। परिपक्व कूटनीति का अर्थ स्थायी शत्रुता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हितों के अनुरूप संतुलित संवाद है।

तरह-तरह के ताले

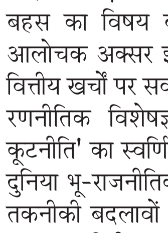

सुरेश कुमार मिश्रा

देखिए भाई, ईश्वर ने इंसान का जब ढांचा तैयार किया, तो उसमें दो आंखें दीं ताकि दुनिया का तमाशा 3डी में देख सको। दो कान दिए ताकि इधर की उधर सुन सको। पर मुंह? मुंह सिर्फ एक दिया। और उस पर भी सुरक्षा कारणों से इतने ताले लटका दिए कि तिजोरी का पासवर्ड भूलने वाला बैंक मैनेजर भी शर्मा जाए। पर इंसान तो इंसान है। ताला कितना भी मजबूत हो, हम मास्टर चाबी जेब में लेकर घूमते हैं। हमारे इस साढ़े तीन इंची मुखारविंद पर पांच तरह के डिजिटल और मैनुअल ताले लगे होते हैं। आइए, आज इनकी कुंडली खंगालते हैं।

पहला होता है संस्कार-लॉक, जिसे हम 'लोग क्या कहेंगे' गियर भी कह सकते हैं। यह ताला हमारे पैदा होते ही घर के बुजुर्ग हमारी जुबान पर वेल्डिंग मशीन से जड़ देते हैं। इस ताले की चाबी होती है शर्म, संकोच और लिहाज। जब मोहल्ले के शर्मा जी आपके घर आकर दो घंटे तक अपने निकम्मे लड़के की कामयाबी के झूठे कसीदे पढ़ रहे होते हैं, तब आपका अंतरात्मा चिल्ला रहा होता है, अबे ओ सफेद झूठ की फैक्ट्री! बंद कर अपनी दुकान! लेकिन तभी आपके मुंह पर लगा यह ताला एक्टिवेट हो जाता है। आप अपनी बत्तीसी बाहर निकाल कर बस इतना कह पाते हैं, वाह शर्मा जी, चिंटू ने तो कमाल कर दिया! अंदर ही अंदर आपका खून खौलकर चाय के पानी की तरह उबल रहा होता है, पर बाहर आप गंगा-जमुनी सभ्यता के ब्रांड एंबेसडर बने बैठे होते हैं।

इसके बाद नंबर आता है दफ्तरिया-लॉक का, यानी 'बॉस इज ऑलवेज राइट' का कफस। यह एक बेहद आधुनिक, ब्लूटूथ से चलने वाला ताला है। इसकी रेंज सिर्फ आपके ऑफिस के वाई-फाई तक होती है। जैसे ही बॉस के केबिन से आवाज आती है एनी सजेशन्स?, आपके दिमाग की बत्ती जलती है। आपको पता होता है कि बॉस का नया आईडिया किसी कबाड़खाने के प्लान जैसा है। आप जैसे ही सच बोलने के लिए मुंह खोलते हैं, यह ताला खटाक से बंद हो जाता है। इस ताले का सीधा कनेक्शन आपके बैंक अकाउंट और घर की ईएमआई से होता है। आप सच उगलने की बजाय बटर उगलने लगते हैं सर! ऐसा रेवोल्यूशनरी आईडिया तो साक्षात स्टीव जॉब्स के दिमाग में भी नहीं आया होगा! यह ताला आपको अप्रेजल तो दिला देता है, पर आईने में खुद से नजरें मिलाने लायक नहीं छोड़ता। फिर आता है सबसे खतरनाक वैवाहिक-लॉक, जिसे आप शांति-मंत्र क्लैंप कह सकते हैं। इस ताले का आविष्कार कब हुआ, इसका कोई लिखित प्रमाण नहीं है, पर इसके भुक्तभोगी दुनिया के हर कोने में पाए जाते हैं। शादी के सात फेरों के साथ ही यह ताला पति के मुंह पर अपने आप इंस्टॉल हो जाता है। पत्नी पूछती है, सुनो, यह साड़ी मुझ पर कैसी लग रही है? अब यहां सच बोलना मतलब बारूद के ढेर पर बैठकर माचिस की तीली जलाना है। अगर साड़ी अच्छी नहीं भी लग रही, तब भी यह लॉक जुबान को ऐसे जकड़ता है कि शब्द सिर्फ तारीफ के ही निकलते हैं अरे वाह! तुम तो बिल्कुल अप्सरा लग रही हो। इस ताले की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह 'हां' और 'जी' के अलावा कोई तीसरा शब्द बोलने ही नहीं देता। जो इसे तोड़ने की गुस्ताखी करता है, उसे रात का खाना खुद बनाकर खाना पड़ता है। चौथा है रायचंद-लॉक, जो 'अनाधिकृत ज्ञान' पर बैरियर लगाता है। हम भारतीयों के खून में चायपत्ती से ज्यादा 'राय' दौड़ती है। लेकिन कभी-कभी जब हम किसी गंभीर महफिल में बैठे होते हैं, जहां हमारा ज्ञान देना 'आउट ऑफ सिलेबस' हो सकता है, वहां हमें खुद पर यह ताला लगाना पड़ता है। जैसे, डॉक्टर किसी को बीमारी समझा रहा हो और आपके पेट में चूहे कूद रहे हों कि मैं बताऊं 'गिलोय का काढ़ा' कैसे सब ठीक कर देता है!

सप्ताह में किस दिन नहीं करने चाहिए कौन-से काम

सनातन धर्म में सप्ताह के हर दिन का अपना अलग धार्मिक और ज्योतिषीय महत्व है। हर दिन का संबंध किसी न किसी देवी-देवता और ग्रह से होता है। सोमवार से शुक्रवार तक हर दिन कुछ कार्यों से दूरी बनाना शुभ माना जाता है। जानें किस दिन किन कामों को करने से बचने की सलाह दी जाती है।

सप्ताह की शुरुआत सोमवार से होती है और इसी दिन से ज्यादातर कार्यालयों और संस्थानों में कामकाज शुरू होता है। हालांकि, धार्मिक और ज्योतिषीय मान्यताओं में सप्ताह के सातों दिनों का अलग महत्व बताया गया है। हर दिन किसी विशेष ग्रह और देवी-देवता से जुड़ा माना जाता है। इसी वजह से कुछ ऐसे कार्य भी बताए गए हैं, जिन्हें संबंधित दिन करने से बचना शुभ माना जाता है।

सोमवार को इन बातों का रखें ध्यान

सोमवार भगवान शिव और चंद्रमा को समर्पित माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन काले रंग के कपड़े पहनने से बचना चाहिए। साथ ही दूध या सफेद रंग की वस्तुओं का दान भी नहीं करने की सलाह दी जाती है। हालांकि, इस दिन सफेद रंग के कपड़ों को पहनना शुभ माना जाता है।

मंगलवार को न कटवाएं बाल

मंगलवार भगवान हनुमान और मंगल ग्रह से जुड़ा माना जाता है। इस दिन बाल या नाखून कटवाने से बचने की सलाह दी जाती है। मान्यता है कि ऐसा करने से कामों में रुकावटें आ सकती हैं।

बुधवार को न करें उधार का लेन-देन

बुधवार भगवान गणेश और बुध ग्रह को समर्पित है। इस दिन काले कपड़े पहनने से बचें और उधार लेना या देना भी शुभ नहीं होता। इस दिन बहन या बेटी का अपमान नहीं करना चाहिए और किसी से कठोर भाषा में बात करने से भी बचना चाहिए। वहीं, पश्चिम दिशा की यात्रा करने से भी परहेज करने की सलाह दी जाती है।

गुरुवार को इन कामों से करें परहेज

गुरुवार का संबंध बृहस्पति ग्रह से है। इस दिन कुछ कार्यों से दूरी बनाने की सलाह दी जाती है। गुरुवार को बाल धोना या कटवाना, कपड़े धोना, घर में पोछा लगाना और नहाने में साबुन का उपयोग करना उचित नहीं माना जाता। इसके अलावा केले का सेवन करने से भी बचने की सलाह दी जाती है।

शुक्रवार को रखें वाणी पर संयम

शुक्रवार को धन की देवी मां लक्ष्मी, शुक्र ग्रह और मां संतोषी की पूजा का दिन है। इस दिन खट्टी चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए। साथ ही किसी भी महिला का अपमान करने या उनसे अभद्र व्यवहार करने से भी बचने की सलाह दी जाती है।

शनिवार को इन कामों से करें परहेज

शनिवार शनि देव को समर्पित माना जाता है। इस दिन शराब का सेवन नहीं करना चाहिए। पूर्व, उत्तर और ईशान दिशा की यात्रा से भी बचने की सलाह दी जाती है। मान्यता है कि शनिवार को लड़कों को अपने ससुराल नहीं जाना चाहिए। इस दिन तेल, लकड़ी, कोयला, नमक और लोहे से बनी वस्तुओं की खरीदारी करना भी शुभ नहीं होता। गरीब, बुजुर्ग या जरूरतमंद का अपमान नहीं करना चाहिए। इस दिन गलत कार्य और अहंकार से भी दूरी बनाए रखनी चाहिए।

रविवार को रखें इन बातों का ध्यान

रविवार भगवान सूर्य की उपासना के लिए विशेष माना जाता है। इस दिन तामसिक भोजन और शराब के सेवन से बचने की सलाह दी जाती है। साथ ही देर तक सोना और बड़े-बुजुर्गों का अनादर करना भी शुभ नहीं माना जाता। साथ ही इस दिन सूर्य देव को अर्घ्य देकर उनकी पूजा करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है।

श्री एकाम्बरी रामलिंगेश्वर स्वामी मंदिर में पहले शिव के दर्शन, फिर मजार पर सजदा...

तेलंगाना के नीलेपल्ली गांव में श्री एकाम्बरी रामलिंगेश्वर स्वामी मंदिर सांप्रदायिक सद्भाव का प्रतीक है। यहां शिव मंदिर के सामने मुस्लिम सूफी संत हजरत याकूब साहब की मजार है, जहां दोनों समुदाय पूजा करते हैं। पौराणिक मान्यताओं और स्कंद पुराण के अनुसार, त्रेतायुग में लंका विजय और रावण वध के बाद भगवान श्रीराम को ब्रह्महत्या के दोष से मुक्ति पाने के लिए गुरु वशिष्ठ ने शिवलिंग स्थापित करने की सलाह दी थी।

हैदराबाद. भारत की सांस्कृतिक विविधता और धार्मिक सौहार्द की जड़ें कितनी गहरी हैं, इसका जीवंत उदाहरण तेलंगाना के विकाराबाद जिले के बशीरबाद मंडल स्थित नीलेपल्ली गांव में देखने को मिलता है। यहां स्थित ऐतिहासिक श्री एकाम्बरी रामलिंगेश्वर स्वामी मंदिर न केवल अपनी प्राचीनता और पौराणिक मान्यताओं के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यह सांप्रदायिक सद्भाव का भी अनोखा प्रतीक है। इस मंदिर में हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों की आस्था एक साथ दिखाई देती है।

मंदिर परिसर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां भगवान शिव के गर्भगृह के ठीक सामने मुस्लिम सूफी संत हजरत याकूब साहब की मजार स्थित है। सदियों से चली आ रही परंपरा के अनुसार, यहां आने वाले श्रद्धालु पहले भगवान शिव के दर्शन करते हैं और उसके बाद मजार पर भी श्रद्धा से शीश नवाते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार हजरत याकूब साहब भगवान रामलिंगेश्वर के परम भक्त थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन इसी परिसर में सेवा और इबादत में बिताया। उनके निधन के बाद उनकी इच्छा का सम्मान करते हुए मंदिर परिसर में ही उनकी समाधि बनाई गई।

मंदिर का पौराणिक महत्व

पौराणिक मान्यताओं और स्कंद पुराण के अनुसार, त्रेतायुग में लंका विजय और रावण वध के बाद भगवान श्रीराम को ब्रह्महत्या के दोष से मुक्ति पाने के लिए गुरु वशिष्ठ ने शिवलिंग स्थापित करने की सलाह दी थी। वनवास और दंडकारण्य यात्रा के दौरान भगवान श्रीराम ने इसी स्थान पर शिवलिंग की स्थापना की थी। इसी कारण यहां विराजमान भगवान शिव को रामलिंगेश्वर स्वामी के नाम से जाना जाता है। धार्मिक महत्व के कारण इस क्षेत्र को दक्षिण काशी की उपाधि भी प्राप्त है।

आस्था और भाईचारे का अनोखा संगम

मंदिर का प्राकृतिक वातावरण और परिसर में स्थित प्राचीन पवित्र जलकुंड इसकी भव्यता को और बढ़ाते हैं। महाशिवरात्रि और उर्स के अवसर पर यहां का नजारा बेहद खास होता है। इन आयोजनों में हजारों श्रद्धालु बिना किसी भेदभाव के एक साथ शामिल होते हैं। हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोग मिलकर पूजा-अर्चना और इबादत करते हैं, जो आपसी भाईचारे की मिसाल पेश करता है। नीलेपल्ली का यह ऐतिहासिक मंदिर आज भी देश को यह संदेश देता है कि आस्था का मूल उद्देश्य लोगों को जोड़ना है, बांटना नहीं। यह पावन स्थल भारत की गंगा-जमुनी तहजीब, धार्मिक सहिष्णुता और सांस्कृतिक एकता की गौरवशाली परंपरा को आज भी पूरी गरिमा के साथ संजोए हुए है।

अच्छी किताबें पढ़ने और संतों की संगति से हमारा अज्ञान दूर होता है, जीवन में सही मार्गदर्शन मिलता है

जब हमारे मन में डर, अज्ञान, भ्रम हो, तब हमें अच्छी किताबें पढ़नी चाहिए। धर्म ग्रंथ और महान लोगों के विचार हमें सही रास्ता दिखाते हैं। इनकी मदद से हमें ज्ञान और अच्छी सोच मिलती है। महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर हम कठिन समय का सामना कर सकते हैं। जब हमें सत्य और सही विचारों की समझ मिलती है, तब हमारा डर और भ्रम धीरे-धीरे दूर हो जाता है। अच्छी पुस्तकों का अध्ययन और महान लोगों के विचारों का अनुसरण करें।

-स्वामी अवधेशानंद जी गिरि

घर की चाबियां कहीं भी रखने की भूल पड़ सकती है भारी

घर की चाबियां सिर्फ ताला खोलने का साधन नहीं होतीं, बल्कि ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में इन्हें घर की सुरक्षा, धन और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक भी माना गया है। अक्सर लोग जल्दबाजी में चाबियां कहीं भी रख देते हैं, लेकिन मान्यता है कि ऐसा करने से घर की ऊर्जा प्रभावित हो सकती है। ज्योतिष के जानकारों का कहना है कि अगर चाबियों को सही दिशा और सही स्थान पर रखा जाए तो घर में सुख-शांति बनी रहती है और आर्थिक स्थिरता भी बढ़ सकती है। वहीं, गलत जगह रखी गई चाबियां अनावश्यक तनाव, बार-बार काम अटकने और नकारात्मक ऊर्जा का कारण मानी जाती हैं, अगर आप भी चाहते हैं कि घर में सकारात्मक माहौल बना रहे और किस्मत आपका साथ दे, तो चाबियों से जुड़े ये वास्तु और ज्योतिष नियम जानना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

चाबियों का ज्योतिष और वास्तु में क्यों माना जाता है खास महत्व?

ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में हर वस्तु की अपनी अलग ऊर्जा बताई गई है। चाबियां सुरक्षा, जिम्मेदारी और नए अवसरों का प्रतीक मानी जाती हैं। मान्यता है कि जिस तरह चाबी बंद ताले खोलती है, उसी तरह सही स्थान पर रखी गई चाबियां जीवन में तरक्की और नए रास्तों के द्वार भी खोल सकती हैं। इसलिए इन्हें हमेशा सम्मान के साथ और तय स्थान पर रखने की सलाह दी जाती है।

सही दिशा में रखी चाबियां बढ़ा सकती हैं सकारात्मक ऊर्जा

पश्चिम या दक्षिण-पश्चिम दिशा मानी जाती है शुभ

वास्तु और ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार घर की मुख्य चाबियां पश्चिम या दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखना शुभ माना जाता है। यह दिशा स्थिरता, सुरक्षा और मजबूती का प्रतीक मानी जाती है। कहा जाता है कि इस स्थान पर चाबियां रखने से परिवार के सदस्यों के बीच तालमेल बना रहता है और आर्थिक मामलों में स्थिरता आने की संभावना बढ़ती है, अगर संभव हो तो चाबियों के लिए लकड़ी का की-होल्डर या छोटा लकड़ी का बॉक्स इस्तेमाल करें। लकड़ी को सकारात्मक ऊर्जा का वाहक माना जाता है, जिससे घर का वातावरण संतुलित बना रहता है।

मुख्य द्वार के पास व्यवस्थित रखें चाबियां

ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार घर का मुख्य दरवाजा ऊर्जा के प्रवेश का स्थान माना जाता है। ऐसे में प्रवेश द्वार के पास साफ-सुथरा और व्यवस्थित की-होल्डर लगाना शुभ माना जाता है। इससे चाबियां बार-बार खोजनी नहीं पड़तीं और घर में अनुशासन का माहौल भी बना रहता है। मान्यता है कि बिखरी हुई चीजें मानसिक तनाव और नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देती हैं, जबकि व्यवस्थित घर सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है।

रसोई में भूलकर भी न रखें चाबियां

वास्तु शास्त्र में रसोई को अग्नि तत्व का स्थान माना गया है, जबकि चाबियां धातु से बनी होती हैं। ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार अग्नि और धातु का यह असंतुलन घर की ऊर्जा पर असर डाल सकता है। इसलिए सलाह दी जाती है कि रसोई में चाबियां रखने से बचें और उनके लिए अलग स्थान तय करें।

पूजा घर के आसपास चाबियां रखना क्यों नहीं माना जाता शुभ?

पूजा स्थल को देवी-देवताओं की ऊर्जा का केंद्र माना जाता है। ज्योतिष के अनुसार यहां केवल पूजा से जुड़ी वस्तुएं ही रखनी चाहिए। सुविधा के लिए अगर चाबियां पूजा घर में या उसके आसपास रख दी जाएं, तो इसे शुभ नहीं माना जाता। मान्यता है कि इससे आध्यात्मिक वातावरण प्रभावित हो सकता है।

पुरानी और बेकार चाबियां तुरंत हटाएं

अगर घर में टूटी हुई, जंग लगी या किसी काम की न रहने वाली पुरानी चाबियां पड़ी हैं, तो उन्हें लंबे समय तक संभालकर रखने से बचना चाहिए। वास्तु और ज्योतिष दोनों में ऐसी अनुपयोगी वस्तुओं को रुकी हुई ऊर्जा का प्रतीक माना गया है। समय-समय पर ऐसी चाबियों को हटाने से घर साफ-सुथरा रहता है और सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह में भी मदद मिलती है।

क्या कहते हैं ज्योतिष विशेषज्ञ?

ज्योतिष और वास्तु विशेषज्ञों का मानना है कि जीवन में छोटे-छोटे बदलाव भी मानसिक शांति और सकारात्मक सोच को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। हालांकि इन मान्यताओं का आधार धार्मिक आस्था और परंपराएं हैं, लेकिन घर को व्यवस्थित रखना, बेकार सामान हटाना और जरूरी चीजों के लिए तय स्थान बनाना व्यवहारिक रूप से भी फायदेमंद माना जाता है। अगर आप भी घर में सुख, शांति और सकारात्मक माहौल बनाए रखना चाहते हैं, तो चाबियों से जुड़े इन वास्तु और ज्योतिष नियमों पर ध्यान दे सकते हैं। ये मान्यताएं आस्था पर आधारित हैं, लेकिन घर को साफ, व्यवस्थित और संतुलित रखने की आदत हर लिहाज से लाभकारी मानी जाती है।

स्नेक प्लांट केवल सजावट के लिए ही नहीं घर और ऑफिस की हवा को रखता है साफ

स्नेक प्लांट एक लोकप्रिय इंडोर पौधा है, जिसे कम देखभाल में भी आसानी से उगाया जा सकता है. माना जाता है कि यह पौधा घर के अंदर की हवा की गुणवत्ता सुधारने में सहायक हो सकता है और रात के समय भी ऑक्सीजन छोड़ने वाले पौधों में इसकी गिनती की जाती है. कुल मिलाकर, उचित देखभाल और सावधानी के साथ स्नेक प्लांट घर और ऑफिस के लिए एक सुंदर तथा उपयोगी इंडोर पौधा साबित हो सकता है. आइए जानते हैं घर या कार्यस्थल पर स्नेक प्लांट लगाने से फायदे के साथ-साथ क्या नुकसान भी हैं...

आजकल लोग अपने घरों और कार्यालयों को हरा-भरा और आकर्षक बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के इनडोर पौधे लगाते हैं। इन्हीं में से एक है स्नेक प्लांट (संसेविएरिया), जो अपनी खूबसूरत लंबी पत्तियों के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी कई लाभों के लिए भी जाना जाता है। यह ऐसा पौधा है जो कम देखभाल में आसानी से बढ़ता है और जहां रख दिया जाए, वहां की सुंदरता बढ़ाता है। वास्तु शास्त्र में भी इस पौधे की कई खास बातें बताई गई हैं। अगर सही दिशा में इस पौधे को लगाया जाए तो यह कई फायदे दिला सकता है। साथ ही इसकी लंबी, हरी और आकर्षक पत्तियां घर की सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ वातावरण को भी बेहतर बनाने में मदद करती हैं। यही वजह है कि कई लोग इसे बेडरूम या ऑफिस में रखना पसंद करते हैं।

स्नेक प्लांट की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह हवा को शुद्ध करने में सहायक माना जाता है। यह वातावरण में मौजूद कुछ हानिकारक तत्वों जैसे फॉर्मल्डिहाइड, बेंजीन और ट्राइक्लोरोएथिलीन जैसे प्रदूषकों के स्तर को कम करने में मदद कर सकता है। यही कारण है कि इसे घर, कार्यालय और अन्य इनडोर स्थानों के लिए एक लोकप्रिय पौधा माना जाता है।

स्नेक प्लांट की एक और खास बात यह है कि यह रात के समय भी ऑक्सीजन छोड़ता है, जिससे नींद अच्छी आती है और हवा शुद्ध रहती है। यह हवा में मौजूद टॉक्सिन्स जैसे फॉर्मल्डिहाइड, बेंजीन और ट्राइक्लोरोएथिलीन को कम करता है। इसी वजह से कई लोग इसे बेडरूम में रखना पसंद करते हैं। इसके अलावा, स्नेक प्लांट को अधिक पानी या धूप की जरूरत नहीं होती। सही देखभाल के साथ यह लंबे समय तक हरा-भरा बना रहता है।

स्नेक प्लांट मानसिक सुकून देने में भी मददगार माना जाता है। घर या कार्यस्थल पर हरियाली का होना तनाव कम करने और सकारात्मक माहौल बनाने में सहायक हो सकता है। इसकी सादगी और आकर्षक बनावट कमरे की सुंदरता बढ़ाने के साथ मन को भी ताजगी का एहसास कराती है।

वास्तु शास्त्र में स्नेक प्लांट का पौधा घर या कार्यस्थल पर लगाने के कई फायदे बताए गए हैं। स्नेक प्लांट को हमेशा घर के ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) में रखना चाहिए। इसके साथ ही घर के उत्तर या पूर्व दिशा में पौधे को रखना शुभ माना जाता है। ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है।

हालांकि स्नेक प्लांट के कुछ नुकसान भी हैं। जरूरत से ज्यादा पानी देने पर इसकी जड़ें सड़ सकती हैं और पौधा खराब हो सकता है। इसके अलावा, अगर इसकी पत्तियां पालतू कुत्ते, बिल्ली या छोटे बच्चे गलती से खा लें, तो उन्हें उल्टी, मतली या पेट संबंधी परेशानी हो सकती है। इसलिए इसे बच्चों और पालतू जानवरों की पहुंच से दूर रखना बेहतर होता है।

अगर आप ऐसे पौधे की तलाश में हैं जिसकी देखभाल आसान हो तो स्नेक प्लांट एक अच्छा विकल्प है। इसे बार-बार पानी देने की आवश्यकता नहीं होती। सामान्यतः सप्ताह में एक बार या मिट्टी पूरी तरह सूखने पर ही पानी देना पर्याप्त रहता है। अधिक पानी देने से इसकी जड़ों को नुकसान पहुंच सकता है। यह अप्रत्यक्ष धूप या हल्की रोशनी में भी अच्छी तरह बढ़ता है, इसलिए व्यस्त लाइफस्टाइल वाले लोगों के लिए यह उपयुक्त पौधा है।

घर की इस दिशा में रखें मिट्टी का गुल्लक, बचत के साथ बढ़ेगी बरकत

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में गुल्लक रखना बेहद शुभ फलदायी होता है। लेकिन इसके लिए इसे सही दिशा में रखना आवश्यक है।

गुल्लक किस दिशा में रखना चाहिए ?

उत्तर दिशा : वास्तुशास्त्र में उत्तर दिशा को देवता कुबेर की दिशा माना गया है। वास्तु गुरु मान्या के अनुसार, गुल्लक को इस दिशा में रखना सबसे उत्तम होता है। क्योंकि, इस स्थान पर धन के देवता का वास माना गया है। इस दिशा में गुल्लक रखने से आय के नए स्रोत मिल सकते हैं और धन में वृद्धि होने के भी संयोग बनते हैं।

दक्षिण-पश्चिम दिशा : अगर अच्छी कमाई होने के बाद भी आपका पैसा नहीं टिकता है और खर्चे अधिक बढ़े हुए हैं, तो गुल्लक को दक्षिण-पश्चिम दिशा में रख सकते हैं। इस दिशा को स्थिरता का स्थान माना गया है। ऐसे में यहां गुल्लक रखने से बचत किया हुआ धन सुरक्षित रहता है।

दक्षिण-पश्चिम की पश्चिम दिशा : इस स्थान को वास्तु शास्त्र में सीधा बचत और संचित धन से जुड़ा हुआ माना जाता है। मान्यता है कि दक्षिण-पश्चिम दिशा की पश्चिम दिशा में गुल्लक को रखने से बचत बढ़ने लगती है और बैंक बैलेंस भी संतुलित बना रह सकता है।

मिट्टी का ही लें गुल्लक

वास्तु गुरु मान्या बताती हैं कि हमेशा इस बात का प्रयास करें कि आप जब भी गुल्लक लें तो वह मिट्टी का ही बना हो। मान्यता है कि मिट्टी पृथ्वी तत्व को दर्शाती है जो धन को एक स्थान पर रोकने और स्थिर लक्ष्मी प्रदान करने में सहायक होती है। यही कारण है कि मिट्टी का गुल्लक घर में रखना शुभ माना जाता है। साथ ही, गुल्लक लेते समय प्लास्टिक का गुल्लक लेने से बचना चाहिए।

गुल्लक को न रखें खाली

कभी भी घर में रखे गुल्लक को खाली नहीं रखना चाहिए। उसमें हमेशा थोड़े सिक्के या नोट जरूर डालकर रखना चाहिए। मान्यता है कि गुल्लक को पूरा खाली रखने से आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में इस नियम का विशेष ख्याल जरूर रखना चाहिए।

इन स्थानों पर भूलकर भी न रखें गुल्लक

वास्तुशास्त्र के अनुसार, गुल्लक को कुछ स्थानों पर रखना बिल्कुल भी शुभ नहीं माना जाता है। ऐसे में इसे कभी भी बाथरूम या टॉयलेट के पास और सीढ़ियों के नीचे नहीं रखना चाहिए। साथ ही, अंधेरे स्थान पर भी गुल्लक रखना अच्छा नहीं माना जाता है।

'वह जन्मजात नेता हैं', प्रियामणि ने की थलापति विजय की तारीफ; 'जन नायकन' की रिलीज पर दी बड़ी अपडेट

एक्ट्रेस प्रियामणि ने हाल ही में 'जन नायकन' के बारे में जानकारी दी। यह फिल्म सुपरस्टार से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने थलापति विजय के साथ उनकी पहली फिल्म है। एच. विनोथ के डायरेक्शन में बन रही इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की काफी चर्चा हो रही है, क्योंकि यह थलापति विजय की आखिरी फिल्म है और इसके सर्टिफिकेशन प्रोसेस में देरी की वजह से भी यह सुर्खियों में रही है।

हाल ही में एक इवेंट में प्रियामणि ने फिल्म की रिलीज के बारे में इशारा करते हुए कहा कि जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है। उन्होंने विजय के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में भी बात की और उनके लीडरशिप गुणों की तारीफ करते हुए कहा कि बहुत से लोग मानते हैं कि वह अपनी मौजूदा भूमिका के लिए ही पैदा हुए थे।

वह इसी भूमिका के लिए पैदा हुए थे

अपनी फिल्म के लिए आयोजित एक इवेंट में प्रियामणि ने थलापति विजय के मुख्यमंत्री बनने पर कहा कि मैं बहुत खुश हूं। हर कोई कह रहा है कि सर इस भूमिका के लिए ही पैदा हुए थे।

मुझे लगता है कि वह अच्छा काम कर रहे हैं और सभी को लगता है कि यह इसी तरह जारी रहना चाहिए। मैं उन्हें शुभकामनाएं भी देना चाहती हूं क्योंकि वह इसी काम के लिए पैदा हुए थे और वह जन्मजात नेता हैं।

जल्द ही घोषित होगी 'जन नायकन' की रिलीज डेट

विजय की आखिरी फिल्म कही जा रही 'जन नायकन' इस साल की शुरुआत में 9 जनवरी को रिलीज होनी थी। लेकिन सर्टिफिकेशन से जुड़ी दिक्कतों के कारण फिल्म की रिलीज में कई बार देरी हुई है।

हालांकि, खबरों के अनुसार इसे अब सीबीएफसी से मंजूरी मिल गई है और यह रिलीज के लिए तैयार हो रही है। प्रियामणि ने फिल्म की रिलीज के बारे में जानकारी दी। उन्होंने रिलीज की सही तारीख तो नहीं बताई, लेकिन कहा कि जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है।

विजय और प्रियामणि के अलावा 'जन नायकन' में पूजा हेगड़े, बॉबी देओल, नारायण, प्रकाश राज, ममिता बैजू और गौतम वासुदेव मेनन अहम भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन एच विनोथ ने किया है। फैंस को विजय की 'जन नायकन' का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म को जुलाई के अंत या अगस्त के शुरुआती हफ्ते में रिलीज किया जा सकता है।

रवि किशन की पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए अनधिकृत कंटेंट हटाने का आदेश; दिल्ली हाई कोर्ट ने कही ये बात

दिल्ली हाई कोर्ट ने एक्टर और भाजपा सांसद रवि किशन के पक्ष में एकतरफा अंतरिम रोक का आदेश दिया है। इस आदेश के तहत कई संस्थाओं को उनके नाम, तस्वीर, आवाज और व्यक्तित्व से जुड़ी अन्य विशेषताओं का बिना इजाजत कमर्शियल इस्तेमाल करने से रोका गया है। इसमें एआई, डीपफेक टेक्नोलॉजी और अन्य डिजिटल टूल्स का इस्तेमाल भी शामिल है।

जस्टिस ज्योति सिंह की सिंगल-जज बेंच ने यह अंतरिम आदेश रवि किशन द्वारा दायर एक कमर्शियल केस में दिया। यह केस कई प्रतिवादियों के खिलाफ दायर किया गया था, जिनमें सोशल मीडिया अकाउंट्स, वेबसाइट्स, डोमेन नेम रजिस्ट्रार, मध्यस्थ और अज्ञात जॉन डो (John Doe) संस्थाएं शामिल हैं, जिन पर उनके व्यक्तित्व का बिना इजाजत इस्तेमाल करने का आरोप है।

केस में आरोप लगाया गया था कि एआई-जनरेटेड कंटेंट, अश्लील और भद्दे वीडियो, सोशल मीडिया पर फैलाए गए मनगढ़ंत बयानों, उनकी पहचान के बिना इजाजत कमर्शियल इस्तेमाल और उनसे गलत तरीके से जोड़े गए पोर्नोग्राफिक कंटेंट के जरिए एक्टर-राजनेता के व्यक्तित्व और पब्लिसिटी अधिकारों का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग किया जा रहा है।

आरोप लगाया गया कि कई वेबसाइट्स रवि किशन के नाम का इस्तेमाल यौन रूप से स्पष्ट और पोर्नोग्राफिक सामग्री के संबंध में कर रही थीं, जबकि सोशल मीडिया अकाउंट्स ने मनगढ़ंत और आपत्तिजनक कंटेंट अपलोड किया था, जिससे उनकी छवि और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा।

कोर्ट ने आदेश में कही ये बात

अपने आदेश में दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि रवि किशन एक जाने-माने एक्टर हैं, जिनका करियर तीन दशकों से ज्यादा लंबा रहा है। साथ ही एक जन प्रतिनिधि के तौर पर भी उन्हें पहचान मिली है और उनकी काफी अच्छी साख, प्रतिष्ठा और कमर्शियल वैल्यू है।

जस्टिस ज्योति सिंह ने नोट किया कि वादी ने कई भाषाओं में 750 से ज़्यादा फिल्मों में काम किया है और उनकी कमर्शियल पहचान उनके नाम, तस्वीर, शक्ल-सूरत, आवाज, खास डायलॉग और व्यक्तित्व की दूसरी खासियतों से गहराई से जुड़ी है। ये सब मिलकर उनके व्यक्तित्व और पब्लिसिटी से जुड़े अहम अधिकार बनाते हैं।

दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा, 'वादी ने एकतरफा अंतरिम रोक पाने के लिए शुरुआती तौर पर मजबूत मामला बनाया है। सुविधा का संतुलन वादी के पक्ष में है और अगर अंतरिम रोक नहीं लगाई गई तो उन्हें ऐसा नुकसान हो सकता है जिसकी भरपाई नहीं की जा सकेगी।'

कोर्ट ने यह भी कहा कि रवि किशन को अपने व्यक्तित्व की अलग-अलग खूबियों की सुरक्षा करने और दूसरों को उनकी साफ मंजूरी के बिना इनका इस्तेमाल करने या कमर्शियल फायदा उठाने से रोकने का पूरा अधिकार है।

जस्टिस सिंह ने कहा कि व्यक्तित्व अधिकारों को अब कानूनी मान्यता मिल चुकी है और उन्हें कानूनी सुरक्षा मिलनी चाहिए, खासकर तब जब बिना मंजूरी के इस्तेमाल से कमर्शियल नुकसान हो, निजता का उल्लंघन हो या किसी व्यक्ति की गरिमा को ठेस पहुंचे।

आदेश में कहा गया कि वादी को ऐसे किसी भी कंटेंट के खिलाफ शिकायत करने का अधिकार है जो उनके व्यक्तित्व अधिकारों का उल्लंघन करता हो, या अश्लील/अभद्र हो, या जिसमें पोर्नोग्राफिक कंटेंट हो और जिससे जनता, परिवार और दोस्तों के बीच उनकी छवि, साख और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचता हो।

मोहनलाल ने सौंपे 10 हाथी के दांत और 13 मूर्तियां

केरल के महान अभिनेता मोहनलाल के खिलाफ वन्यजीव से जुड़ी चीजें रखने के एक पुराने मामले में कानूनी कार्यवाही चल रही है। इस बीच उन्होंने केरल वन विभाग को बताया है कि उनके पास हाथी के 10 दांत और हाथी दांत की 13 मूर्तियां हैं। यह जानकारी केरल हाई कोर्ट की तरफ से 2025 में हाथी के दांतों के मालिकाना हक वाले सर्टिफिकेट को रद्द करने के बाद सामने आई है।

दांतों की होगी जांच

अधिकारियों ने कहा कि एमनेस्टी स्कीम के तहत घोषित वन्यजीवों से जुड़ी चीजों की असलियत जानने और वे कहां से आईं हैं, यह पता लगाने के लिए उनका डीएनए टेस्ट और जांच की जाएगी।

तोहफे में मिले हाथी के दांत

मोहनलाल का हमेशा से यही कहना रहा है कि उनके पास जो हाथी के दांत थे, वे उन्हें अपने परिवार से विरासत में मिले थे या तोहफे में मिले थे।

'इस शो में आना मेरी गलती थी', 'लॉक अप 2' में राम कपूर ने क्यों कही ऐसी बात? रितेश देशमुख से की ये गुजारिश

क्या है पूरा मामला?

अभिनेता ने यह जानकारी लंबे समय से चल रहे एक कानूनी मामले के बाद दी है। यह मामला 2011 का है, जब इनकम टैक्स विभाग ने मोहनलाल की प्रॉपर्टी पर तलाशी के दौरान कथित तौर पर हाथी के दांत और उनसे बनी चीजें बरामद की थीं। बाद में वन विभाग ने उन पर बिना मंजूरी के हाथी के दांत रखने का मामला दर्ज किया था।

जारी रही आपराधिक कार्यवाही

बाद में केरल सरकार ने मुकदमा वापस लेने की कोशिश की, लेकिन ट्रायल कोर्ट ने इस अनुरोध को ठुकरा दिया। इसके बाद केरल हाई कोर्ट ने इस फैसले को बरकरार रखा और आपराधिक कार्यवाही जारी रखने की इजाजत दे दी।

हाई कोर्ट ने की थी कार्रवाई

पिछले साल हाई कोर्ट ने राज्य सरकार के उस आदेश को रद्द कर दिया था, जिसके तहत हाथी के दांतों पर उनके मालिकाना हक को रेगुलर किया गया था। साथ ही, कोर्ट ने मोहनलाल के पास मौजूद हाथी के दांतों से बनी चीजों के लिए जारी मालिकाना हक के सर्टिफिकेट भी रद्द कर दिए थे।

स्कीम के तहत मोहनलाल ने किया खुलासा

अब जब वाइल्डलाइफ एमनेस्टी स्कीम के तहत नया डिक्लेरेशन जमा किया गया है, तो उम्मीद है कि वन अधिकारी नई घोषित चीजों पर कोई भी आगे की कार्रवाई करने से पहले उनकी जांच-पड़ताल की प्रक्रिया पूरी करेंगे।

'एक्शन और कट के बीच मुझे सिर्फ एक्टर नहीं, भाई भी मिल गया' 'धुरंधर' के डायरेक्टर ने रणवीर को किया बर्थडे विश

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह सोमवार, 6 जुलाई को 41 साल के हो गए हैं। फिल्म 'धुरंधर' के निर्देशक आदित्य धर ने सोशल मीडिया पर रणवीर के जन्मदिन पर एक खास पोस्ट साझा कर अपने दिल की बात लिखी है।

निर्देशक आदित्य धर ने अभिनेता रणवीर सिंह के जन्मदिन पर इंस्टाग्राम पर एक बेहद खास और इमोशनल पोस्ट साझा किया है। उन्होंने रणवीर को जन्मदिन की बधाई देते हुए अपनी फिल्म 'धुरंधर' की शूटिंग के अनुभव साझा किए और रणवीर की जमकर तारीफ भी की।

रणवीर के अभिनय के मुरीद हुए आदित्य

आदित्य ने इन शानदार तस्वीरों के साथ लिखा कि उन्हें पहले से पता था कि रणवीर एक बेहतरीन अभिनेता हैं, लेकिन इस फिल्म के सफर के बाद वह रणवीर के अभिनय और उनके अच्छे इंसान होने के कायल हो गए हैं।

शानदार परफॉर्मेंस की तारीफ

आदित्य के मुताबिक, फिल्म 'धुरंधर' में रणवीर का काम भारतीय सिनेमा के इतिहास के सबसे बेहतरीन कामों में से एक है। उन्होंने लिखा कि 26/11 वाले सीन, पठानकोट नरसंहार और कोर्ट के बाहर वाले दृश्यों में रणवीर ने कमाल की एक्टिंग की है।

सरस्वती मां की कृपा

निर्देशक आदित्य ने रणवीर की तारीफ में लिखा कि उनकी लगन को देखकर ऐसा लगता है, जैसे खुद मां सरस्वती ने उनके सिर पर हाथ रखा हो और उन्हें कला का हुनर बख्शा हो।

भाई जैसा रिश्ता

आदित्य ने बताया कि 'धुरंधर' के सफर के दौरान रणवीर सिर्फ उनके एक्टर नहीं रहे, बल्कि उनके भाई बन गए हैं। उन्होंने उन पर भरोसा करने और फिल्म को अपना सब कुछ देने के लिए रणवीर का शुक्रिया अदा किया।

रणवीर की तारीफ

आदित्य धर को पूरा भरोसा है कि 'धुरंधर' फिल्म में रणवीर सिंह के अभिनय की तारीफ आने वाली पीढ़ियां भी करेंगी। उन्होंने रणवीर को जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, 'हमेशा प्यार। हैप्पी बर्थडे, भाई।'

18 घंटे लगातार शूटिंग और थकान...; रानी मुखर्जी ने सुनाया 'मर्दानी 3' के क्लाइमैक्स एक्शन सीन के शूट का किस्सा

रानी मुखर्जी की चर्चित फ्रैंचाइजी 'मर्दानी' की तीसरी किस्त इस साल जनवरी में रिलीज हुई थी। एक बार फिर अभिनेत्री शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में नजर आईं। हाल ही में उन्होंने इस एक्शन थ्रिलर फिल्म की शूटिंग के दौरान आए मुश्किल अनुभवों पर बात की। रानी ने बताया कि फिल्म के क्लाइमैक्स सीन के लिए शारीरिक ताकत और मेंटल फोकस, दोनों की जरूरत थी। उन्होंने इसे अपने करियर का सबसे मुश्किल शूट बताया।

रानी के लिए नाइट शूट क्यों होता है मुश्किल?

रानी मुखर्जी ने फिल्म के क्लाइमैक्स के लिए नाइट शूट के बारे में बात की। अभिनेत्री ने बॉलीवुड हंगामा से बात करते हुए कहा कि रात भर काम करना उनके लिए हमेशा मुश्किल रहा है, क्योंकि यह उनकी नैचुरल रूटीन के खिलाफ है। उन्होंने आगे कहा कि नाइट शेड्यूल के हिसाब से ढलना आसान नहीं होता, लेकिन उन्होंने यह भी माना कि अंधेरा होने के बाद शूटिंग करने से सेट पर एक अनोखा माहौल भी बनता है।

'रात में एनर्जी और फोकस सही होता है'

रानी ने कहा, 'मुझे लगता है कि हर प्रोजेक्ट में अपनी-अपनी चुनौतियां होती हैं, लेकिन मेरे लिए रात की शूटिंग हमेशा सबसे मुश्किल होती है क्योंकि मैं स्वभाव से सुबह जल्दी उठने वाली इंसान हूं। जल्दी उठना और जल्दी सोना पसंद है, इसलिए जब भी रात का शेड्यूल होता है, तो मुझे अपनी बॉडी क्लॉक को पूरी तरह से बदलना पड़ता है। मुझे दिन में सोना भी पसंद नहीं है, इसलिए उस रूटीन के हिसाब से ढलना काफी मुश्किल हो सकता है। फिर भी, रात में शूटिंग करने में कुछ बहुत खास बात है। सेट पर जो एनर्जी होती है, वह अलग होती है। पूरा शहर सो रहा होता है, तब फिल्म क्रू पूरी तरह एक्टिव होता है और काम कर रहा होता है। एक अलग शांति होती है। वह माहौल शूटिंग में अलग ही फोकस और उत्साह लाता है'।

बोलीं- 'सीन देखा तो लगा सारी मेहनत सफल हुई'

रानी ने आगे बताया कि क्लाइमैक्स की शूटिंग प्रोडक्शन का सबसे थका देने वाला हिस्सा था। इस मुश्किल एक्शन सीन के लिए टीम को बिना किसी बड़े ब्रेक के लगभग पूरे दिन शूटिंग करनी पड़ी। रानी ने कहा, 'क्लाइमैक्स सीन की शूटिंग सबसे मुश्किल अनुभवों में से एक थी। हमने लगातार 18 घंटे शूटिंग की। दोपहर 3 बजे शुरू करके अगली सुबह 10 बजे तक। यह सिर्फ शेड्यूल की वजह से मुश्किल नहीं था, बल्कि इसलिए भी क्योंकि इस सीन में बहुत शारीरिक मेहनत और ताकत की जरूरत थी। पूरी रात जागकर और शूटिंग करने के बाद इसने सचमुच मेरी सहनशक्ति की परीक्षा ले ली। लेकिन जब देखा कि सीन कैसा बना है, तो सारी मेहनत सफल हो गई।

'एक समय टीवी एक्टर्स को बहुत पैसे मिलते थे', सरगुन मेहता ने बताया कैसे एक घटना ने उन्हें बना दिया प्रोड्यूसर

सरगुन मेहता ने टीवी से लेकर फिल्मों तक का सफर तय किया है। अब वो पंजाबी इंडस्ट्री की सफल प्रोड्यूसर और एक्ट्रेस हैं। अपने करियर को लेकर सरगुन का कहना है कि उनका करियर खुद को नए सिरे से ढालने, अपनी समझ और रिस्क लेने की हिम्मत से बना है।

फीस नहीं मिली तो मुनाफे में मांगा हिस्सा

सरगुन ने पंजाबी सिनेमा में मशहूर होने से पहले टीवी के सुनहरे दौर को याद किया। उन्होंने कहा कि टीवी पर एक ऐसा समय आया था जब एक्टर्स को बहुत ज्यादा पैसे मिलते थे। टीवी का जबरदस्त दौर चल रहा था। शो बहुत अच्छा कर रहे थे।

मुझे याद है कि 'नच बलिए' के समय ऐसा लगता था कि लोग इस डांस शो के अलावा कुछ और नहीं देख रहे हैं। हालांकि, फिल्म प्रोडक्शन में उनका आना किसी लंबे समय के प्लान की वजह से नहीं, बल्कि हालात की वजह से हुआ। पंजाबी फिल्म 'काला शाह काला' (2019) के बारे में बात करते हुए मेकर्स ने उनसे कहा कि वे उनकी एक्टिंग फीस नहीं दे सकते।

वह याद करते हुए कहती हैं कि मैंने कहा, 'ठीक है, क्या मैं कम से कम स्क्रिप्ट सुन सकती हूं?' स्क्रिप्ट सुनने के बाद मैंने उनसे कहा, 'मुझे पैसे मत दो। मुझे मुनाफे में हिस्सा दो और मुझे प्रोड्यूसर के तौर पर क्रेडिट दो।' इस समझौते के बाद उन्होंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी शुरू की और फिर उन्होंने और उनके पति रवि दुबे ने 'उड़ारियां' (2021) के साथ टीवी प्रोडक्शन में कदम रखा।

एक्टिंग के साथ प्रोड्यूसर बनकर खुश हैं सरगुन

सरगुन के लिए फिल्म बनाना बजट के साइज से ज्यादा प्रोजेक्ट के पीछे के पक्के इरादे पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि जो इंसान सच में फिल्म बनाना चाहता है, वह दो लाख रुपये में भी एक बेहतरीन फिल्म बना सकता है।

अच्छी फिल्म के लिए पैसे की नहीं, इरादे की जरूरत होती है। आप कुछ फिल्में कमर्शियल वजहों से करते हैं और कुछ फिल्में अपने लिए करते हैं। फिलहाल मैं अपनी एक्टिंग की यात्रा जारी रखते हुए टीवी शो और फिल्में प्रोड्यूस करके खुश हूं।

'गदर' के निर्देशक अनिल शर्मा ने की अमीषा पटेल की तारीफ, सेट का भावुक किस्सा किया याद

अमीषा पटेल को हाल ही में फिल्म 'गदर' के निर्देशक अनिल शर्मा ने एक प्यारा सरप्राइज दिया। इसके साथ ही उन्होंने अमीषा के अभिनय की जमकर तारीफ भी की और फिल्म की शूटिंग का एक भावुक किस्सा भी साझा किया।

शूटिंग के वक्त रो पड़े थे क्रू मेंबर्स

अनिल शर्मा ने याद किया कि 'गदर' में 'सकीना' के किरदार के लिए अमीषा ने कितनी मेहनत की थी। उन्होंने कहा, 'सकीना के हर सीन के लिए तुमने मेरे साथ सैकड़ों बार रिहर्सल की थी।'

अनिल ने कहा, 'फिल्म में मौलवी के साथ तुम्हारा एक सीन था, जहां तुम कहती हो- 'मैं जहर खाकर मर भी नहीं सकती, क्योंकि मुझे पता है कि तारा आएगा और मुझे ढूंढकर बुलाएगा।' तुमने इस सीन को इतने शानदार तरीके से किया कि सेट पर मौजूद हर इंसान की आंखों में आंसू आ गए थे और सबने तालियां बजाई थीं।'

'आज भी वैसी ही खूबसूरत दिखती हो'

अनिल शर्मा ने अमीषा की खूबसूरती की तारीफ करते हुए कहा कि जब वह पहली बार अमीषा से मिले थे, वह आज भी वैसी ही दिखती हैं। ऐसा लगता है जैसे उनके लिए वक्त ठहर गया हो। उन्होंने अमीषा को अपने परिवार का हिस्सा बताया।

कब रिलीज हुई 'गदर'

फिल्म 'गदर' साल 2001 में रिलीज हुई थी और बॉलीवुड की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक बनी। इस फिल्म में सनी देओल ने 'तारा सिंह' और अमीषा पटेल ने 'सकीना' का रोल निभाया था।

यह भारत के बंटवारे (1947) के समय की कहानी है, जिसमें एक सिख ट्रक ड्राइवर को एक मुस्लिम लड़की से प्यार हो जाता है और वह उसे पाकिस्तान से वापस लाने के लिए पूरी दुनिया से लड़ जाता है।

फिल्म का हैंडपंप उखाड़ने वाला सीन आज भी बहुत मशहूर है। इसके साथ ही 'मैं निकला गड्डी लेके' और 'उड़ जा काले कावां' जैसे गाने आज भी लोगों के पसंदीदा हैं।

बड़े पर्दे पर पहली बार बनेगी अली फजल और ऋचा चड्ढा की जोड़ी, ऐसी होगी फिल्म की कहानी

बॉलीवुड कपल अली फजल और ऋचा चड्ढा पहली बार किसी फिल्म में एक-दूसरे के अपोजिट नजर आएंगे। यानी पहली बार ये रियल लाइफ जोड़ी बड़े पर्दे पर भी एक जोड़ी के रूप में नजर आएगी। हालांकि, दोनों ने पहले 'फुकरे' फ्रैंचाइजी में साथ काम किया है, लेकिन स्क्रीन पर उन्हें कभी एक-दूसरे के अपोजिट कास्ट नहीं किया गया। एक्टर-राइटर-डायरेक्टर शशि वर्मा की आने वाली फिल्म में कपल साथ नजर आएगा। कपल ने इसको लेकर अपना उत्साह भी जाहिर किया है।

ऐसी होगी फिल्म की कहानी

अली और ऋचा आखिरकार पहली बार एक साथ एक बिना नाम वाली सिचुएशनल कॉमेडी फिल्म में काम करने जा रहे हैं, जिसे सीनवर्क प्रोडक्शंस और गिरिराज प्रोडक्शंस बना रहे हैं। इनके अलावा फिल्म में कुमुद मिश्रा भी नजर आएंगे।

दिल्ली की भागदौड़ भरी जिंदगी पर आधारित इस फिल्म को एक्टर-राइटर-डायरेक्टर शशि वर्मा डायरेक्ट करेंगे। शशि वर्मा पहले 'बाला', 'गुंजन सक्सेना' और 'कटहल' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं और उन्होंने 'AK47' और 'मुर्गा ट्रॉफी' जैसी फिल्में लिखी हैं।

हालांकि, अभी फिल्म का टाइटल सामने नहीं आया है। फिल्म की शूटिंग 2026 के दूसरे हिस्से में शुरू होगी और इसे अप्रैल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

अली बोले- मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं

इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए अली फजल ने कहा, 'मेरा हमेशा से मानना रहा है कि सबसे अच्छी कॉमेडी ईमानदार किरदारों और असल लगने वाली स्थितियों से बनती है। जैसे ही मैंने यह स्क्रिप्ट पढ़ी, मुझे पता चल गया कि इसमें कुछ खास है। ऋचा के साथ स्क्रीन पर एक बिल्कुल नया तालमेल आजमाना भी रोमांचक है।

मैं सच में उस चीज का इंतज़ार कर रहा हूं जो हम साथ मिलकर बनाएंगे। शशि सर के काम को मैं हमेशा से फॉलो करता रहा हूं और उनके साथ काम करना मेरी हमेशा से इच्छा रही है। इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का यह भी एक बड़ा कारण है।'

कहानी की सादगी ने मुझे खींचा

वहीं ऋचा चड्ढा ने फिल्म को लेकर अपना उत्साह जताते हुए कहा, 'इस कहानी की सादगी और असलियत ने मुझे अपनी ओर खींचा। यह मजेदार और इमोशनल है और रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी है, साथ ही इसमें समाज पर एक बेहतरीन टिप्पणी भी है। अली और मैंने पहले भी साथ काम किया है, लेकिन कभी ऐसा नहीं किया।

मैं सच में उत्साहित हूं कि दर्शक हमें एक बिल्कुल नए अंदाज में साथ देखेंगे। इस कहानी ने मुझे दिल्ली के यमुना पार में बिताए अपने स्कूल के दिनों की याद दिला दी। अली एक बेहतरीन एक्टर हैं। हमें पहले कभी इस तरह साथ काम करने का मौका नहीं मिला। इससे पहले हमने 'फुकरे' में काम किया था, जहां हमारे किरदार अलग-अलग थे।'

आखिरी बार 'राख' में नजर आए थे अली

वर्कफ्रंट की बात करें तो अली फजल आखिरी बार हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज 'राख' में नजर आए थे। इस सीरीज को काफी पसंद किया गया और अली के अभिनय की भी जमकर तारीफ हुई। अब अली 'मिर्जापुर: द मूवी' में नजर आएंगे। इस फिल्म में वो सीरीज के अपने लोकप्रिय किरदार गुड्डू पंडित के रूप में वापसी करेंगे। ऋचा चड्ढा आखिरी बार 2024 में रिलीज हुई संजय लीला भंसाली की सीरीज 'हीरामंडी' में नजर आई थीं।

महिलाओं के स्वास्थ्य पर सबसे ज्यादा असर डालती हैं ये आदतें

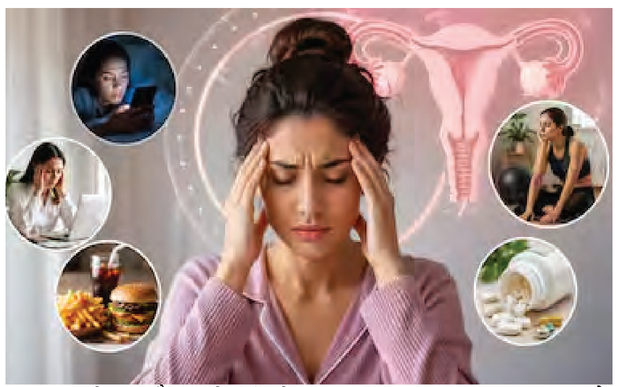

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में महिलाएं घर और ऑफिस की जिम्मेदारियों के बीच अक्सर अपनी सेहत को नजरअंदाज कर देती हैं। कम उम्र की लड़कियों और युवा महिलाओं में भी ऐसी कई आदतें देखने को मिलती हैं, जो धीरे-धीरे उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकती हैं। उनकी कुछ आदतें आगे चलकर हार्मोनल असंतुलन, मोटापा, एनीमिया, पीसीओएस और कमजोर इम्यूनिटी जैसी समस्याओं का कारण बन सकती हैं। ऐसे में स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए जरूरी है कि इन छोटी-छोटी गलतियों को समय रहते सुधारा जाए। अगर आप भी लंबे समय तक फिट और स्वस्थ रहना चाहती हैं, तो कुछ आदतों को बदलना बेहद जरूरी है। आइए जानते हैं वे कौन-सी आदतें हैं, जिन्हें आज ही छोड़ देना चाहिए।

सुबह का नाश्ता छोड़ना

कई महिलाएं वजन घटाने या काम की व्यस्तता के कारण सुबह का नाश्ता नहीं करतीं। जबकि रातभर खाली रहने के बाद शरीर को सुबह ऊर्जा और पोषण की जरूरत होती है। नाश्ता छोड़ने से ब्लड शुगर का स्तर प्रभावित हो सकता है, जिससे थकान, चक्कर, कमजोरी और बार-बार भूख लगने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इससे दिनभर अनहेल्दी स्नैक्स खाने की आदत भी बढ़ सकती है। इसलिए सुबह प्रोटीन, फाइबर और हेल्दी फैट से भरपूर नाश्ता करना बेहतर माना जाता है।

पर्याप्त पानी न पीना

शरीर के सही तरीके से काम करने के लिए पर्याप्त पानी पीना बेहद जरूरी है। कम पानी पीने से डिहाइड्रेशन, सिरदर्द, कब्ज, थकान और त्वचा का रूखापन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा शरीर से विषैले तत्व भी आसानी से बाहर नहीं निकल पाते। गर्मियों में या ज्यादा शारीरिक गतिविधि करने पर पानी की जरूरत और बढ़ जाती है। इसलिए दिनभर नियमित अंतराल पर पानी पीने की आदत डालें और जरूरत के अनुसार नारियल पानी, छाछ या नींबू पानी जैसे हेल्दी ड्रिंक्स भी शामिल करें।

देर रात तक जागना

देर रात तक मोबाइल चलाना, लैपटॉप पर काम करना या देर से सोना शरीर की प्राकृतिक जैविक घड़ी को प्रभावित करता है। पर्याप्त नींद न मिलने से हार्मोनल असंतुलन, तनाव, कमजोर इम्यूनिटी, वजन बढ़ना और एकाग्रता में कमी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लंबे समय तक नींद की कमी मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर डाल सकती है। स्वस्थ रहने के लिए रोजाना 7 से 9 घंटे की अच्छी और गहरी नींद लेने की कोशिश करें।

लंबे समय तक बैठे रहना

आजकल ऑफिस जॉब या वर्क फ्रॉम होम के कारण कई महिलाएं लगातार कई घंटों तक एक ही जगह बैठी रहती हैं। इससे कमर और पीठ दर्द, गर्दन में अकड़न, मोटापा और ब्लड सर्कुलेशन से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। लंबे समय तक बैठे रहने से डायबिटीज और हृदय रोग का खतरा भी बढ़ सकता है। हर 45 से 60 मिनट में 5 मिनट का ब्रेक लें, थोड़ा टहलें और हल्की स्ट्रेचिंग जरूर करें।

तनाव को नजरअंदाज करना

काम का दबाव, पारिवारिक जिम्मेदारियां और व्यक्तिगत परेशानियां महिलाओं में तनाव का कारण बन सकती हैं। अगर लंबे समय तक तनाव बना रहे तो इसका असर मानसिक और शारीरिक दोनों स्वास्थ्य पर पड़ता है। इससे हाई ब्लड प्रेशर, नींद की समस्या, हार्मोनल बदलाव, चिंता और डिप्रेशन का खतरा बढ़ सकता है। तनाव को कम करने के लिए रोजाना योग, मेडिटेशन, गहरी सांस लेने की एक्सरसाइज या अपनी पसंद का कोई शौक अपनाना फायदेमंद हो सकता है। जरूरत महसूस होने पर मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लेना भी एक अच्छा कदम है।

महंगे प्रोडक्ट्स के बाद भी कमजोर और पतले हैं आपके बाल?

डॉक्टर ने बताया इसका असली कारण

क्या आप भी बालों की समस्या से परेशान हैं? महंगे शैंपू, सीरम, हेयर ऑयल खरीदकर सोचा कि अब बालों का झड़ना और पतला होना रुक जाएगा? शुरुआत में थोड़ा फर्क महसूस भी हुआ होगा, लेकिन कुछ महीनों बाद फिर वही कहानी, बाल पहले से ज्यादा पतले, कमजोर और बेजान दिखने लगे। ऐसे में सबसे पहला सवाल यही आता है कि आखिर इतनी महंगी चीजें इस्तेमाल करने के बाद भी बाल ठीक क्यों नहीं हो रहे?

असल में यहीं सबसे बड़ी गलतफहमी छिपी हुई है। हमें वर्षों से यही बताया गया है कि सही हेयर प्रोडक्ट चुन लेंगे तो बालों की हर समस्या खत्म हो जाएगी। लेकिन सच्चाई इससे बिल्कुल अलग है। अगर बालों के पतले होने की वजह शरीर के अंदर छिपी है, तो बाहर से लगाया गया कोई भी प्रोडक्ट उस असली वजह तक पहुंच ही नहीं सकता।

बालों की समस्याओं की जड़ को समझिए

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि बाल सिर्फ सिर की त्वचा पर उगने वाले रेशे नहीं हैं, बल्कि हर बाल एक छोटे से जीवित हेयर फॉलिकल (बाल बनाने वाली जड़) से निकलता है। यही फॉलिकल तय करता है कि नया बाल कितना मजबूत या मोटा होगा और कितने समय तक सिर पर टिकेगा? अगर यही जड़ कमजोर होने लगे, तो चाहे आप दुनिया का सबसे महंगा शैंपू इस्तेमाल कर लें, समस्या पूरी तरह खत्म नहीं होगी।

क्या कहते हैं डॉक्टर?

कॉस्मेटिक सर्जन और क्लीनिकल साइंटिस्ट डॉ. देबराज शोम कहते हैं, बालों की कमजोरी या इसके झड़ने के पीछे असल समस्या यह नहीं है कि आपने गलत ब्रांड या गलत प्रोडक्ट चुना है। समस्या यह है कि बालों का पतला होना शरीर के अंदर होने वाली जैविक (बायोलॉजिकल) प्रक्रिया से जुड़ा होता है। बाहर से लगाया जाने वाला कोई भी प्रोडक्ट उस जगह तक पहुंच ही नहीं सकता, जहां से यह समस्या शुरू होती है।

ज्यादा स्ट्रेस लेना भी बालों का दुश्मन

डॉ शोम कहते हैं, लोगों में लगातार बढ़ता मानसिक तनाव भी बालों के पतले होने का एक बड़ा कारण माना जाता है, ज्यादातर लोग इसे समझ नहीं पाते।स्टेम सेल रिव्यूज एंड रिपोर्ट्स में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, लगातार तनाव रहने पर हेयर फॉलिकल की स्टेम सेल्स (विशेष कोशिकाएं जो नए बाल बनने की प्रक्रिया शुरू करती हैं) में रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पीशीज यानी हानिकारक अणुओं की मात्रा बढ़ जाती है।

न्यूट्रिशन की कमी भी हो सकती है कारण

डॉक्टर कहते हैं, शरीर में कुछ जरूरी पोषक तत्वों की कमी से भी बाल झड़ने लगते हैं।

सामान्य ब्लड टेस्ट में अक्सर सिर्फ हीमोग्लोबिन देखा जाता है, जबकि फेरिटिन की जांच नहीं होती। इसी तरह विटामिन डी, विटामिन बी12 और जिंक की जांच भी आमतौर पर तभी कराई जाती है जब डॉक्टर अलग से लिखें। ऐसा भी हो सकता है कि डॉक्टर आपकी रिपोर्ट देखकर कह दें कि सब कुछ सामान्य है, लेकिन वास्तव में शरीर में फेरिटिन का स्तर इतना कम हो कि उससे बालों की जड़ें प्रभावित हो रही हों। यानी नॉर्मल' रिपोर्ट का मतलब हमेशा बालों के लिए पर्याप्त होना नहीं होता।

भारी बारिश-बाढ़ से कई बीमारियों का बढ़ सकता है खतरा; डॉक्टरों ने किया अलर्ट

मुंबई इन दिनों भारी बारिश, जलजमाव और बाढ़ की चपेट में है। अलग-अलग जगहों से आ रही खबरों के अनुसार कई स्थानों पर बाढ़ जैसी स्थिति बनी हुई है। सोमवार को मुंबई में भारी बारिश के कारण हवाई यात्रा बाधित हुई, जिससे नागपुर के कई मंत्री और विधायक फंस गए और महाराष्ट्र विधानसभा के मॉनसून सत्र के पहले दिन शामिल नहीं हो सके।

आपदा प्रबंधन मंत्री गिरीश महाजन ने बताया कि पिछले तीन-चार दिनों में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 13 लोगों की मौत हुई है। मुंबई और उसके पड़ोसी जिलों पालघर और रायगढ़ में रिकॉर्ड तोड़ बारिश हुई। इस बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी अलर्ट किया है कि मंगलवार को भी स्थिति खराब रह सकती है, जिसे देखते हुए राज्य प्रशासन को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

बारिश और बाढ़ को स्वास्थ्य के नजरिए से भी काफी नुकसानदायक माना जाता रहा है। बाढ़ और जलजमाव के दौरान सीवर का पानी पीने के पानी में मिल जाता है, कचरा और गंदगी खुले में फैल जाती है जिससे बीमारियां फैलने का खतरा रहता है। आइए जानते हैं कि बाढ़ वाली जगहों पर किन बीमारियों का खतरा रहता है और सभी लोगों को बचाव के लिए क्या करना चाहिए?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बाढ़ के दौरान और बाढ़ खत्म होने के बाद तक स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बने रहते हैं। ऐसे स्थानों पर मच्छरों और दूषित पानी के कारण होने वाली बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है। अगर आप भी ऐसे इलाके में रहते हैं जहां बारिश के बाद पानी भर जाता है, तो अपनी सेहत को लेकर सावधान रहना जरूरी है।

लेप्टोस्पायरोसिस का खतरा

लेप्टोस्पायरोसिस एक बैक्टीरियल संक्रमण है जो संक्रमित चूहों, कुत्तों और अन्य जानवरों के मूत्र से दूषित पानी के संपर्क में आने से फैलता है। बारिश और बाढ़ के दौरान इस बीमारी के तेजी से फैलने का खतरा अधिक होता है।

यदि किसी व्यक्ति के शरीर पर कट या घाव हो और वह दूषित पानी में चले, तो बैक्टीरिया शरीर में प्रवेश कर सकता है। शुरुआत में तेज बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, आंखों का लाल होना और उल्टी जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। गंभीर मामलों में किडनी, लिवर और फेफड़ों को नुकसान पहुंच सकता है

मच्छरों के कारण होने वाली बीमारियां

बारिश के बाद जगह-जगह जमा पानी मच्छरों को बढ़ावा देने वाली हो सकती है। ये एडीज एजिप्टी मच्छरों के प्रजनन के लिए अनुकूल हो जाता है, इससे डेंगू का खतरा हो सकता है। डेंगू के कारण तेज बुखार, सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द, शरीर और जोड़ों में तेज दर्द तथा त्वचा पर लाल चकत्ते दिखाई दे सकते हैं।

टाइफाइड संक्रमण का जोखिम बाढ़ के दौरान पीने का पानी दूषित हो जाता है। दूषित पानी या उससे बने भोजन से टाइफाइड का खतरा हो सकता है। यह साल्मोनेला टाइफी बैक्टीरिया से होने वाला संक्रमण है। इसमें तेज बुखार, कमजोरी, पेट दर्द, कब्ज और दस्त जैसी दिक्कतें होती हैं।

इन बीमारियों को लेकर भी रहें सावधान

बारिश और बाढ़ के दौरान दूषित पानी पीने से हेपेटाइटिस ए और ई का संक्रमण फैल सकता है। यह वायरस सीधे लिवर को प्रभावित करता है। बाढ़ के बाद पानी में विब्रियो कॉलेरी जैसे बैक्टीरिया मिल सकते हैं, जो हैजा का कारण बनते हैं। इसके अलावा कई अन्य बैक्टीरिया और वायरस भी दस्त की समस्या पैदा कर सकते हैं। यदि बारिश या बाढ़ के बाद तेज बुखार, लगातार दस्त-उल्टी, त्वचा पर चकत्ते, पीलिया, सांस लेने में परेशानी या कमजोरी हो तो इसे सामान्य वायरल बुखार मानकर नजरअंदाज न करें। समय पर जांच और इलाज गंभीर जटिलताओं से बचा सकता है।

सिर्फ सिगरेट छोड़ना ही फेफड़ों को हेल्दी रखने के लिए काफी नहीं, ये चीजें भी कर सकती हैं लंग्स डैमेज

अगर आपसे पूछा जाए कि फेफड़ों को हेल्दी रखने के लिए सबसे जरूरी क्या है, तो ज्यादातर लोगों का जवाब होगा- सिगरेट छोड़ना। कई अध्ययन इस बात को साबित करते हैं कि धूम्रपान फेफड़ों के कैंसर, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) और कई गंभीर श्वसन रोगों का सबसे बड़ा जोखिम कारक माना जाता है। पर बड़ा सवाल ये है कि क्या केवल धूम्रपान छोड़ देने से ही फेफड़ों को हेल्दी रखा जा सकता है?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, फेफड़ों की बीमारियों के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। इसमें कई प्रकार के पर्यावरणीय कारकों और लाइफस्टाइल की गड़बड़ी को प्रमुख कारण माना जाता रहा है।

बढ़ता वायु प्रदूषण, ई-सिगरेट, घर के अंदर का धुआं, लंबे समय तक धूल और रसायनों के संपर्क में रहना भी आपके फेफड़ों को नुकसान पहुंचाने वाला हो सकता है। इतना ही नहीं अगर आप धूम्रपान नहीं करते हैं लेकिन दूसरों के धूम्रपान के धुएं के संपर्क में भी रहते हैं तो इसका भी फेफड़ों की सेहत पर नकारात्मक असर हो सकता है।

खुद नहीं पीते सिगरेट फिर भी खतरा

यदि आप धूम्रपान नहीं करते लेकिन ऐसे लोगों के संपर्क में रहते हैं जो सिगरेट पीते हैं तो इससे भी फेफड़ों की बीमारियों का खतरा हो सकता है।

यदि आपके आसपास कोई सिगरेट या बीड़ी पीता है, तो उसका धुआं आपके फेफड़ों तक भी पहुंचता है। इसे पैसिव स्मोकिंग कहा जाता है। इससे फेफड़ों में जलन, एलर्जी, अस्थमा और लंबे समय में फेफड़ों के कैंसर का जोखिम बढ़ सकता है। छोटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए यह और भी अधिक नुकसानदायक माना जाता है।

वायु प्रदूषण से होने वाला खतरा

अध्ययनों से पता चलता है कि केवल धूम्रपान ही नहीं, बढ़ता प्रदूषण भी फेफड़ों के लिए ठीक नहीं है। हवा में मौजूद पीए2.5, धूल, धुआं और जहरीली गैसें सांस के जरिए सीधे फेफड़ों तक पहुंचती हैं। लंबे समय तक इनके संपर्क में रहने से फेफड़ों में सूजन, सांस लेने में दिक्कत, अस्थमा और क्रॉनिक लंग डिजीज का खतरा बढ़ सकता है। बच्चों, बुजुर्गों और पहले से सांस की बीमारी से जूझ रहे लोगों पर इसका असर और अधिक होता है।

रसायनों के संपर्क में तो नहीं रहते हैं आप?

निर्माण कार्य, फैक्ट्री, खदान, सीमेंट, कपड़ा उद्योग या कृषि जैसे कई पेशों में काम करने वाले लोग रोजाना धूल और रसायनों के संपर्क में आते हैं। यदि उचित सुरक्षा उपकरण नहीं पहने जाएं, तो ये कण धीरे-धीरे फेफड़ों में जमा होकर गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। ऐसे कार्यस्थलों पर हमेशा प्रमाणित सुरक्षा मास्क और अन्य सुरक्षा उपाय अपनाने चाहिए।

इन खतरों को भी जानिए

नियमित व्यायाम केवल दिल ही नहीं, बल्कि फेफड़ों के लिए भी फायदेमंद है। लंबे समय तक बैठे रहने की आदत और निष्क्रिय जीवनशैली सांस फूलने और फेफड़ों की क्षमता कम होने का कारण बन सकती है। बार-बार सर्दी, खांसी, ब्रोंकाइटिस या निमोनिया जैसे संक्रमण फेफड़ों पर असर डाल सकते हैं। यदि खांसी तीन सप्ताह से अधिक बनी रहे, खून आए, सांस लेने में तकलीफ हो तो डॉक्टर से जांच करानी चाहिए।

सुबह, दोपहर या रात? आखिर कब खाना चाहिए मीठा, डॉक्टर ने बताया सबसे सही समय

त्योहार, शादी-ब्याह, जन्मदिन या कोई भी खुशी का मौका बिना मीठे के अधूरा लगता है, लेकिन डॉक्टरों की मानें तो, मीठा खाने का एक सही समय होता है, जिसको लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं. गलत समय पर खाया गया मीठा ब्लड शुगर बढ़ने का कारण बनता है और धीरे-धीरे वजन भी बढ़ने लगता है. कई लोग सुबह उठते ही मिठाई, चॉकलेट, बिस्कुट या मीठी चीजें खा लेते हैं. ऐसा करना शरीर के लिए नुकसादायक हो सकता है. खाली पेट मीठा खाने से उसमें मौजूद चीनी बहुत जल्दी खून में पहुंच जाती है. इससे ब्लड शुगर तेजी से बढ़ता है. कुछ समय बाद यह अचानक नीचे भी आ जाता है। इस वजह से जल्दी भूख लगती है, कमजोरी महसूस होती है और बार-बार कुछ मीठा खाने का मन भी करता है.

खाने के बाद मीठा खाना-

इसके मुकाबले, अगर मीठा खाना खाने के बाद खाया जाए तो शरीर उसे बेहतर तरीके से संभाल लेता है. जब हम पहले दाल, रोटी, सब्जी, चावल, सलाद या दूसरी पौष्टिक चीजें खाते हैं, तब शरीर को फाइबर, प्रोटीन और दूसरे जरूरी पोषक तत्व मिल जाते हैं. ये चीजें मीठे में मौजूद चीनी को धीरे-धीरे शरीर में पहुंचने देती हैं. इससे ब्लड शुगर एकदम से नहीं बढ़ती और शरीर पर ज्यादा दबाव भी नहीं पड़ता. इसलिए डॉक्टर भी यही सलाह देते हैं कि अगर मीठा खाना हो तो उसे भोजन के बाद थोड़ी मात्रा में खाना बेहतर होता है.

डॉक्टर बताते हैं कि दिन और रात के समय में भी काफी फर्क होता है. रात के खाने के बाद ज्यादा मीठा खाना शरीर के लिए सही नहीं माना जाता. रात में हमारा शरीर आराम करने की तैयारी करता है. ऐसे में मीठे से मिलने वाली ज्यादा चीनी और कैलोरी शरीर में जमा होने लगती है. इससे ब्लड शुगर बढ़ सकता है और धीरे-धीरे वजन भी बढ़ने लगता है. वैज्ञानिक शोध की मानें, तो रात में बार-बार मीठा खाने की आदत से आगे चलकर कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं.

दोपहर के खाने के बाद-

अगर दिन में, खासकर दोपहर के खाने के बाद, थोड़ी मात्रा में मीठा खाया जाए तो उसे बेहतर माना जाता है. इसकी वजह यह है कि दिन के समय लोग ज्यादा सक्रिय रहते हैं. कुछ लोग जल्दी के चक्कर में सिर्फ केक, पेस्ट्री, चॉकलेट या मीठे पेय पीकर ही काम चला लेते हैं. ऐसा करने से शरीर को जरूरी पोषण नहीं मिलता. शरीर को स्वस्थ रखने के लिए दाल, रोटी, सब्जी, फल और दूसरी पौष्टिक चीजें खाना जरूरी है. जिन लोगों को डायबिटीज, प्री-डायबिटीज, मोटापा या ब्लड शुगर की समस्या है, उन्हें मीठा खाने में और भी ज्यादा सावधानी रखनी चाहिए.

शरीर में कोलेस्ट्रॉल के लेवल को मेंटेन रखने के लिए अपनी डाइट में शामिल करें ये चीजें

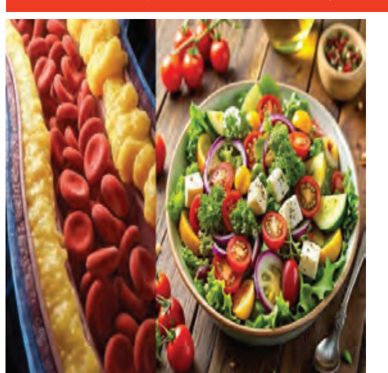

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी, अनियमित खानपान और फिजिकल एक्टिविटी की कमी के कारण शरीर में कई तरह-तरह की दिक्कतें नजर आती हैं उनमें से एक है हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या का तेजी से बढ़ना. शरीर में बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल न केवल दिल की सेहत के लिए खतरा बनता है बल्कि और भी कई सारी ऐसी दिक्कतें होती हैं, जो आपके शरीर को पूरी तरह से खराब कर देता है. हार्ट अटैक, स्ट्रोक और कई अन्य गंभीर बीमारियों का आपको शिकार बनाता है. आपकी ही गलत आदतें और खान-पान की वजह से ये दिक्कतें काफी ज्यादा बढ़ने लगती है इसलिए आपको अच्छे से ध्यान देने की जरूरत है. आइए अब आपको इस खबर में बताते हैं कि कोलेस्ट्रॉल के स्तर को संतुलित करने के लिए अपनी डाइट में किन-किन चीजों को शामिल कर सकते हैं. आइए जान लीजिए.

कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए डाइट में किन-किन चीजों को शामिल करें?

हरी पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जियां सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होती है. इनमें फाइबर, विटामिन्स और मिनरल्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं जो कोलेस्ट्रॉल लेवल को संतुलित रखने में काफी ज्यादा मददगार साबित होती है. हरी सब्जियां शरीर में जमा फैट भी कम करता है.

बादाम और अखरोट

बादाम और अखरोट दोनों को ही आपको अपनी डाइट में जरूरत शामिल करना चाहिए. इनमें हेल्दी फैट्स, ओमेगा-3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो खराब कोलेस्ट्रॉल को बाहर फेंकने में आपकी मदद करते हैं. ब्लड वेसल्स को बेहतर बढ़ाने के साथ -साथ दिल से जुड़ी समस्याओं के खतरे को भी कम करती है.

फलियां और दालें

आपको अपनी डाइट में हमेशा फलियां और दालों को जरूर शामिल करना चाहिए. कई तरह की बीमारियों से दूर रखने के साथ-साथ बीमारियों से भी दूर रखती है. दालें प्रोटीन और फाइबर का अच्छा स्रोत मानी जाती हैं इसको अपनी डाइट में शामिल करने से कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित में रखा जा सकता है. नियमित सेवन से दिल की सेहत को फायदा मिल सकता है और शरीर को जरूरी पोषक तत्व भी मिल सकता है.

एवोकाडो और जैतून का तेल

अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने और खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए आपको अपनी डाइट में एवोकाडो और जैतून का तेल शामिल करना है. ये सेहत के लिए काफी ज्यादा जरूरी होती है. जैतून के तेल का उपयोग करना और सलाद में एवोकाडो शामिल आपको रोजाना ही चाहिए.

आंखें स्वस्थ रहे - इसके लिए क्या करें?

प्रश्न : आंखें हमेशा स्वस्थ रहे - इसके लिए क्या करें?

- श्रीपति शर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : आंखों का शरीर में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। कहावत प्रसिद्ध है बिना दृष्टि सब सूनऱ ! आंखों से ही यह सारा जग जैसा है, वैसा दिखता है । आंखें हमेशा स्वस्थ रहे उसके लिए आप के भोजन में 'जीवनीय तत्व ए' का होना जरूरी है । दूध ,पनीर ,दही, और छाछ , हरी सब्जियां, रेशेदार फल में यह विटामिन अधिक होता है।

* आयुर्वेद का प्रसिद्ध योग 'त्रिफला घृत' आंखों के लिए परम हितकारी है । इसे गाय की गर्म दूध में पांच ग्राम की मात्रा में मिलाकर लेने से आंखों की रोशनी तेज होती है।

* भोजन के बाद ऊंझा सप्तामृत लोह टिकिया लेना दृष्टि की कमजोरी को दूर करता है।

* आंखों की सेहत के लिए अच्छी नींद भी जरूरी है । भरपूर नींद आंखें थकान को दूर करती है।

* आंखों को धुएं और प्रदूषण से दूर रखें। धुएं का आंख पर बहुत बुरा असर होता है। धुआं आंखों की एलर्जी का कारण बनता है। सिगरेट के धुएं से आंखें बदरंग हो जाती है और समय के पहले ही आंखों के आस- पास झुर्रियां आ जाती है।

* दिन में आंखों को 4-5 बार ठंडे पानी से साफ करें।

* तेज धूप में निकलते समय सनग्लासेस का प्रयोग करें ।

* ज्यादा कंप्यूटर का काम हो तब आईटोन आई ड्रॉप्स या सुनेत्रा आईड्रॉप्स डाले। शुद्ध गुलाब जल भी डाला जा सकता है।

* आंखों की नीचे सूजन आ जाएं तब चाय कॉफी का प्रयोग बंद करें।

* रुई के फाहे को शुद्ध गुलाब जल या खीरे के रस में डुबोकर आईपैड्स की तरह प्रयोग करने से आंखों को आराम मिलता है और उसकी थकान दूर होती है।

- ये कुछ सावधानियां और प्रयोग आंखों की सेहत को बनाए रखते हैं।

प्रश्न : मेरी उम्र 72 वर्ष है। शरीर वैसे स्वस्थ है, पर पिछले 1 माह से रक्तचाप बढ़ा हुआ है। भोजन में कौन सी चीजें खाने और कौन सी कम करनी चाहिए, बताएं। साथ ही इसका सरल उपचार भी बताएं।

- नरहरि वर्मा, हैदराबाद

उत्तर : आहार का रक्तचाप से गहरा रिश्ता है। वैसे आपकी आयु में सामान्यतः बी पी 140 बटा 90 यम यम रहना चाहिए। इस स्तर से बढ़ने पर भोजन में परिवर्तन और हल्की दवा दोनों का ही प्रयोग करना चाहिए। मौसमी ताजी सब्जियां और फलों का प्रयोग करें। नमक की मात्रा को कम से कम कर दें। अचार, चटनियां, पापड़ व नमकीन पर रोक लगाएं । तले पदार्थ बंद करें। दूध फुल क्रीम लेने के बजाय डबल टोंड लेवे । स्नैक्स के बजाय सलाद लेवे । नित्य हल्के-फुल्के व्यायाम और प्राणायाम का अभ्यास करें । दिनभर की सक्रियता में से कुछ समय निकालकर समुचित विश्राम किया करें। किसी भी प्रकार के तनाव से बचें । औषधि में सर्पगंधाघन टि कि या

और ट्रेन्सट्रीम टिकिया रात सोने से पहले गाय के दूध से लेकर आराम करें। भोजन के बाद ऊंझा अर्जुनारिष्ट एवं पुनर्नवासव 10-10 मिलीलीटर की मात्रा में दोगुने गुनगुने पानी में मिलाकर सेवन करें। शवासन का प्रयोग भी शरीर की थकान मिटा कर शरीर को ताजा वह सक्रिय बनाता है।

प्रश्न : मेरी उम्र 57 वर्ष है। मैं रोज रात में खजूर, बादाम, अंजीर और किशमिश भिगोकर सुबह सेवन करती हूं। कभी-कभी मूंगफली,मूंग, काबुली चना भी भिगोकर सवेरे खाती हूं। क्या यह वात रोग का कारण बनता है? वात रोग में क्या-क्या पथ्य है? कृपया बताएं।

-श्रीमती अनुराधा राव, महबूबनगर

उत्तर : रजोनिवृत्ति के बाद आपने बताई चीजों का सेवन नुकसानदायी नहीं है। यह सारे पदार्थ शरीर को पुष्ट करते हैं। उनसे वातवृद्धि नहीं होती। वात रोग में पथ्यापथ्य क्या हो सकते हैं - बता रहा हूं।

शरीर की मालिश, मर्दन, वस्तिकर्म, स्नेहन , स्वेदन, संवहन याने शरीर को दबाना, तेज हवा से बचना, आराम करना, नस्यकर्म, धूप का थोड़ी देर सेवन करना, घी,तैल, खट्टा - मीठा, नमकीन रस का सेवन, गेहूं, उड़द, तिल, पुराने चावल, परवल, सहजन की फली, लहसुन, नींबू, फालसा, आम, बेर, मुनक्का, गोखरू, दूध, मिश्री, ताजा गर्म और स्निग्ध भोजन, ये सब पथ्य याने हितकारी है।

चिंता, रात में जगना, मलमूत्रादि के वेगो को रोकना, वमन, बहुत अधिक परिश्रम, अनशन, चना, मटर, जौ, राजमा, लोबिया, सुपारी, करेला, ताड-फल, कुंदुरु, पत्तों का साग, शीतल जल, विरुद्ध अन्न,शहद, कसेलै-कड़वे- तीखे रस, मैथुन, घूमना फिरना, बहुत आराम, बेहद ठंडे पानी से स्नान, व्यायाम, रूखे पदार्थों का सेवन, कंदमूल का सेवन, विषमासन आदि सुखदायक नहीं होते। याने अपथ्यकर है। अतः इनका क्या करना चाहिए।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

बिजनेस एम्पायर के पतन की उल्टी गिनती तब शुरू हो जाती है, हर्ष गोयनका ने बताए संकेत

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। जाने-माने उद्योगपति हर्ष गोयनका ने एक वीडियो शेयर किया है। इसे शेयर करते हुए उन्होंने बताया है कि बड़े-बड़े बिजनेस एम्पायर का पतन कब शुरू हो जाता है। उन्होंने लिखा- जब अगली पीढ़ी कड़ी मेहनत के बजाय लग्जरी कारों, महंगी घड़ियों, इंस्टाग्राम पोस्ट और गोल्फ के खेल को ज्यादा अहमियत देने लगे और उनमें 'हक जताने' वाली सोच आ जाए तो समझ लीजिए कि बिजनेस एम्पायर के पतन की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। आरपीजी के मुखिया ने जो वीडियो शेयर किया है, वह करीब एक मिनट का है। इसमें कार में बैठा एक शख्स पारिवारिक पतन के बारे में बात करते हुए दिखता है।

गरीबी नहीं, गिरावट का संकेत

वह कहते हैं- पारिवारिक गिरावट का संकेत गरीबी नहीं है। यह अधिकार की भावना है। एक परिवार के पास अब भी पैसा, एक अच्छा घर और एक अच्छी छवि हो सकती है, जबकि गिरावट की शुरुआत पहले ही हो चुकी होती है।

फिर वह आगे बोलते हैं, आप इसे तब देखते हैं जब बच्चे धन्यवाद कहना बंद कर देते हैं। जब खर्च करना स्वाभाविक मान लिया जाता है। जब त्याग को भुला दिया जाता है। जब कोई जिम्मेदारी नहीं चाहता। लेकिन, हर कोई फायदे चाहता है। जब परिवार का नाम सिर्फ आनंद लेने की चीज बन जाता है, रक्षा करने की नहीं।

चुपचाप होती है गिरावट की शुरुआत

गिरावट की शुरुआत इसी तरह होती है। चु प चा प । दिवालिएपन से नहीं। नजरिए से।

वह शख्स आगे कहता है, अधिकार की भावना खतरनाक है। कारण है कि यह लोगों को उस चीज का उपभोग करने पर मजबूर करती है जो उन्होंने खुद नहीं बनाई। यह बच्चों को विश्वास दिलाती है कि आराम मिलना स्वाभाविक है। यह परिवार के सदस्यों को भुला देती है कि संपत्ति तभी बची रहती है जब कोई उसकी रक्षा करता है। यही कारण है कि मजबूत परिवार कृतज्ञता, संयम और कर्तव्य की सीख देते हैं। वे अगली पीढ़ी को याद दिलाते हैं कि विशेषाधिकार कमजोर होने की अनुमति नहीं है। यह और अधिक मजबूत बनने की एक जिम्मेदारी है।

मेकिंग इन रशिया फॉर इंडिया : अमेरिका संग डील से पहले भारत का रूस पर बड़ा दांव, 4772 अरब निवेश का रोडमैप तैयार

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील अभी पूरी नहीं हुई है। अमेरिका के मुताबिक इसके जल्दी ही पूरी होने की उम्मीद है। इस बीच भारत और रूस के बीच एक बड़ी इकनॉमिक डील हुई है। इसके अंतर्गत दोनों देशों ने 4 साल यानी 2030 तक आपसी निवेश को 50 अरब डॉलर (करीब 4772 अरब रुपये) तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। यह निवेश मुख्य रूप से एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, क्रिटिकल मिनरल्स और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में किया जाएगा। मॉस्को में आयोजित प्रायोरिटी इन्वेस्टमेंट प्रोजेक्ट्स पर भारत-रूस संयुक्त कार्य समूह की बैठक में इस पर सहमति बनी। इस बैठक की सह-अध्यक्षता भारत के डीपीआईआईटी सचिव अमरदीप सिंह भाटिया और रूस के आर्थिक विकास उप मंत्री व्लादिमीर इलिचेव ने की। इस दौरान भारत ने 'मेकिंग इन रशिया फॉर इंडिया' मॉडल पर जोर दिया।

इन सेक्टर पर रहेगा फोकस

दोनों देशों ने निजी कंपनियों को एक-दूसरे के बाजारों में संभावनाएं तलाशने और नए प्रोजेक्ट्स शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करने का फैसला किया है। दोनों देशों का फोकस इन सेक्टर पर होगाः

एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग
ग्रीन हाइड्रोजन और एनर्जी स्टोरेज
धातुकर्म और खनन
क्रिटिकल मिनरल्स (जैसे लिथियम, कोबाल्ट आदि)
नई और उभरती हुई तकनीके

भारत ने पेश किया 'मजबूत मंच'

बैठक के दौरान भारतीय पक्ष ने देश में हो रहे बड़े आर्थिक सुधारों और निवेश के अवसरों को रूसी निवेशकों के सामने रखा। भारत ने बताया कि देश में कुशल और किफायती मैनपावर उपलब्ध हैं। यह रूसी उद्योगों के लिए भारत में निवेश करने और भारतीय उद्योगों के साथ मिलकर आगे बढ़ने का एक बेहद मजबूत मंच है।

'मेकिंग इन रशिया फॉर इंडिया' मॉडल पर जोर

रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार ने दोनों देशों के औद्योगिक संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए मेकिंग इन रशिया फॉर इंडिया (भारत के लिए रूस में निर्माण) मॉडल की वकालत की है। उन्होंने उर्वरक, क्रिटिकल मिनरल्स और माइनिंग जैसे सेक्टर्स में इस मॉडल को अपनाने पर जोर दिया।हाल ही में सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम में 'भारत-रूस बिजनेस डायलॉग' के दौरान राजदूत विनय कुमार ने कहा था कि इस समय दोनों देशों के बीच व्यापार और बिजनेस करने का एक विशेष और सुनहरा अवसर मौजूद है।

देश में 'बाहर खाने' के बजाय 'घर मंगाने' का क्रेज

8 .5 लाख करोड़ के फूड मार्केट में क्लाउड किचन बने मुनाफे की मशीन

मुंबई, 6 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में 'बाहर खाने' से ज्यादा अब 'घर पर मंगाकर खाने' का क्रेज बढ़ रहा है। रेडसीर स्ट्रैटजी कंसल्टेंट्स की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, देश का फूड सर्विसेज बाजार अभी 8.5 लाख करोड़ रुपए का है, जो 2030 तक बढ़कर करीब 14.3 लाख करोड़ रुपए हो जाएगा। इस पूरी ग्रोथ की सबसे दिलचस्प बात यह है कि अब मुनाफा कमाने के लिए आलीशान रेस्टोरेंट खोलने की जरूरत नहीं रह गई है। ऑनलाइन फूड डिलीवरी की रफ्तार ऑफलाइन के मुकाबले करीब ढाई गुना तेज है। क्लाउड किचन मॉडल (बिना बैठने की व्यवस्था वाला सिर्फ ऑनलाइन डिलीवरी आधारित किचन) इस समय फूड इंडस्ट्री के लिए सबसे बड़ा 'गेम चेंजर' और मुनाफे की मशीन साबित हो रहा है।

फूड डिलीवरीः छोटे शहरों में 3 गुना बढ़े ऑर्डर्स; क्लाउड किचन की 90% कमाई ऑनलाइन से

कुल मार्केट में ऑनलाइन डिलीवरी की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2021 के 4% से बढ़कर 2026 में 11% हो गई। 2031 तक 18% होने का अनुमान है। नए क्लाउड किचन ब्रांड्स 90% रेवेन्यू ऑनलाइन चैनलों से कमाते हैं, वहीं रेस्टोरेंट 50% पर ही हैं। यह ट्रेंड छोटे शहरों तक पहुंच चुका है। 2021-26 के बीच मेट्रो शहरों में ऑर्डर्स 30 करोड़ से बढ़कर 106 करोड़ हुए, तो वहीं टियर-2, छोटे शहरों में 6 करोड़ से 3 गुना बढ़कर 18 करोड़ पहुंच गए हैं।

चैलेंज कहां है?

बड़े चाय-कॉफी ब्रांड्स का ग्रॉस मार्जिन तो 62-67% है, लेकिन बड़े स्टोर साइज और ऊंचे किराए के कारण उनका मुनाफा (एबिटा) 5-9% पर सिमट जाता है। यहीं पर क्लाउड किचन मॉडल बाजी मार सकता है, अगर यही प्रीमियम चाय-कॉफी क्लाउड किचन मॉडल से बेची जाए, तो रेंट कॉस्ट घटते ही मुनाफा दोगुना हो सकता है।

देश में 2030 तक 60 नए एयरपोर्ट का बड़ा प्लान

लेकिन इस रिपोर्ट में सामने बड़ी चुनौती भी आई

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। भारत का विमानन क्षेत्र तेजी से विस्तार की ओर बढ़ रहा है। आने वाले वर्षों में देश में बड़े पैमाने पर नए हवाई अड्डों का निर्माण होने की उम्मीद है।

हालांकि, इस विस्तार के लिए जरूरी निवेश जुटाना और नए एयरपोर्ट्स को आर्थिक रूप से टिकाऊ बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती माना जा रहा है। भारतीय क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ब्रिकवर्क रेटिंग्स की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2030 तक 50 से 60 करोड़ यात्रियों की क्षमता विकसित करने और 55-60 नए हवाई अड्डों के निर्माण के लिए करीब 3 लाख करोड़ रुपये के निवेश की जरूरत होगी। 30 नए हवाई अड्डों के जरिये 12 करोड़ अतिरिक्त यात्रियों की क्षमता विकसित करने के लिए करीब 1.2 लाख करोड़ रुपये का निवेश करना होगा। रिपोर्ट के अनुसार, बढ़ती हवाई यात्रा की मांग को पूरा करने के लिए आने वाले वर्षों में विमानन क्षेत्र में बड़े निवेश की आवश्यकता होगी।एविएशन सेक्टर में भारी निवेश के बावजूद ब्रिकवर्क रेटिंग्स ने अपनी रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2026-27 तक विमानन क्षेत्र की क्रेडिट रेटिंग आउटलुक को स्थिर बताया है। हवाई यात्रियों की लगातार बढ़ती संख्या, नए ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट परियोजनाओं की तेज रफ्तार और प्रमुख एयरपोर्ट ऑपरेटरों पर घटते कर्ज के कारण क्षेत्र की वित्तीय स्थिति मजबूत बनी रहेगी। रिपोर्ट में आगाह किया गया है कि, भारी निवेश और लंबी निर्माण अवधि के कारण वित्त वर्ष 2021 से 2027 के बीच एयरपोर्ट ऑपरेटरों का शुद्ध मुनाफा कम हो सकती है। पश्चिम एशिया की संकट के चलते एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, भूमि अधिग्रहण में देरी, विभिन्न एजेंसियों से मंजूरी मिलने में लगने वाला समय और मेट्रो शहरों के हवाई अड्डों पर क्षमता की कमी आने वाले वर्षों में विमानन क्षेत्र की प्रमुख चुनौतियां बनी रहेंगी।

22 महीने में आधी रकम स्वाहा

मुकेश अंबानी के इस शेयर ने किया बड़ा नुकसान, 13 रुपये से नीचे आई कीमत

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। शेयर मार्केट में पिछले कुछ समय से तेजी बनी हुई है। वहीं मुकेश अंबानी के निवेश वाली एक कंपनी का शेयर बुरी तरह लुढ़का हुआ है। इसका नाम आलोक इंडस्ट्रीज लिमिटेड है। पिछले 22 महीने में यह शेयर 50 फीसदी से ज्यादा लुढ़क गया है। यानी इसने इतने समय में निवेशकों की आधी से ज्यादा रकम स्वाहा कर दी है। यह शेयर अब 13 रुपये से भी नीचे आ गया है। आलोक इंडस्ट्रीज के शेयर में पिछले कुछ समय से तेजी बनी हुई थी, लेकिन इस महीने की शुरुआत ने इसमें गिरावट आई। यह शेयर शुक्रवार को 13.18 रुपये पर बंद हुआ था। आज सोमवार को यह गिरावट के साथ 13.11 रुपये पर खुला। खुलने के बाद यह और लुढ़क गया। दोपहर 2 बजे यह 1.52% की गिरावट के साथ 12.98 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

एक साल में कितना गिरा शेयर?

6 महीने में यह शेयर करीब 19 फीसदी लुढ़क गया है। वहीं एक साल में इसमें 30 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। एक साल पहले इस शेयर की कीमत करीब 20 रुपये थी। अब यह शेयर 13 रुपये से नीचे आ गया है। यानी एक साल में यह शेयर करीब 35 फीसदी गिर गया है।

22 महीने में आधी रकम स्वाहा

आलोक इंडस्ट्रीज का शेयर 22 महीने में 50 फीसदी से ज्यादा लुढ़क गया है। यानी इतने समय में इसने निवेशकों की आधी से ज्यादा रकम स्वाहा कर दी है। सितंबर 2024 की शुरुआत में इस शेयर की कीमत 27 रुपये के करीब थी। अब यह शेयर करीब 12.98 रुपये पर है। ऐसे में इस शेयर में इन 22 महीनों में 53 फीसदी की गिरावट आई है। यानी उस समय अगर किसी निवेशक के पास इस स्टॉक में एक लाख रुपये निवेश थे तो अब उनकी वैल्यू 47 हजार रुपये रह गई है।

यह कंपनी टेक्सटाइल कारोबार से जुड़ी है। साल 2020 में रिलायंस इंडस्ट्रीज और जेएम फाइनेंशियल एसेट रिकंस्ट्रक्शन ने दिवालिया प्रोसेस में इसे खरीदा था। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास आलोक इंडस्ट्रीज में 40.01% हिस्सेदारी है। जेएम फाइनेंशियल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी के पास 34.99% हिस्सेदारी है, जिससे प्रमोटर की कुल हिस्सेदारी 75% हो जाती है। शेष 25% हिस्सेदारी सार्वजनिक शेयरधारकों के पास है। बीएसई की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक कंपनी का मार्केट कैप 6,425.02 करोड़ रुपये है।

पहली बार भारत के अरेको चेरी और सेंट्रोज बेर का हुआ एक्सपोर्ट, किसानों को 120% अधिक मिली कीमत

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। भारत का फूड प्रोसेसिंग सेक्टर तेजी से आगे बढ़ रहा है। ये ना सिर्फ घर में यूनिट लगाकर फूड प्रोसेस करने वालों के लिए खुशी की बात है, बल्कि बागवानी किसानों के लिए भी फायदेमंद है। अब कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण ने पहली बार जम्मू-कश्मीर से प्रीमियम अरेको चेरी और सेंट्रोज बेर की खेप संयुक्त अरब अमीरात भेजने में मदद की है।

1 मीट्रिक टन फल की खेप का निर्यात

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी की गई रिलीज के अनुसार, अरेको चेरी और सेंट्रोज बेर जैसे फलों को जम्मू-कश्मीर के शोपियां और पुलवामा जिलों के किसानों से खरीदा गया था। उसके बाद अबू धाबी और दुबई के बाजारों भेजा गया। इसकी कुल मात्रा एक मीट्रिक टन बताई गई। इस प्रयास के बाद किसानों की अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक पहुंच बढ़ाने और उनकी आय में तेजी से बढ़ोतरी होने की संभावना जताई गई है।

किसानों को अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने का प्रयास

इस उपलब्धि पर किसानों और निर्यातकों को बधाई देते हुए एपीईडीए के अध्यक्ष अभिषेक देव ने कहा, जम्मू और कश्मीर उत्कृष्ट बागवानी उत्पादों के लिए एक महत्वपूर्ण

केंद्र के रूप में उभरा है, जिसमें निर्यात की बहुत अधिक संभावनाएं हैं। एपीईडीए एक्सपोर्ट प्रमोट करने वाली पहलों, गुणवत्ता सुधार और वैश्विक खरीदारों तक पहुंच के माध्यम से किसानों के लिए बाजार तक पहुंच आसान बनाने की कोशिश कर रहा है। यूएई को अरेको चेरी और सेंट्रोज़ बेर का एक्सपोर्ट भारत के अच्छी क्वालिटी के फलों की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय मांग को दर्शाता है। और उत्पादकों के लिए नए अवसर पैदा करेगा, साथ ही बेहतर कीमत मिलने से उनकी आय में भी इजाफा होगा।

120 फीसदी अधिक मिली कीमत

निर्यात पहल से किसानों को जरूरी लाभ मिलने की उम्मीद है, क्योंकि इससे उन्हें प्रीमियम इंटरनेशनल मार्केट्स तक पहुंच मिलेगी औरअच्छे दाम मिलेंगे। जानकारी के मुताबिक, एक्सपोर्ट करने वाले उत्पादकों को चेरी पर घरेलू बाजार की मौजूदा कीमतों की तुलना में लगभग 60 प्रतिशत और बेर पर 120 फीसदी अधिक कीमत मिली।

रिपोर्ट में बड़ा खुलासाः भारत की इकोनॉमी मजबूत महंगे हुए दूसरे बाजार तभी तो दुनिया की नजर हम पर

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। भारत का शेयर बाजार एक बार फिर ग्लोबल निवेशकों की नजर में आ सकता है. डीएसपी नेत्र की नई रिपोर्ट में कहा गया है कि देश की इकोनॉमी मजबूत बनी हुई है और अगर निवेशक सिर्फ टेक शेयरों तक सीमित नहीं रहते, तो भारत में बड़ा निवेश आ सकता है. रिपोर्ट के मुताबिक, उभरते बाजारों में भारत सबसे मजबूत विकल्पों में से एक बनकर सामने आया है. इसकी वजह यह है कि भारत का वैल्यूएशन अभी भी अपने लंबे समय के औसत के करीब है, जबकि कई दूसरे बड़े बाजार काफी महंगे हो चुके हैं.

भारत का वैल्यूएशन अब भी संतुलित

डीएसपी नेत्र की रिपोर्ट के अनुसार, एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स फिर से 2021 के स्तर पर पहुंच गया है. लेकिन इस तेजी का फायदा सिर्फ कुछ बाजारों और चुनिंदा शेयरों को ही मिला है. रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन चार बाजारों का एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स में 5% से ज्यादा वेटेज है, उनमें भारत का वैल्यूएशन अपने लंबे समय के औसत से 2.39% नीचे है. वहीं ताइवान करीब 85% और दक्षिण कोरिया करीब 71% प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं. यह एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स के 24.71% कुल प्रीमियम से भी काफी ज्यादा है.

टेक सेक्टर ने अकेले संभाला पूरा बाजार

रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल ताइवान और दक्षिण कोरिया का शानदार प्रदर्शन उनकी पूरी इकोनॉमी में बड़े सुधार की वजह से नहीं हुआ. इसकी सबसे बड़ी वजह एआई से जुड़े सेमीकंडक्टर सेक्टर में आई तेज तेजी रही. एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स में टेक्नोलॉजी सेक्टर का वेटेज दिसंबर 2025 में 28.3% था, जो मई 2026 तक बढ़कर 44.2% हो गया. वहीं कम्युनिकेशन सर्विसेज, कंज्यूमर साइक्लिकल और हेल्थकेयर जैसे ज्यादातर दूसरे सेक्टरों की हिस्सेदारी घट गई. रिपोर्ट में बताया गया है कि इंडेक्स के 25.3% सालाना रिटर्न में अकेले टेक्नोलॉजी सेक्टर का योगदान 25.6 प्रतिशत अंक रहा.

सिर्फ तीन कंपनियों पर टिका बड़ा हिस्सा

रिपोर्ट के मुताबिक, इंडेक्स में हुई कुल बढ़त का करीब 72% फायदा सिर्फ तीन सेमीकंडक्टर कंपनियों से आया. इनमें टीएसएमसी, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और एसके हाइनिक्स शामिल हैं.

चांदी 2,046 गिरकर 2.32 लाख किलो पर आई

सोना भी 832 सस्ता हुआ, 1.46 लाख का 10 ग्राम बिक रहा; कैरेट के हिसाब से देखें कीमत

नई दिल्ली, 6 जुलाई (एजेंसियां)। सोना-चांदी के दाम में आज 6 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 832 रुपए गिरकर 1.46 लाख रुपए पर आ गया है। वहीं, एक किलो चांदी 2,046 रुपए गिरकर 2.32 लाख रुपए पर आ गई है।

सोना इस साल 12 हजार महंगा हुआ

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 12 हजार रुपए और चांदी 1 हजार रुपए से ज्यादा महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.46 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.32 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

शेयर बाजार हरे निशान पर बंद

सेंसेक्स 521 अंक उछला, निफ्टी 24400 के पार पहुंचा

मुंबई, 6 जुलाई (एजेंसियां)। सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में शानदार रौनक रही। सकारात्मक घरेलू और वैश्विक संकेतों के दम पर सेंसेक्स और निफ्टी लगातार चौथे कारोबारी सत्र में बढ़त के साथ बंद हुए। देश के कई हिस्सों में हुई भारी बारिश से अच्छे मानसून की उम्मीदें फिर जिंदा हो गई हैं, जिससे निवेशकों का सेंटीमेंट काफी मजबूत हुआ। इसके साथ ही, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की खरीदारी ने बाजार की तेजी को सहारा दिया। इस चौतरफा खरीदारी के चलते सेंसेक्स जहां 521 अंक चढ़ा, वहीं निफ्टी ने 24,400 के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर लिया। डॉलर के मुकाबले रुपया 20 पैसे गिरकर 95.38 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

सोमवार को दोनों मुख्य सूचकांकों ने जोरदार प्रदर्शन किया। सेंसेक्स 521 अंक की छलांग लगाकर बंद हुआ, वहीं निफ्टी 50 ने 24,400 के पार बंद होने में सफलता हासिल की। हालांकि, इस तेजी के बावजूद व्यापक बाजार का रुझान नकारात्मक रहा।

एनएसई पर कुल 1,769 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि 1,578 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, और 115 शेयर सपाट बंद हुए। इससे साफ है कि बाजार में तेजी चुनिंदा सेक्टरों और बड़े शेयरों तक ही अधिक सीमित थी।

किन खास सेक्टर्स और शेयरों में तेजी रही और कहां मुनाफावसूली दिखी?

सोमवार को बाजार की तेजी की अगुवाई मेटल और एनर्जी सेक्टरों ने की। व्यक्तिगत शेयरों में हिंडाल्को और ओएनजीसी के शेयर 3-3% से ज्यादा की बढ़त के साथ सबसे आगे रहे। सेक्टोरल स्तर पर निफ्टी ऑटो, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सूचकांकों में एक प्रतिशत से लेकर दो प्रतिशत तक की दमदार तेजी देखी गई। इसके विपरीत, बैंकिंग क्षेत्र में मुनाफावसूली देखने को मिली, जिससे निफ्टी पीएसयू बैंक सूचकांक करीब 1% की गिरावट के साथ बंद हुआ।

सोमवार को बाजार की तेजी की अगुवाई मेटल और एनर्जी सेक्टरों ने की। व्यक्तिगत शेयरों में हिंडाल्को और ओएनजीसी के शेयर 3-3% से ज्यादा की बढ़त के साथ सबसे आगे रहे। सेक्टोरल स्तर पर निफ्टी ऑटो, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सूचकांकों में एक प्रतिशत से लेकर दो प्रतिशत तक की दमदार तेजी देखी गई। इसके विपरीत, बैंकिंग क्षेत्र में मुनाफावसूली देखने को मिली, जिससे निफ्टी पीएसयू बैंक सूचकांक करीब 1% की गिरावट के साथ बंद हुआ।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873** — सूर्योदय 05-50, सूर्यास्त. 18 -50
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - आषाढ़ मंगलवार **07 July 2026**
तिथि - कृष्ण पक्ष सप्तमी **13-25** तक उपरान्त अष्टमी
नक्षत्र - उ.भाद्रपद **16-24** तक उप रेवती
योग. - शोभन **14-30** तक उप अतिगण्ड
करण - बव **13-25** तक उप बालव

विशेषः मिथुने बुध **10-46** से, सर्वार्थसिद्ध योग **05-55** से

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन	मे	मिथुन	04-20 बजे
चंद्र	मीन	मे	कर्क	06-32 बजे
मंगल	वृष	मे	सिंह	08-45 बजे
बुध	कर्क	मे	कन्या	10-52 बजे
गुरु	कर्क	मे	तुला	12-56 बजे
शुक्र	सिंह	मे	वृश्चिक	15-06 बजे
शनि	मीन	मे	धनु	17-20 बजे
राहु	कुंभ	मे	मकर	19-26 बजे
केतु	सिंह	मे	कुंभ	21-16 बजे
			मीन	22-57 बजे
			मेष	00-31 बजे
			वृष	02-16 बजे

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 15-37 से 17-16 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05-50 - 07-27	अशुभ	काल	18-50 - 20-16	अशुभ
उत्पात	07-27 - 09-05	अशुभ	लाभ	20-16 - 21-37	शुभ
चंचल	09-05 - 10-43	शुभ	उत्पात	21-37 - 22-59	अशुभ
लाभ	10-43 - 12-21	शुभ	शुभ	22-59 - 00-21	शुभ
अमृत	12-21 - 13-59	शुभ	अमृत	00-21 - 01-43	शुभ
काल	13-59 - 15-37	अशुभ	चंचल	01-43 - 03-05	शुभ
शुभ	15-37 - 17-16	शुभ	रोग	03-05 - 04-27	अशुभ
रोग	17-16 - 18-50	अशुभ	काल	04-27 - 05-50	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आपके दिमाग में आज कोई अद्भुत विचार आएगा और आपको इसे हाथोहाथ केवल इसीलिए रद्द नही क्र देना चाहिए क्योंकि आपको इसका हो पाना मुश्किल लग रहा है । आज बड़ा सोचने और ऊँचाइयों को छूने का दिन है । ऐसा करने के लिए आपको बाधाओं की सूची बनाकर अच्छी योजना बनानी अहि और आप पायेंगे कि परेशानियों से खुद-ब-खुद समाधान नजर आने लगेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आप अपने गुस्से के कारण तुरंत प्रतिक्रिया देने के मूड में हैं । लेकिन आपके लिए सुझाव यह है कि अपने दिमाग को शांत रखकर गंभीरता से सोचें । आपके पास अच्छी संचार-कुशलता है और इसे अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करें । तनाव घटाने के लिए,किसी साहसिक यात्रा पर जा सकते हैं लेकिन शारीरिक आनंद के चक्कर में न पड़ें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आज का दिन आपके लिए विशेष हो सकता है । आपके दृष्टिकोण में आज कोई नया आयाम जुड़ेगा या आप किसी अपरिचित व्यक्ति के दृष्टिकोण से अत्यधिक प्रभावित होंगे । आपको यह सीख मिलेगी कि अपना भविष्य तय करने में तथा अपनी जिंदगी में फिलहाल चल रही समस्या से जूझने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका आप०को ही निभानी है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आज का दिन अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बिलकुल सही है । आज आप सामान्य से अधिक आक्रामक और दृढ व्यवहार करेंगे । इससे आसपास के लोगों को आश्चर्य होगा । उन्हें शायद आपके बारे में अपनी राय बदलने पर भी मजबूर होना पड़े । लेकिन उनके आश्चर्य की भावना से आपको आज जरुरी मौका मिल जाएगा ,इस अवसर का फायदा उठाने से न चूकें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — दिन की शुरुआत अच्छी खबर से होगी । आप काफी समय से जिस योजना पर काम कर रहे थे ,वह आज फलीभूत होगी । सहकर्मियों के साथ कहीं बाहर जा सकते हैं । आपको अच्छा लगेगा । आज वित्त सम्बन्धी कोई फैसला लेंगे जो भविष्य में लाभकारी साबित होगा । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आज आपके लिए गंभीरता से मेहनत करने का दिन है ।आप काफी लम्बे समय से लटक रहा एक काम संतोषजनक ढंग से पूरा करने में सफल रहेंगे । इससे आपके अफसर प्रभावित होंगे । आज आप पर किसी प्रसिद्ध व्यक्ति की भी नजर पड़ेगी और इस बात का आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — भौतिक सुविधाओं की ओर ध्यान देने के लिए यह काफी अच्छा समय है । अपने सामाजिक जीवन का आनंद उठायें और ऐसे दोस्तों और परिचितों से भी बात करें जिनके सम्पर्क में आप लम्बे समय से नही रहे हैं । आज अपने जाग्रति स्तर में भी बदलाव महसूस करेंगे,जो आपको अचानक ही अनुभव होगा। इस समय अपने मन की बात सुनना ही उचित होगा ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आपके मन में कुछ ऐसा चल रहा है जिससे आप परेशानी महसूस कर रहे हैं,आप पिछली कुछ बातों के बारे में सोचकर परेशान हैं । अपने किसी करीबी दोस्त या सम्बन्धी के साथ अपनी भावनाएं बांटिये,आपको काफी अच्छा महसूस होगा । ये सारी घटनाएँ आपको मजबूत बनाने के लिए हैं ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — किसी भी काम को तुरंत तैयार होकर शुरू करने से पहले गंभीरता से तर्क की कसौटी पर परख लेना ही ठीक होगा । आपके लिए कल्पनात्मक सा समय है । इसीलिए रोमांस का आनंद लें । रोमांस में कल्पना लाने से आपके लिए अच्छा होगा लेकिन अगर आप ऑफिस में भी यही करने की कोशिश करेंगे तो परिणाम अच्छे नही होंगे ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आप एक पारिवारिक व्यक्ति हैं । पारिवारिक मूल्य ही आपकी सफलता का श्रोत हैं । ,आज भी शुभ की शुरुआत आपके घर से ही होगी और आपको नयी कामयाबी दिलाएगी । आप विशेष लय में हैं ।आज का दिन सार्थक होगा । मुश्किल समय में भी अपनी मुस्कान और होसला बनाये रखें । आपकी सकारात्मक दृष्टि आपको औरों से अलग मुकाम पर ले जायेगी ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आपकी निजी और कामकाजी जिन्दगी में कुछ बदलाव आने वाले हैं जिनसे आप असुरक्षित और चिंतित महसूस करेंगे । लेकिन इसे अपने ऊपर हावी ना होने दें और संतुलन बनाये रखें । कोई आपसे बदला लेने की कोशिश में है,इससे स्थिति और भी खराब हो सकती है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आज आप खरीदारी सम्बन्धी किसी ऑफर या लाटरी तिच्क्त खरीदने का जोखिम उठा सकते हैं । ।आपका भाग्य आपके साथ है ,इसलिए जीतने का अच्छा मौका आपके पास रहेगा । स्थिति आपसे अपने दृष्टिकोण पर दृढ बने रहने की अपेक्षा कर सकती है । आपकी चुप्पी को गलत समझा जाएगा और उसपर सवाल खड़े किये जायेंगे । यही बेहतर होगा कि आप किसी को अपने खिलाफ राय बनाने का मौका ना दें ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

भजनलाल सरकार का एक्शन : मंत्री किरोड़ी के कृषि महकमें के 3 अफसर सस्पेंड, सियासी पारा गरमाया

जयपुर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान की भजनलाल शर्मा सरकार ने प्रदेश में सुशासन सुनिश्चित करने और भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत एक बड़ी दंडात्मक कार्रवाई को अंजाम दिया है। राज्य के कृषि विभाग द्वारा जनता के साथ अशिष्ट व्यवहार करने, राजकीय कार्यों में गंभीर लापरवाही बरतने, भ्रष्ट आचरण और धोखाधड़ी के मामलों में संलिप्तता पाए जाने पर 3 कृषि अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। इस कड़ी कार्रवाई से पूरे प्रशासनिक हलकों और विशेषकर मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के कृषि महकमें में सख्त संदेश गया है कि आम जनता और किसानों के साथ किसी भी प्रकार की बदसलूकी या वित्तीय अनियमितता को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सीएम भजन लाल शर्मा और कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीना

कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने इस बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इन तीनों अधिकारियों के खिलाफ विभिन्न गंभीर मामलों में जांच की कार्यवाही लंबे समय से विचाराधीन थी। प्राथमिक रिपोर्ट में आरोप सही पाए जाने पर राजस्थान सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम-1958 के नियम-13(1) के तहत यह निलंबन आदेश जारी किया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जांच पूरी होने तक इन सभी के खिलाफ सख्त अनुशासनिक कार्रवाई जारी रहेगी।

निलंबन की अवधि के दौरान इन तीनों अधिकारियों को उनके मूल कार्यक्षेत्र से हटाकर राजस्थान के बिल्कुल अलग कोनों में स्थित जिला परिषदों में भेज दिया गया है, ताकि वे जांच प्रक्रिया को प्रभावित न कर सकें। नियमों के मुताबिक, इस निलंबन काल में इन अधिकारियों को केवल जीवन निर्वाह भत्ता ही देय होगा। इसके साथ ही सभी को अपने नए आवंटित मुख्यालयों पर तुरंत उपस्थिति दर्ज करानी होगी और वे सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना अपना मुख्यालय किसी भी स्थिति में नहीं छोड़ सकेंगे।

कृषि महकमें में हुई इस ताज़ा और बड़ी कार्रवाई पर कांग्रेस पार्टी ने बयान जारी किया। अपने बयानों में कांग्रेस ने लिखा, "आखिरकार.. कृषि विभाग ने खाद-बीज रिश्वतकांड में संदीप और रजनीश समेत 3 लोगों को भ्रष्टाचार के आरोप में निलंबित कर दिया। ये वही संदीप और रजनीश हैं जिनके बचाव में कृषि मंत्री किरोड़ी लाल ने कहा था.. यदि भ्रष्टाचार का एक भी आरोप सिद्ध हो जाए तो पद छोड़ दूंगा, आगे लिखा, "ये वही संदीप और रजनीश हैं.. जो सीकर में कृषि मंत्री के ओएसडी बनकर अवैध उगाही कर रहे थे, और मंत्री ने बकायदा अपना डिकॉय टीम का सदस्य बताकर, वीडियो ज़ारी करके बचाव किया था। तब मंत्री जी ने व्यापारियों के भ्रष्टाचार के आरोपों को झूठा बताया और इनकी ईमानदारी के कसीदे पढ़े। अब क्या कहेंगे मंत्री जी?" बयान में लिखा, "कृषि मंत्री की परछाई बनकर छापेमारी करने वाला जुगल किशोर पहले ही करोड़ों रुपये के साथ गिरफ्तार हो चुका है।

तेज बारिश से उफान पर आई नदियां

आईएमडी ने दी अतिभारी बारिश की चेतावनी

बारां, 6 जुलाई (एजेंसियां)। बारां के देवरी कस्बे में दोपहर बाद अचानक मौसम ने करवट ली और करीब 40 मिनट तक जोरदार बारिश हुई। जिससे सुबह से पड़ रही तेज गर्मी और उमस से लोगों ने राहत ली। वहीं डांग क्षेत्र में अधिक बारिश होने की वजह से चमरउ और पलको नदी में उफान आ गया जिससे पुलिया के ऊपर करीब तीन फीट पानी की वजह से मार्ग अवरुद्ध रहा। इस बारिश की वजह से किसानों की फसलों की बुवाई भी हो सकती है। अभी तक देवरी बीलखेड़ा माल क्षेत्रों में अभी तक किसी भी किसान ने अपने खेतों में फसलों की बुवाई नहीं की लेकिन इस बारिश से किसानों को आस बंधी है।

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और ओडिशा तट पर बना कम दबाव का क्षेत्र अब डिप्रेशन में बदल चुका है। इसके प्रभाव से

राजस्थान के पूर्वी हिस्सों में आगामी 5-6 दिन मानसून सक्रिय रहेगा। कोटा, उदयपुर, जयपुर, भरतपुर, अजमेर और बीकानेर जिलों में और आसपास के जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है। 6 से 9 जुलाई के बीच दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में भारी से अतिभारी बारिश की चेतावनी भी जारी की गई है।

कोटा शहर में मानसून सक्रिय हो गया है। पूरे दिन आसमान में बादल छाए रहे और सुबह-शाम कई क्षेत्रों में छितराई बारिश का दौर जारी रहा। हालांकि बारिश के बाद भी उमस और गर्मी से लोगों को राहत नहीं मिल सकी। मौसम में बदलाव के चलते तापमान में हल्की गिरावट जरूर दर्ज की गई, लेकिन बढ़ी हुई नमी के कारण उमस ने लोगों को परेशान किए रखा। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में मेघगर्जन के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है।

कोटा जिले के जगपुरा क्षेत्र में सुबह करीब 9 बजे मौसम ने करवट ली और लगभग 30 मिनट तक रिमझिम बारिश हुई, जिससे लोगों को उमस से कुछ राहत मिली। अरण्डखेड़ा क्षेत्र में करीब 20 मिनट की तेज बारिश से किसानों को बड़ी राहत मिली। गलाना और भगवानपुरा क्षेत्र में सूख रही सोयाबीन की फसलों को बारिश से जीवनदान मिला। कैथून क्षेत्र के भांडाहेड़ा में करीब पौने घंटे तक तेज बारिश दर्ज की गई, जिससे सड़कों पर पानी बह निकला।

झालावाड़ जिले के कई हिस्सों में बारिश का दौर रहा। पचपहाड़, झालरापाटन, झालावाड़ और मनोहरथाना क्षेत्रों में हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई। हालांकि उमस से राहत पूरी तरह नहीं मिल सकी। जिले में अब तक सामान्य से कम बारिश दर्ज होने से कृषि कार्य प्रभावित हो रहे हैं। बारां जिले में भी कई स्थानों पर तेज बारिश हुई।

जेसीबी से खोदे गड्ढे, कागजों में दिखाया मजदूरों का पसीना!

पौधारोपण घोटाले पर हाई कोर्ट ने मांगा जवाब

जयपुर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर वन प्रभाग के राजगढ़ रेंज में पर्यावरण संरक्षण के नाम पर हुए एक बड़े कथित वित्तीय घपले को लेकर राजस्थान हाई कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए इस मामले में राज्य सरकार को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर विस्तृत जवाब तलब किया है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि अंतरराष्ट्रीय और विशेष सरकारी फंड से मिले करोड़ों रुपयों का दुरुपयोग किया गया और धरातल पर नियमों की जमकर अनदेखी हुई।

इस संवेदनशील मामले में भ्रष्टाचार और पर्यावरण को हुए नुकसान की सच्चाई सामने लाने के लिए अदालत की निगरानी में समयबद्ध सीबीआई जांच कराने की गुहार लगाई गई है। हाई कोर्ट की खंडपीठ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सरकार को नोटिस जारी करने के आदेश दिए।

जयपुर की सामाजिक संस्था 'वरदा फाउंडेशन' द्वारा संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत दायर इस याचिका में बताया गया है कि वर्ष 2023-24 के दौरान करीब 650 हेक्टेयर वन भूमि पर पौधारोपण और मिट्टी संरक्षण के कार्य किए जा रहे थे। यह पूरा प्रोजेक्ट 'कैम्पा' फंड, राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता विकास परियोजना और फ्रांसीसी विकास एजेंसी से मिले अंतरराष्ट्रीय ऋण के पैसों से संचालित था।

याचिका के अनुसार, इस पूरे कार्य में भारी वित्तीय हेरफेर की गई। सबसे बड़ा आरोप यह है कि धरातल पर गड्ढे खोदने और अन्य कार्यों के लिए भारी अर्थ-मूविंग मशीनों का अंधाधुंध इस्तेमाल किया गया, लेकिन सरकारी दस्तावेजों और मापन पुस्तिकाओं में इसे स्थानीय मजदूरों द्वारा किया गया 'मैन्युअल कार्य' दर्शाया गया। यानी मशीनों से काम करवाकर कागजों में मजदूरों का पसीना बहाना दिखाया गया। इसके अलावा, सात ग्राम वन सुरक्षा एवं प्रबंध समितियों के पदाधिकारियों के कथित फर्जी हस्ताक्षर कर बैंक खातों से अवैध तरीके से राशि निकालने का भी आरोप है।

दिलचस्प तथ्य यह है कि याचिकाकर्ता ने इन आरोपों को साबित करने के लिए किसी बाहरी एजेंसी के बजाय खुद वन विभाग की ही आंतरिक मूल्यांकन रिपोर्ट को कोर्ट के समक्ष पेश किया है। दरअसल, जयपुर के तत्कालीन मुख्य वन संरक्षक राजीव चतुर्वेदी ने सबसे पहले इन कार्यों में अनियमितताओं की आशंका जताई थी, जिसके बाद विभाग ने आंतरिक जांच करवाई थी।

साधू, चायवाला, जिम-ट्रेनर से लेकर मैकेनिक तक बने पुलिसकर्मी

भेष बदलकर दबोचे इनामी बदमाश

भीलवाड़ा, 6 जुलाई (एजेंसियां)। शातिर और इनामी अपराधियों तक पहुंचने के लिए राजस्थान पुलिस अब पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़कर नई रणनीतियां अपना रही है। कहीं पुलिसकर्मी साधु बने, कहीं चायवाला, जिम ट्रेनर, कुरियर बॉय या जनगणना प्रगणक। पहचान छिपाकर की गई निगरानी और लंबी रेकी के बाद पुलिस ने पिछले 2 सालों में कई बड़े अपराधियों को गिरफ्तार किया। अकेले भीलवाड़ा पुलिस ने इस दौरान 26 इनामी और लंबे समय से फरार बदमाशों को दबोचा। अपराधियों को भनक न लगे, इसके लिए पुलिसकर्मियों ने संदिग्ध ठिकानों के बाहर चाय की थड़ी पर काम किया, मैकेनिक बनकर निगरानी की, जिम ट्रेनर बनकर रेकी की और जरूरत पड़ने पर साधु का वेश भी धारण किया। सब्जी विक्रेता और मजदूर का भेषः बांसवाड़ा जिले के शराब तस्कर मयंक उर्फ कल्लू माठा के लिए पुलिस को सब्जी विक्रेता और मजदूर बनना पड़ा। अहमदाबाद में आठ दिन तक निगरानी करने के बाद उसे गिरफ्तार किया। 22 साल बाद गिरफ्तारीः उदयपुर पुलिस ने 22 साल से फरार 10 हजार रुपए के इनामी देवीसिंह कंजर को मध्यप्रदेश के देवास जिले से साधु बनकर गिरफ्तार किया। आरोपी पर वर्ष 2004 में हुई लूट व डकैती की वारदात का आरोप है। साधु बनकर गिरफ्तारीः अवैध हथियार के आरोपी अभिषेक पालीवाल के मंदिर में छिपे होने की सूचना पर भीलवाड़ा पुलिस साधु और चेले के वेश में पहुंची और उसे दबोच लिया। चायवाले की भूमिकाः हत्या और अन्य मामलों के हिस्ट्रीशीटर भैरूलाल गुर्जर उर्फ भैरू झोपड़ा की अहमदाबाद में निगरानी के लिए पुलिस ने चाय की थड़ी पर काम किया। मौका मिलते ही उसे गिरफ्तार कर लिया। जिम ट्रेनर बनकर रेकीः प्रतियोगी परीक्षा में डमी अभ्यर्थी बैठाने के आरोपी भरतपुर निवासी जीत पहलवान को दिल्ली में जिम ट्रेनर व सदस्य बनकर दबोचा।

एनर्जी ड्रिंक के गोदाम पर खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, 32 हजार से ज्यादा बोतलें सीज

जयपुर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में चल रहे 'शुद्ध आहार, मिलावट पर वार' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग ने जयपुर के निर्माण नगर स्थित स्टिंग एनर्जी के गोदाम पर बड़ी कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान विभिन्न अनियमितताएं मिलने पर विभाग ने 32,292 बोतलें सीज कर दीं और उत्पादों के नमूने जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेज दिए।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त डॉ. टी. शुभमंगला ने बताया कि अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह के नेतृत्व में जयपुर मुख्यालय की केंद्रीय टीम ने पद्मावती कॉलोनी, निर्माण नगर स्थित मैसर्स अंजली इंटरप्राइजेज के गोदाम का निरीक्षण किया। यहां स्टिंग एनर्जी नामक कैफिनेटेड पेय का नमूना लिया गया। गोदाम की जांच में कई अन्य कमियां भी सामने आईं, जिनमें खाद्य अनुज्ञा (लाइसेंस) की प्रति मौके पर उपलब्ध नहीं होना पाया गया। गोदाम का फर्श कई स्थानों से टूटा हुआ मिला।

खाद्य उत्पादों का निर्धारित मानकों के अनुसार पैलेट्स पर भंडारण नहीं किया जा रहा था। वहीं खाद्य परिवहन में इस्तेमाल किए जा रहे वाहनों के पास वैध लाइसेंस भी नहीं था। डॉ. शुभमंगला ने बताया कि इन कमियों को लेकर संबंधित फर्म को अलग से इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी किया जाएगा। इसी अभियान के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम की खाद्य सुरक्षा टीम ने पटेल नगर स्थित ब्लिंक कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड के गोदाम का भी निरीक्षण किया। यहां 'गेटोरेड ऑरेंज' और 'रीलोड' ब्रांड के नॉन-कार्बोनेटेड वॉटर-बेस्ड पेय पदार्थों के नमूने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत जांच के लिए लिए गए।

सभी नमूनों को राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट आने के बाद यदि खाद्य सुरक्षा मानकों या लेबलिंग संबंधी नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित प्रावधानों के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

लूट नाकाम- पर बिज़नसमेन का मर्डर

5 लाख बचाने के लिए भिड़ गया था बदमाशों से, 'फायरिंग' के बाद मौत

भरतपुर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। भरतपुर में कानून व्यवस्था को चुनौती देते हुए शनिवार को अज्ञात मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने सरेराह लूटपाट और फायरिंग की दो बड़ी वारदातों को अंजाम दिया। सेवर थाना क्षेत्र के गोलपुरा मोड़ पर हुई इस गंभीर घटना में अपनी परिचित महिला से जमीन खरीदने के लिए मथुरा से 5 लाख रुपये नकद लेकर लौट रहे भरतपुर के स्थानीय बर्तन व्यापारी राजू शर्मा को बदमाशों ने लूट के इरादे से गोली मार दी थी। गंभीर रूप से घायल व्यापारी को प्राथमिक उपचार के बाद तुरंत जयपुर रैफर किया गया था, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। मूल रूप से धानोता निवासी और वर्तमान में भरतपुर शहर के सुभाष नगर इलाके में रहने वाले 52 वर्षीय राजू शर्मा पुत्र तेजराम शर्मा का बर्तनों का बड़ा व्यापार है। वह अपने एक परिचित से जमीन की डील फाइनल करने के लिए उत्तर प्रदेश के मथुरा से 5 लाख रुपये नकद उधार लेकर बाइक से भरतपुर लौट रहे थे। इसी दौरान रात करीब 10:15 बजे सेवर थाना इलाके के गोलपुरा मोड़ पर पीछे से आए बाइक सवार हथियारबंद बदमाशों ने उन्हें घेर लिया और बैग छीनने का प्रयास किया। स्थानीय पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बदमाशों ने जब राजू शर्मा को रोककर उनके पास मौजूद 5 लाख रुपये से भरा बैग छीनने की कोशिश की, तो व्यापारी ने पूरी बहादुरी दिखाते हुए बदमाशों का विरोध किया और बैग को मजबूती से पकड़े रखा।

भतीजे ने पत्नी के साथ मिलकर की थी डेढ़ करोड़ रुपए की ज्वेलरी चोरी, मास्टर-की से दिया था वारदात को अंजाम

अजमेर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। अजमेर के आदर्शनगर में डेढ़ करोड़ रुपए के जेवरात और पांच लाख रुपए नकदी की चोरी के मामले का आदर्शनगर थाना पुलिस और डीएसटी की टीम ने मात्र 4 दिन में खुलासा कर दिया। पुलिस ने परिवादी के ही भतीजे और उसकी पत्नी को चोरी के मामले में गिरफ्तार किया। पुलिस ने पति-पत्नी की निशानदेही पर चोरी के आभूषण, 15 किलो चांदी और पांच लाख रुपए की नकदी बरामद कर ली।

नकदी सहित चुराए गए कुल माल की कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपए आंकी गई है। आरोपी भतीजा अपने चाचा के साथ मकान के दूसरे हिस्से में रहता है। उसने चाचा के कमरे की एक चाबी पहले से ही अपने पास रखी थी। उसी से ताले खोलकर इत्मीनान से चोरी की वारदात अंजाम दी। पुलिस ने माल बरामदगी के बाद आरोपी दंपती को अदालत में पेश किया, जहां से दोनों को जेल भेज दिया।

पुलिस की गिरफ्त में मनीष खण्डेलवाल और दिप्ती खण्डेलवाल

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) हिमांशु जांगिड़ ने बताया कि आदर्शनगर माधवद्वार निवासी गोपाल खंडेलवाल ने एक जुलाई को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 30 जून को वह काम से बाहर गए थे और उनकी पत्नी, दोनों बेटे और पुत्रवधू खाटूश्याम गए थे। रात को सभी लौट आए लेकिन अगले दिन सुबह अलमारी देखने पर 15 KG चांदी, सोने-हीरे के जेवरात और पांच लाख रुपए नकद गायब मिले। खास बात ये थी कि कमरे और मकान के ताले पहले की तरह ही बंद थे।

वारदात के बाद सीओ (साउथ) मनीष बड़गुर्जर व आदर्शनगर थानाधिकारी दिलीप मुक्कड़ के नेतृत्व में टीम बनाई गई। एफएसएल-एमओबी की टीम से घटनास्थल का जायजा लिया। आसपास के सीसीटीवी फुटेज, बीटीएस डाटा व संदिग्ध की कॉल डिटेल रिकॉर्ड का विश्लेषण किया। जांच के दौरान परिवादी के साथ मकान में रहने वाले भतीजे मनीष खंडेलवाल उर्फ मोनी (47) और उसकी पत्नी दीप्ति खंडेलवाल उर्फ डोली (43) पर संदेह गहराया। पूछताछ में दोनों ने चोरी करना कबूल लिया। जांगिड़ ने बताया कि पुलिस टीम ने आरोपियों के कमरे से परिवादी के कमरे की चाबी, चांदी की 15 सिल्ली, 5 लाख रुपए नकद, सोने-चांदी के चोरी हुए जेवरात बरामद किए। पुलिस के अनुसार चोरी गए सम्पूर्ण माल की बरामदगी कर ली गई है और मामले में आगे का अनुसंधान जारी है।

जांच में सामने आया कि परिवादी गोपाल खंडेलवाल और आरोपी मनीष खंडेवाल सगे चाचा-भतीजे हैं। दोनों एक ही मकान में रहते हैं। आरोपी पहली मंजिल पर जबकि परिवादी भूतल पर रहता था। मकान का तीसरा हिस्सा बंद है। आरोपियों ने वारदात से एक दिन पहले परिवादी के कमरे की दो में से एक चाबी छिपाकर अपने पास रख ली।

पैक थैली को गर्म चाय फेरकर खोलते पार्सल की सील

एपल की घड़ियां निकाल नकली डाल देते, 4 आरोपी गिरफ्तार

दौसा, 6 जुलाई (एजेंसियां)। ऑनलाइन शॉपिंग की दुनिया में भरोसे को झटका देने वाले एक संगठित साइबर गिरोह का दौसा पुलिस ने खुलासा कर 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरोह ने अमेजन पर फर्जी नाम से अकाउंट बनाकर महंगी एप्पल वॉच व अन्य महंगे उत्पाद मंगवाते। इसके बाद गर्मा गर्म चाय को थैली में डालकर पार्सल को सील करने वाली जगह पर फेरते, इससे पार्सल का मुंह आसानी से खुल जाता। इसके बाद असली घड़ी निकालकर उसकी जगह हूबहू दिखने वाली डुप्लीकेट घड़ी रख देते। वापस पार्सल को अच्छी तरह से पैक कर दे देते। इसके बाद गलत पता बताकर ऑर्डर रिजेक्ट करा देते। जिससे ग्राहक के खाते में पूरा रिफंड भी पहुंच जाता और असली घड़ी बाजार में बेचकर लाखों रुपए अलग से कमा लिए जाते थे। दौसा एसपी पीयूष दीक्षित ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से एप्पल कंपनी की डिजिटल घड़ी भी बरामद की है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरोह ने इस तरीके से कुल 19 महंगे ऑर्डरों में 19 लाख 86 हजार 976 रुपए की धोखाधड़ी की।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शंकरलाल मीणा के सुपरविजन में पुलिस उपाधीक्षक साइबर क्राइम बृजेश कुमार मीणा के नेतृत्व में विशेष टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों तक पहुंच बनाई। इस संबंध में 11 अगस्त 2025 को कनेक्ट इंडिया कूरियर कंपनी, दौसा के मैनेजर सतवीर सिंह ने साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस के मुताबिक आरोपी फर्जी नाम, पते से अमेजन पर अकाउंट बनाकर महंगे प्रोडेक्ट ऑर्डर करते थे। इसके बाद डिलीवरी स्टेशन मैनेजर की मिलीभगत से पार्सल अपने कब्जे में लेकर विशेष तरीके से पैकिंग खोलकर ओरिजनल एप्पल वॉच निकालकर नकली वॉच रख देते थे और फिर पार्सल वापस जमा करवा देते थे। इसके बाद गलत एड्रेस बताकर ऑर्डर को रद्द कर देते थे।

महिला का वेश धर जंगल में छिपे लुटेरे गिरफ्तार

डूंगरपुर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। नया तालाब रोड पर 19 जून की रात हुई लूट की वारदात का खुलासा करते हुए रामसागड़ा थाना पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक बाल अपचारी को निरुद्ध किया गया है। गिरफ्तार मुख्य आरोपी थाने का हिस्ट्रीशीटर है, जो पुलिस से बचने के लिए अपने साथी के साथ महिला का वेश धारण कर जंगलों में छिपा हुआ था।

पुलिस के अनुसार, पीयूष नामक युवक अपनी साली के साथ जगाबोर से नया तालाब गांव मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान गामड़ी अहाड़ा गांव के पास तीन बदमाशों ने उनका पीछा कर रास्ते में रोक लिया। आरोपियों ने दोनों के साथ मारपीट की और मोबाइल फोन तथा नकदी लूटकर फरार हो गए।

घटना के बाद पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर तंत्र और लगातार की गई तलाश के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनका पीछा शुरू किया। जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी कावा उर्फ कावालाल और उसका साथी टिंकू गिरफ्तारी से बचने के लिए महिलाओं के कपड़े पहनकर रातापानी और कुड़ियागुण के घने जंगलों में ठिकाने बदल-बदलकर रह रहे थे। मुखबिर से मिली सटीक सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक बाल अपचारी को भी निरुद्ध किया गया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूट में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और धारदार चाकू बरामद किए हैं। मुख्य आरोपी कावा रामसागड़ा थाने का हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ मारपीट, पॉक्सो एक्ट समेत पांच गंभीर मामले पहले से दर्ज हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है और अन्य संभावित वारदातों में उनकी संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

बेटे ने कागजों में मां को जिंदा दिखाया, फिर मैनेजर-गर्लफ्रेंड के साथ मिलकर हड़पी पेंशन

जयपुर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में पेंशन धोखाधड़ी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। आरोप है कि एक व्यक्ति ने अपनी मृत मां को सरकारी रिकॉर्ड में जीवित दिखाकर एसबीआई के तत्कालीन बैंक मैनेजर और अपनी महिला मित्र की कथित मिलीभगत से करीब 6.30 लाख रुपये की पेंशन हड़प ली। मामले का खुलासा होने के बाद जवाहर नगर थाना पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा (जेसी) में भेज दिया गया। पुलिस उपायुक्त (पूर्व) रंजिता शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में एसबीआई के तत्कालीन शाखा प्रबंधक सिराज अहमद कुरैशी (56), मृतका का बेटा लालचंद (45) और उसकी महिला मित्र खुशबू दीक्षित उर्फ नेहा (42) शामिल हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि लालचंद की मां शांति देवी का निधन 2 मई 2021 को हो गया था। इसके बावजूद उन्हें जीवित दर्शाकर नगर निगम जयपुर से मिलने वाली पेंशन लगातार बैंक खाते में जमा होती रही। आरोप है कि लालचंद ने बैंक अधिकारी की कथित मिलीभगत से फर्जी जीवित प्रमाण-पत्र तैयार कराया। इसी दस्तावेज के आधार पर पेंशन जारी रही और एटीएम कार्ड सहित अन्य बैंकिंग माध्यमों से करीब 6.30 लाख रुपये निकाल लिए गए।

500 करोड़ की साइबर ठगी का खुलासा

साइबर क्राइम टीम ने मुख्य सरगना को किया गिरफ्तार

जयपुर, 6 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने शेयर बाजार में निवेश और ट्रेडिंग के नाम पर देशव्यापी ठगी करने वाले एक बहुत बड़े अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस टीम ने इस 500 करोड़ रुपए के साइबर घोटाले के मुख्य मास्टरमाइंड को महाराष्ट्र के पुणे शहर से गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। जांच में गिरोह के कई और सदस्यों के नाम सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

एडीजी (साइबर क्राइम) विजय कुमार सिंह ने बताया कि परिवादी सेंधाराम चौधरी ने 16 लाख रुपए की साइबर धोखाधड़ी की एक शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ित ने बताया था कि उसे 105 इंडियन स्टॉक्स एडवांस नाम के एक ऑनलाइन व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया था, जहां निवेश और ट्रेडिंग के माध्यम से अत्यधिक मुनाफा कमाने का लालच और झूठा आश्वासन देकर उसके साथ ठगी की गई। जब पुलिस की तकनीकी टीम ने उक्त व्हाट्सएप ग्रुप की चैट और डेटा का गहन विश्लेषण किया, तो खुलासा हुआ कि इस अकेले ग्रुप के जरिए देश के विभिन्न हिस्सों के लोगों से करीब 500 करोड़ रुपए की साइबर ठगी को अंजाम दिया जा चुका है। जांच के आधार पर पुलिस ने युवराज सतीश मुदलियार (35) निवासी लोहगांव पुणे सिटी (महाराष्ट्र) को पुणे से गिरफ्तार कर लिया, जिसे जयपुर लाकर पूछताछ की जा रही है।

तेलंगाना बनेगा वैश्विक लाइफ साइंसेज इनोवेशन हब: श्रीधर बाबू

<800 करोड़ की कैंसर दवा निर्माण इकाई का उद्घाटन, ग्रीन फार्मा पर जोर

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी एवं उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू ने कहा है कि तेलंगाना सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में तेजी से हो रहे तकनीकी बदलावों का लाभ उठाते हुए राज्य को विश्वस्तरीय लाइफ साइंसेज इनोवेशन हब के रूप में विकसित कर रही है। सोमवार को सिद्धिपेट जिले के मार्कुक मंडल स्थित करकापल्ली के बायोटेक पार्क फेज-3 में सायरो फार्मा प्राइवेट लिमिटेड की ओर से स्थापित देश की पहली एकीकृत ऑन्कोलॉजी (कैंसर) निर्माण इकाई का उद्घाटन करते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार अनुसंधान, तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), उन्नत विनिर्माण और कौशल विकास को जोड़कर एक व्यापक स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र तैयार कर रही है। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना को देश में औद्योगिक विकास का आदर्श राज्य बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि ज़हीराबाद नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन को एक मॉडल मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन के रूप में विकसित करने के लिए विशेष कार्य योजना तैयार की गई है। उन्होंने राज्य में ग्रीन फार्मा को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि भविष्य की पीढ़ियों को ध्यान में रखते हुए पर्यावरण अनुकूल औषधि निर्माण को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में वैश्विक प्रभाव डालने वाली नई दवा खोज तेलंगाना में होगी और इसके लिए सरकार हरसंभव सहयोग देगी। श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना राइजिंग—2047 विजन और नेक्स्ट जेनरेशन लाइफ साइंसेज पॉलिसी के तहत अनुसंधान से लेकर विनिर्माण तक की पूरी वैल्यू चेन को एकीकृत किया जा रहा है। सरकार बायोलॉजिक्स, बायोसिमिलर्स, सेल एंड जीन थेरेपी, एआई और डिजिटल हेल्थ जैसे उन्नत क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने विपक्ष पर सरकार की प्रमुख परियोजनाओं को लेकर भ्रामक प्रचार करने का आरोप भी लगाया। नई स्थापित ऑन्कोलॉजी इकाई में आधुनिक कंटेनमेंट तकनीक के साथ ओरल कैंसर दवाएं, स्टेराइल इंजेक्शन, लाइयोफिलाइज्ड पाउडर इंजेक्शन और सॉफ्ट जेल कैप्सूल का उत्पादन किया जाएगा। इस परियोजना से शुरुआत में 500 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे, जो भविष्य में दोगुने होने की संभावना है। कार्यक्रम में राजस्व, आवास एवं सूचना मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी सहित कई गणमान्य व्यक्ति और कंपनी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

डीजीपी ने छठी बटालियन और एसडीआरएफ का किया निरीक्षण

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद ने सोमवार को राज्य की छठी बटालियन का निरीक्षण किया और स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एसडीआरएफ) की कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान डीजीपी ने एसडीआरएफ की आपदा प्रबंधन क्षमता को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी आपदा की स्थिति में त्वरित, समन्वित और प्रभावी कार्रवाई अत्यंत आवश्यक है, जिससे जान-माल की हानि को कम किया जा सके। डीजीपी ने बटालियन में उपलब्ध संसाधनों, प्रशिक्षण व्यवस्था और आपदा प्रतिक्रिया तंत्र की भी समीक्षा की तथा आधुनिक तकनीक के उपयोग को बढ़ाने पर जोर दिया।

इस अवसर पर कमांडेंट पी.सी.वी. रमण, सहायक कमांडेंट एच. अब्दुल रशीद, के. शंकर, बी. मरियाधासु, ए.वी. रमणैया सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

ड्रग्स माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी : डीजीपी

मणुगुरु में नवनिर्मित पुलिस स्टेशन का उद्घाटन

2029 तक तेलंगाना को ड्रग्स मुक्त राज्य बनाने का लक्ष्य

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सी.वी. आनंद ने सोमवार को मणुगुरु में नवनिर्मित पुलिस स्टेशन भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने स्पष्ट कहा कि राज्य में अपराधियों, समाज विरोधी तत्वों और विशेषकर ड्रग्स माफिया के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई बिना किसी समझौते के जारी रहेगी तथा कानून तोड़ने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। डीजीपी ने बताया कि यह पुलिस स्टेशन भवन वर्ष 2016 में स्वीकृत किया गया था, जो लगभग दस वर्ष बाद अब बनकर तैयार हुआ है। इसके निर्माण में सिंगरेनी कोलरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल), जिला प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। उन्होंने कहा कि यह भवन जनता के सहयोग से बना है और इसे जनता को ही समर्पित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ड्रग्स की आपूर्ति, परिवहन, भंडारण और बिक्री में शामिल लोगों को गंभीर और खतरनाक अपराधी माना जाएगा। डीजीपी ने कहा कि ड्रग्स के खिलाफ अभियान केवल पुलिस विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह होमगार्ड से लेकर डीजीपी तक पूरे पुलिस तंत्र की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आगे बताया कि राज्य सरकार का लक्ष्य वर्ष 2029 के अंत तक तेलंगाना को पूरी तरह ड्रग्स मुक्त राज्य बनाना है। इसके लिए उन्होंने अभिभावकों, शिक्षण संस्थानों, जनप्रतिनिधियों और समाज के सभी वर्गों से सहयोग की अपील की। डीजीपी सी.वी. आनंद ने कहा कि पुलिस विभाग तकनीक आधारित, तेज और पारदर्शी पुलिसिंग को बढ़ावा दे रहा है, जिससे नागरिकों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को और मजबूत किया जा सके। कार्यक्रम में विधायक पायम वेंकटेश्वरलु, सांसद बलराम नायक, मल्टी जोन-1 के आईजी चंद्रशेखर रेड्डी, जिला कलेक्टर अंकित, एसपी रोहित राज सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

युवक की चाकू मारकर हत्या
विवाद के बाद घर से बुलाकर किया हमला

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बालापुर क्षेत्र स्थित मरियम कॉलोनी में सोमवार तड़के एक 29 वर्षीय युवक की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान फहद बिन अब्दुल रहमान बलखाशर के रूप में हुई है, जो वाहन धुलाई (कार वॉश) सेवा केंद्र का संचालन करते थे। उनके परिवार में पत्नी और एक बेटा है।

पुलिस के अनुसार, फहद की पहचान सलाम बौम और सईद बौम नामक दो युवकों से एक स्थानीय जिम के माध्यम से हुई थी। पिछले कुछ दिनों से तीनों के बीच किसी अज्ञात कारण को लेकर विवाद चल रहा था। बताया गया कि घटना से एक दिन पहले आरोपियों में से एक चाकू लेकर फहद के घर पहुंचा था। हालांकि, फहद के भाई के हस्तक्षेप के बाद उस समय मामला शांत हो गया था।

सोमवार तड़के करीब 2:30 बजे दोनों आरोपियों ने फहद को विवाद सुलझाने के बहाने घर से बाहर बुलाया। आरोप है कि बातचीत के दौरान दोनों ने फहद पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल फहद को तत्काल ओवैसी अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर बालापुर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार दोनों आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। प्रारंभिक जांच में पुरानी रंजिश को हत्या की वजह माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

फर्जी वेतन पर्ची से 10 लाख का ऋण लेने का आरोप, महिला पर मामला दर्ज

एसबीआई से निजी ऋण लेने में जालसाजी का खुलासा, पुलिस ने शुरू की जांच

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के मेडिपल्ली थाना क्षेत्र में फर्जी वेतन पर्ची और अन्य कथित जाली दस्तावेजों के आधार पर भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से 10 लाख रुपये का व्यक्तिगत ऋण लेने के आरोप में एक महिला के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, प्रतिभा नामक महिला ने अप्रैल 2023 में एसबीआई की पर्वतापुर शाखा में एक्सप्रेस क्रेडिट योजना के तहत 10 लाख रुपये के व्यक्तिगत ऋण के लिए आवेदन किया था। उसने स्वयं को सनतनगर स्थित ईएसआईसी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी बताया और आवेदन के साथ आधार कार्ड, पैन कार्ड तथा चार माह की वेतन पर्चियां जमा की थीं। दस्तावेजों के आधार पर बैंक ने 72 माह की पुनर्भुगतान अवधि के साथ 10 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत कर दिया। बाद में ऋण की किस्तों का भुगतान नहीं होने पर अप्रैल 2025 में खाते को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) घोषित किया गया, जिसके बाद बैंक ने आंतरिक जांच शुरू की। जांच के दौरान पता चला कि ऋण आवेदन के साथ जमा की गई वेतन पर्चियां कथित रूप से फर्जी थीं और पैन कार्ड के विवरण में भी विसंगतियां पाई गईं। इसके आधार पर बैंक ने संबंधित ऋण खाते को धोखाधड़ी वाला खाता घोषित कर दिया। बैंक प्रबंधन की शिकायत के अनुसार, इस मामले में बैंक को लगभग 8.97 लाख रुपये का वित्तीय नुकसान हुआ है, जिसमें 7.95 लाख रुपये मूलधन तथा करीब 1.02 लाख रुपये ब्याज शामिल है। बैंक की शिकायत पर मेडिपल्ली पुलिस ने धोखाधड़ी और जालसाजी की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

डॉ. मुखर्जी के सपनों को अनुच्छेद 370 हटाकर साकार किया : दत्तात्रेय

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राष्ट्रवाद और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बताया। सोमवार को रामनगर में आयोजित जयंती समारोह को संबोधित करते हुए दत्तात्रेय ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का एक राष्ट्र, एक संविधान का सपना वर्ष 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के साथ साकार हुआ। उन्होंने कहा कि भारतीय जनसंघ के रूप में डॉ. मुखर्जी द्वारा बोया गया छोटा सा बीज आज भारतीय जनता पार्टी के रूप में एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है। दत्तात्रेय ने कहा कि भारतीय जनसंघ से विकसित होकर भाजपा आज दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक राजनीतिक पार्टी बन गई है।

नांदेड़-मुंबई और टनकपुर-नांदेड़ एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी, रेल संपर्क को मिलेगा विस्तार

टनकपुर-पीलीभीत सेवा का शाहजहांपुर तक विस्तार, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुआ शुभारंभ

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नांदेड़-मुंबई एक्सप्रेस तथा टनकपुर-नांदेड़ एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसी अवसर पर टनकपुर-पीलीभीत रेल सेवा का विस्तार शाहजहांपुर तक किए जाने का भी शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वीडियो संदेश के माध्यम से जनता को शुभकामनाएं दीं। नांदेड़, टनकपुर और पीलीभीत रेलवे स्टेशनों पर अलग-अलग समारोह आयोजित किए गए, जिनमें जनप्रतिनिधियों और रेलवे अधिकारियों ने भाग लिया।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि टनकपुर-नांदेड़ एक्सप्रेस लंबे समय से यात्रियों की मांग थी, जिसे अब पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि इस ट्रेन के शुरू होने से उत्तराखंड और महाराष्ट्र के बीच रेल संपर्क मजबूत होगा और नांदेड़ स्थित पवित्र तख्त सचखंड गुरुद्वारा आने वाले श्रद्धालुओं को विशेष सुविधा मिलेगी। वहीं नांदेड़-मुंबई एक्सप्रेस मराठवाड़ा क्षेत्र के यात्रियों, विशेषकर वाशिम, हिंगोली और बसमत क्षेत्र के लोगों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। उन्होंने भारतीय रेलवे के विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे नेटवर्क में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है।

इस दौरान 37 हजार किलोमीटर से अधिक नई रेल लाइनें बिछाई गई हैं और 99.6 प्रतिशत रेलवे नेटवर्क का विद्युतीकरण पूरा हो चुका है। उन्होंने बताया कि बुलेट ट्रेन परियोजना और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का कार्य भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। साथ ही इस वर्ष ग्रीष्मकाल में 15 हजार से अधिक और त्योहारों के दौरान लगभग 12 हजार विशेष ट्रेनें चलाई गईं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि नांदेड़-मुंबई एक्सप्रेस मराठवाड़ा क्षेत्र को मुंबई से सीधी और सुगम रेल सुविधा प्रदान करेगी। उन्होंने इसे क्षेत्रीय विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि नई ट्रेन सेवाएं उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच आस्था, पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को नई गति देंगी तथा प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के बीच संपर्क को बेहतर बनाएंगी। नांदेड़ रेलवे स्टेशन पर आयोजित मुख्य समारोह में सांसद अशोकराव शंकरराव चव्हाण ने कहा कि दोनों नई ट्रेनें नांदेड़ और पूरे मराठवाड़ा क्षेत्र की देश के प्रमुख शहरों से कनेक्टिविटी को मजबूत करेंगी। महापौर कविता संतोष मुले ने कहा कि नांदेड़-मुंबई एक्सप्रेस से छात्रों, व्यापारियों, श्रद्धालुओं और आम यात्रियों को बड़ा लाभ मिलेगा और क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को गति मिलेगी। कार्यक्रम में सांसद अजीत माधवराव गोपछड़े, सांसद रविंद्र वसंतराव चव्हाण सहित कई जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ रेलवे अधिकारी और नांदेड़ मंडल के मंडल रेल प्रबंधक उपस्थित रहे। संजय कुमार श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण दिया।

सीएसआईआर-आईआईसीटी के निदेशक डॉ.डी. श्रीनिवास रेड्डी को सीआरएसआई रजत पदक

रसायन अनुसंधान और वैज्ञानिक नेतृत्व में उत्कृष्ट योगदान के लिए मिला सम्मान

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) के निदेशक डॉ.डी. श्रीनिवास रेड्डी को रसायन अनुसंधान और वैज्ञानिक नेतृत्व के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए भारतीय रसायन अनुसंधान सोसायटी (सीआरएसआई) के प्रतिष्ठित सीआरएसआई रजत पदक से सम्मानित किया गया है। यह जानकारी सोमवार को संस्थान की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, डॉ. रेड्डी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिप्राप्त कार्बनिक रसायनज्ञ हैं। प्राकृतिक उत्पादों के संश्लेषण, औषधीय रसायन विज्ञान और नई दवाओं की खोज के क्षेत्र में उनके शोध कार्यों ने रासायनिक विज्ञान को नई दिशा प्रदान की है। डॉ. रेड्डी को इससे पहले शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार, जेसी बोस राष्ट्रीय फैलोशिप तथा देश की प्रमुख विज्ञान अकादमियों की फैलोशिप सहित अनेक प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। उन्होंने 160 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं, कई पेटेंट हासिल किए हैं तथा औद्योगिक और व्यावहारिक उपयोग की अनेक तकनीकों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आईआईसीटी के अनुसार, सीआरएसआई रजत पदक भारतीय रसायन अनुसंधान सोसायटी द्वारा दिया जाने वाला सबसे प्रतिष्ठित सम्मानों में से एक है। यह सम्मान उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान, नवाचार और रासायनिक विज्ञान के क्षेत्र में दीर्घकालिक एवं उत्कृष्ट योगदान देने वाले वैज्ञानिकों को प्रदान किया जाता है।

महेश बैंक के वाइस चेयरमैन गोविन्द राठी ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय पिछड़ वर्ग आयोग की अध्यक्ष साध्वी निरंजन ज्योति से पिछड़ा वर्ग आयोग कार्यालय में भेंट कर महेश बैंक की प्रगति की जानकारी देते हुए उन्हें हैदराबाद के बैंक कार्यालय में आने का निमंत्रण दिया।

डंपिंग यार्ड का प्रस्ताव वापस ले सरकार : हरीश राव

फैसला नहीं बदला तो व्यापक जन आंदोलन की दी चेतावनी

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक दल (बीआरएसएलपी) के उपनेता टी. हरीश राव ने सोमवार को रंगारेड्डी जिले के कोथुर मंडल स्थित सिद्धापुर गांव में प्रस्तावित डंपिंग यार्ड स्थापित करने संबंधी सरकारी आदेश को तत्काल वापस लेने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने अपना निर्णय वापस नहीं लिया तो बीआरएस व्यापक जन आंदोलन शुरू करेगी।

सोमवार को सिद्धापुर और आसपास के गांवों के किसानों तथा ग्रामीणों ने हैदराबाद में हरीश राव से मुलाकात कर प्रस्तावित डंपिंग यार्ड का विरोध जताया। ग्रामीणों का कहना था कि इस परियोजना से कृषि भूमि प्रभावित होगी, जल स्रोत प्रदूषित होंगे और हजारों किसानों की आजीविका पर संकट आ जाएगा। उन्होंने बीआरएस से इस मुद्दे पर हस्तक्षेप कर आंदोलन का नेतृत्व करने का अनुरोध किया। हरीश राव ने कांग्रेस सरकार द्वारा 86 एकड़ भूमि पर डंपिंग यार्ड स्थापित करने के लिए जारी सरकारी आदेश संख्या-641 की आलोचना करते हुए इसे अविवेकपूर्ण निर्णय बताया। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित स्थल के आसपास के लगभग 20 गांवों के किसान कृषि पर निर्भर हैं और हैदराबाद की मंडियों के लिए सब्जियों का उत्पादन करते हैं। उनके अनुसार, किसान गुट्टा चेरुवु के जल स्रोत पर सिंचाई के लिए निर्भर हैं, जबकि डंपिंग यार्ड बनने से सिंचाई और पेयजल दोनों के प्रदूषित होने की आशंका है।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित परियोजना से निकट स्थित जहांगीर पीर दरगाह में आने वाले श्रद्धालुओं को भी प्रदूषण का सामना करना पड़ सकता है। हरीश राव ने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार ने सर्वे नंबर 252, 278 और 361 सहित 334 एकड़ भूमि को आईटी पार्क के लिए आरक्षित किया था, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलता और क्षेत्र का विकास होता। उन्होंने कहा कि उस योजना को छोड़कर डंपिंग यार्ड बनाने का निर्णय सरकार की गलत प्राथमिकताओं को दर्शाता है। उन्होंने कांग्रेस सरकार की जनहित के प्रति प्रतिबद्धता पर सवाल उठाते हुए कहा कि रोजगार सृजित करने वाली परियोजनाओं की जगह प्रदूषण फैलाने वाली योजनाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि अपशिष्ट निस्तारण केंद्रों की स्थापना आबादी और उपजाऊ कृषि भूमि से दूर की जानी चाहिए।

पीएम श्री केवी एएफएस बेगमपेट में राज्य पुरस्कार टेस्टिंग कैंप का शुभारंभ

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) के राज्य हैदराबाद मंडल की ओर से आयोजित राज्य पुरस्कार टेस्टिंग कैंप (स्काउट)-2026 का सोमवार को पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, एएफएस बेगमपेट में शुभारंभ हुआ। पांच दिवसीय यह शिविर 10 जुलाई तक चलेगा। शिविर में 42 केंद्रीय विद्यालयों के 244 स्काउट छात्र भाग ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह की शुरुआत विद्यालय के विद्यार्थियों की प्रार्थना से हुई, जिसके बाद दीप प्रज्वलन किया गया। दीप प्रज्वलन केवीएस की सहायक आयुक्त जी. कृष्णवेनी, विद्यालय के प्राचार्य एवं स्थल निदेशक आर. वेंकटेश्वर राव, कैंप लीडर एवं एलओसी संजीव कुमार वर्मा तथा मुख्य परीक्षक जीवेश साहू ने संयुक्त रूप से किया। प्राचार्य आर. वेंकटेश्वर राव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्हें स्कार्फ पहनाकर सम्मानित किया।

विद्यार्थियों ने स्वागत गीत और शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत कर समारोह को आकर्षक बनाया। कैंप लीडर संजीव कुमार वर्मा ने शिविर के उद्देश्य और आगामी गतिविधियों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि जी. कृष्णवेनी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत स्काउट्स एंड गाइड्स विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सेवा भावना और जीवन कौशल विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने प्रतिभागियों से शिविर का पूरा लाभ उठाकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया।कार्यक्रम का समापन पीजीटी (भौतिकी) वी.वी.एस. केशव राव के धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुआ। समारोह में विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों के अधिकारी, शिक्षक, एस्कॉर्ट स्टाफ तथा स्काउट छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

चंपत राय और ...

इसका पूरा प्रयत्न करूंगा। समाज में जो माहौल बना है, इससे हमारे न्यास की छवि धूमिल हुई है। मेरा प्रयास रहेगा कि हम सभी न्यासी लोग इस धूमिल छवि को सही करने का प्रयास करेंगे।

राम जन्म भूमि में जो दर्शनार्थी शिलाएं दान करते हैं। इसका हम सभी न्यासी उस लक्ष्य की प्राप्ति को पारदर्शी रूप से करेंगे। पारदर्शी रूप से हर बात को बताया जाएगा, दिखाया जाएगा। हमारे न्यास के प्रति जो अविश्वास की प्रकृति बनी है, उसे दूर किया जाएगा। मीडिया से निवेदन है, जो सत्य है, वही प्रकाशित करें। न्यास के अधिकृत लोगों से पूछकर ही प्रकाशित करें।

गोविंद देव गिरी ने कहा- झूठ का प्रपंच खड़ा किया जा रहा है। अपराधियों को दंड मिलेगा। हमें न्यायालय पर विश्वास है। राम भक्तों का आभार व्यक्त करता हूं। अगर किसी को कोई शिकायत है तो कार्यालय में आकर मिलें। हम सभी सवालों का उत्तर देंगे। आस्था और विश्वास बनाए रखें।

ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि ने कहा- जिन लोगों ने कभी कार सेवकों पर गोलियां चलाईं और सुप्रीम कोर्ट में लिखित बयान देकर कहा कि भगवान राम का कभी अस्तित्व ही नहीं था और राम सेतु कभी बना ही नहीं, वे अब हमें राम के प्रति भक्ति का पाठ पढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। जो लोग पहले राम-भक्ति का विरोध करते रहे हैं, उनमें अचानक और दिखावटी तौर पर राम-भक्ति का जो उबाल दिख रहा है, वह कोई मामूली बात नहीं है। यह असाधारण है और इसके पीछे छिपे हुए मकसद हैं, जिन्हें पूरे हिंदू समाज को समझना चाहिए। उनका मुख्य मकसद हमें बांटना और हमारी राम-भक्ति में दरार पैदा करना है। लेकिन हम इस भक्ति को बनाए रखने और मजबूत करने के अपने संकल्प को दोहराते हैं और अपने समाज में किसी भी तरह का बंटवारा नहीं होने देंगे।

वे आगे कहते हैं कि अगर आपको लगता है कि कुछ गड़बड़ है या कुछ कमी है, तो सीधे ट्रस्ट के कार्यालय आएं, मिलने का समय लें, उस चीज़ को देखें और खुद तय करें कि कितना झूठ और मनगढ़ंत बातें फैलाई जा रही हैं। न्याय होगा और दोषियों को सजा मिलेगी।

22 जुलाई को फिर ट्रस्ट की बैठक होगी

चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे पर कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने कहा- एक बार इस्तीफा सौंपे जाने के बाद, उसे स्वीकार करने या अस्वीकार करने का फैसला हमारे हाथ में नहीं था। हमें बस उसे स्वीकार करना था। नतीजतन, हमने उसे स्वीकार कर लिया। हमने चंपत राय की सेवा को भी माना और उसकी सराहना की। उन्होंने खुद बड़े दिल से यह फैसला लिया। हम भविष्य की जरूरी व्यवस्था करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और इसकी जिम्मेदारी कृष्ण मोहन को सौंपी गई है, जो मेरे साथ अंतरिम जनरल सेक्रेटरी के तौर पर यहां हैं।

गोविंद देव गिरी ने कहा- हमारा काम पूरी पारदर्शिता रखना है। हम 22 जुलाई को फिर से बैठेंगे। तब तक एसआईटी की फाइनल रिपोर्ट आ जाएगी। चोरी तो चोरी ही है, छिपे हुए अपराधी खोजे जाएंगे।

गोविंद देव गिरी ने कहा- झूठ के प्रचार से हम लोगों को सावधान करते हैं। हमें कहा जाता है कि वहां केवल दानपात्र की चोरी नहीं हुई। वहां कई वस्तुओं की चोरी हुई। उन सभी वस्तुओं का रजिस्टर हम लाए हैं, जो आपको दिखाएंगे। हमसे कहा जाता है कि रामायण कहां हैं, चरण पादुकाएं कहां हैं। हमारे पास ऐसी 2800 वस्तुओं का रजिस्टर्ड हैं। चार से पांच वस्तुओं का विवरण हम दिखाएंगे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत की श्री चरणी बनीं बेस्ट बॉलर

5 मैच में ही झटके सबसे ज्यादा विकेट

खेल डेस्क, 6 जुलाई (एजेंसियां)। आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 का अंत हो गया और ये वैसा ही अंत था, जिसकी आदत पिछले एक दशक से भी ज्यादा वक्त से पड़ी हुई है. एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया ने अपना दबदबा दिखाते हुए टी20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी वापस अपने कब्जे में ले ली. ऑस्ट्रेलिया जहां चैंपियन बनी तो वहीं इंग्लैंड उप-विजेता रही. मगर टीम इंडिया के हाथ इस टी20 वर्ल्ड कप में भी खाली ही रहे. इस नाकामी के बावजूद भारतीय गेंदबाज श्री चरणी ने जरूर अपनी छाप छोड़ी, जिन्होंने टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 14 विकेट झटके.

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स के मैदान पर फाइनल मैच के साथ ही विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 अपने अंजाम पर पहुंचा. ऑस्ट्रेलिया ने 7 विकेट से ये मैच जीतकर 7वीं बार टी20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी पर अपना नाम लिखवाया. इस मुकाबले में दोनों टीमों की ओर से कुल मिलाकर सिर्फ 7 ही विकेट गिरे और दोनों टीमों में से कोई भी गेंदबाज मैच में एक से ज्यादा विकेट नहीं ले पाया और इसलिए कोई श्री चरणी से आगे नहीं निकल पाया.

भारतीय टीम की 21 साल की स्पिनर श्री चरणी ने सिर्फ 5 मैच ही खेले और इन 5 पारियों में ही उन्होंने सबसे ज्यादा 14 विकेट झटक लिए. बाएं हाथ की स्पिनर चरणी ने 8.35 की बेहतरीन औसत और 8.57 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट से ये विकेट झटके, जबकि बेहद किफायती गेंदबाजी करते हुए उन्होंने सिर्फ 5.85 के इकॉनमी रेट से पूरे टूर्नामेंट में 20 ओवर में 117 रन ही खर्चे.

अगर भारतीय टीम फाइनल या सेमीफाइनल तक भी पहुंचती तो चरणी शायद एक महिला टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट का रिकॉर्ड तोड़ सकती थीं. ये रिकॉर्ड 2024 के इवेंट में न्यूजीलैंड की स्पिनर एमेली कर्र ने 15 विकेट लेकर बनाया था. मगर भारतीय स्पिनर की सफलता इसलिए खास है क्योंकि ये उनका पहला ही टी20 वर्ल्ड कप था. इस तरह डेब्यू टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट का रिकॉर्ड श्री चरणी के नाम हो गया.

वहीं दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया की वर्ल्ड चैंपियन कप्तान सोफी मॉलिन्यू और पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना हैं. दोनों ने 11-11 विकेट हासिल किए. खास बात ये है कि दोनों ही एक वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली कप्तान भी बन गई हैं. मॉलिन्यू ने फाइनल में एक विकेट लेकर फातिमा की बराबरी की. वहीं तीसरे नंबर पर 10-10 विकेट के साथ संयुक्त रूप से इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टन और वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज रहीं.

दासुन शनका की हैट्रिक, आखिरी 4 गेंदों पर उखाड़े 4 विकेट, नहीं बनने दिए 10 रन

ओकलैंड, 6 जुलाई (एजेंसियां)। दासुन शनका ने अपने T20 करियर की पहली हैट्रिक के साथ बड़ा कमाल किया है. उनकी करिश्माई गेंदबाजी की बदौलत सिएटल ओरकास और टेक्सस सुपर किंग्स के बीच खेले मेजर लीग क्रिकेट 2026 के 21वें मैच का रोमांचक अंत हुआ. इस मुकाबले में 122 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही टेक्सस सुपर किंग्स को जीत के लिए अंतिम 4 गेंदों में बस 10 रन बनाने थे.

मगर हाथ में 5 विकेट बचे होने के बाद भी उनसे ये रन नहीं बने. उलटे उन 4 गेंदों पर उनके 4 विकेट उखड़ गए. टेक्सस सुपर किंग्स के खिलाफ ये करिश्माई डिफेंड सिएटल ओरकास के ऑलराउंडर दासुन शनका ने किया.

टेक्सस सुपर किंग्स को सिएटल ओरकास के खिलाफ आखिरी ओवर में जीत के लिए 15 रन बनाने थे. काफी सोच

विचार के बाद सिएटल के कप्तान स्टोइनिस ने शनका को गेंद थमाई और 15 रन डिफेंड करने का मौका दिया. शनका की पहली गेंद पर ही टेक्सस के बल्लेबाज शुभम रंजने ने चौका लगा दिया. इसके बाद दूसरी गेंद पर सिंगल लेकर स्ट्राइक फरेरा को दी.

अब अगली 4 गेंदों पर जीत के लिए 10 रन बनाने थे. लेकिन, यहीं से मैच की स्टोरी ने यू-टर्न ले लिया. शनका ने अपनी तीसरी गेंद पर डोनोवन फरेरा को क्लीन बोल्ड कर दिया. उनके बाद बल्लेबाजी के लिए आए काल्विन सावेज शनका का अगला शिकार बने. शनका ने उन्हें अपनी चौथी गेंद पर हेटमायर के हाथों कैच कराया.

अब सामने अगले बल्लेबाज एडम मिल्न थे और शनका अपनी हैट्रिक पर थे. शनका ने मिल्न को विकेट के पीछे साइफर्ट के हाथों कैच कराकर अपनी पहली हैट्रिक की कहानी बुनी. ये मेजर लीग क्रिकेट 2026 की दूसरी हैट्रिक रही.

अब आखिरी गेंद और टेक्सस सुपर किंग्स के आगे लक्ष्य वही 10 रन. मतलब हार तो उनकी पक्की हो चुकी थी. मगर उस हार की दास्तान लिखने वाले शनका सिर्फ हैट्रिक पर नहीं माने. उन्होंने आखिरी बची गेंद पर भी विकेट लिया. इस बार उन्होंने अम्सी डि सिल्वा को आउट किया और इस तरह मैच की अंतिम 4 गेंदों पर 4 विकेट चटकाए.

दासुन शनका के कमाल की बदौलत सिएटल ओरकास ने मुकाबले में टेक्सस सुपर किंग्स को 9 रन से हराया. सिएटल ओरकास ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 121 रन बनाए थे. जवाब में टेक्सस सुपर किंग्स 20 ओवर में 9 विकेट पर 112 रन ही बना सकी. शनका ने अपने सभी 4 विकेट 4 ओवर में 26 रन देकर लिए. इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी दिया गया.

बुमराह ने रेड बॉल से प्रैक्टिस शुरू की

इंस्टा पर शेयर की तस्वीरें; इंग्लैंड वनडे और श्रीलंका टेस्ट सीरीज पर नजर

अहमदाबाद, 6 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने रेड बॉल क्रिकेट की तैयारी शुरू कर दी है। उन्होंने अहमदाबाद में लाल एसजी बॉल से गेंदबाजी करते हुए तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं।

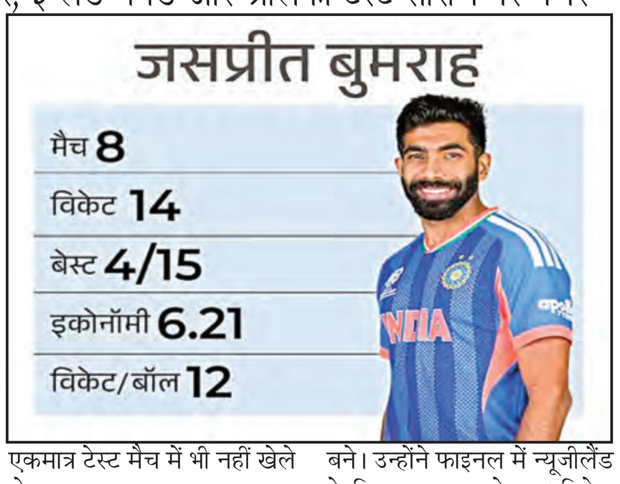

बुमराह IPL से ब्रेक के बाद गुजरात डोमेस्टिक टीम के साथ ट्रेनिंग कर रहे हैं। उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज से आराम दिया गया है। वे इंग्लैंड के खिलाफ 14 जुलाई से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से इंटरनेशनल में वापसी कर रहे हैं।

बुमराह ने आखिरी वनडे 19 नवंबर 2023 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड कप फाइनल में खेला था। इंग्लैंड सीरीज के साथ वह 968 दिन बाद वनडे क्रिकेट में वापसी करेंगे। इसके अलावा उन्हें एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम में जगह मिली है। वे अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में भी नहीं खेले थे।

बुमराह ने मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए IPL 2026 में 13 मैचों में सिर्फ 4 विकेट लिए। उनका औसत 102.50, इकोनॉमी 8.36 और बेस्ट प्रदर्शन 15 रन देकर 1 विकेट रहा।

बुमराह ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 8 पारियों में 14 विकेट लेकर टूर्नामेंट के टॉप विकेट टेकर बने। उन्होंने फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 15 रन देकर 4 विकेट लिए थे। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इंग्लैंड वनडे सीरीज के बाद भारत 15 से 27 अगस्त तक श्रीलंका में दो टेस्ट मैच खेलेगा। पहला टेस्ट गॉल और दूसरा कोलंबो में होगा। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 में भारत के लिए बुमराह की वापसी बेहद अहम है।

ट्रंप के फोन के बाद फीफा ने बदला फैसला?

अमेरिकी स्टार बालोगुन पर लगा बैन हटाया

सिएटल, 6 जुलाई (एजेंसियां)। फीफा विश्व कप 2026 में एक ऐसा फैसला सामने आया है, जिसने पूरे फुटबॉल जगत में बहस छेड़ दी है। अमेरिका के स्टार स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन का रेड कार्ड सस्पेंशन अचानक हटा दिया गया है। इसके बाद वह बेल्जियम के खिलाफ राउंड ऑफ 16 मुकाबले में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। इस फैसले के बाद फीफा की निष्पक्षता पर सवाल उठने लगे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मैच के बाद फीफा अध्यक्ष जियानी इनफैनटिनो से फोन पर बात की और रेड कार्ड की समीक्षा करने का अनुरोध किया। इसके कुछ समय बाद फीफा ने बालोगुन का निलंबन हटाने का फैसला सुना दिया। बोस्निया और हर्जेगोविना के खिलाफ राउंड ऑफ 32 मुकाबले में बालोगुन ने विरोधी खिलाड़ी तारिक मुहरेमोविच के टखने पर पैर रख दिया था।

वेस्टइंडीज की वापसी, श्रीलंका से 231 रन पीछे

होप और ग्रीव्स के बीच 174 रनों की नाबाद पार्टनरशिप; फॉलो-ऑन से सिर्फ 31 रन दूर

किंग्स्टन, 6 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीलंका और वेस्टइंडीज के बीच खेले जा रहे टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक वेस्टइंडीज ने मैच में मजबूत वापसी कर ली।शाई होप और जस्टिन ग्रीव्स पांचवें विकेट के लिए नाबाद 174 रन जोड़कर टीम को संकट से बाहर ले आए। दिन का खेल खत्म होने तक वेस्टइंडीज पहली पारी में श्रीलंका से 231 रन पीछे है और फॉलो-ऑन टालने के लिए उसे सिर्फ 31 रन और चाहिए।

तीसरे दिन स्टंप्स के समय शाई होप 173 गेंदों पर 86 रन और जस्टिन ग्रीव्स 162 गेंदों पर 85 रन बनाकर क्रीज पर नाबाद हैं। दोनों के बीच शतकीय साझेदारी हो चुकी है। श्रीलंका ने अपनी पहली पारी 549/9 के स्कोर पर घोषित की थी। एक विकेट पर 58 रन से आगे खेलते हुए श्रीलंका ने लंच तक 2 विकेट के नुकसान पर 138 रन बना लिए थे।

दिन की शुरुआत में जॉन कैंपबेल और कावेम हॉज ने 234 गेंदों में 89 रन जोड़े। लंच से पहले असिथा फर्नांडो ने कैंपबेल को आउट कर श्रीलंका को सफलता दिलाई। लंच के बाद जयसूर्या ने दो विकेट लेकर दबाव बनाया, लेकिन होप और ग्रीव्स की साझेदारी ने श्रीलंका की वापसी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

लंच के बाद प्रभात जयसूर्या ने आमिर जांगू और कावेम हॉज को आउट कर वेस्टइंडीज का स्कोर 141/4 कर दिया। आमिर जांगू ने 9 और कावेम हॉज ने 31 रन बनाए। इसके बाद होप और ग्रीव्स ने बिना जोखिम उठाए बल्लेबाजी की और दिन खत्म होने तक अटूट 174 रन जोड़ दिए। स्टंप्स के समय होप 86 और ग्रीव्स 85 रन बनाकर नाबाद थे।

दोनों बल्लेबाजों ने धैर्य के साथ बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका के गेंदबाजों को लंबा स्पेल फेंकने पर मजबूर किया। पिच से ज्यादा मदद नहीं मिलने के कारण श्रीलंकाई गेंदबाज इस साझेदारी को नहीं तोड़ सके। तीसरे दिन यह वेस्टइंडीज की पारी का पहला ऐसा सेशन रहा, जिसमें श्रीलंका को एक भी विकेट नहीं मिला। दिन की शुरुआत में जॉन कैंपबेल और कावेम हॉज ने 234 गेंदों में 89 रन जोड़े। लंच से पहले असिथा फर्नांडो ने कैंपबेल को आउट कर श्रीलंका को सफलता दिलाई। लंच के बाद जयसूर्या ने दो विकेट लेकर दबाव बनाया, लेकिन होप और ग्रीव्स की साझेदारी ने श्रीलंका की वापसी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

जोकोविच ने फेडरर का रिकॉर्ड तोड़ा: विंबलडन में सबसे ज्यादा 106 मैच जीतने वाले खिलाड़ी बने

लंदन, 6 जुलाई (एजेंसियां)। नोवाक जोकोविच विंबलडन के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। चौथे दौर में 39 साल के जोकोविच ने रूस के क्वालिफायर रोमान सफीउलिन को 7-6 (8-6), 6-3, 3-6, 6-3 से हराकर अपनी 106वीं जीत दर्ज की।

इसके साथ ही उन्होंने रोजर फेडरर (105 जीत) का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। अब पूरे विंबलडन इतिहास में उनसे आगे केवल मार्टिना नवरातिलोवा हैं, जिनके नाम 120 जीत हैं।

इस जीत के साथ जोकोविच ने रिकॉर्ड 17वीं बार विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। अब उनका मुकाबला कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे से होगा।

132वीं रैंकिंग के रोमान सफीउलिन ने जोकोविच को कड़ी टक्कर दी। मैच की शुरुआत में जोकोविच को आंखों में परेशानी हुई। तीसरे सेट में सफीउलिन ने उनकी सर्विस ब्रेक की तो जोकोविच गुस्से में गेंद को दूसरी ओर मार बैठे। अंपायर ने उन्हें चेतावनी दी, जबकि दर्शकों ने भी हूटिंग की।

मैच के बाद जोकोविच ने अपनी हरकत पर माफी मांगी। उन्होंने कहा, 'मैं अपने गुस्से और चिड़चिड़ेपन के लिए जाना जाता हूं। आज भी ऐसा ही हुआ, जिसके लिए माफी चाहता हूं। हमारा दिमाग बार-बार भटकता है। उसे वर्तमान में बनाए रखना आसान नहीं होता। जो ऐसा कर पाता है, वही आखिर में जीतता है।'

28 साल के सफीउलिन छह महीने पहले गंभीर चोट से जूझ रहे थे, लेकिन उन्होंने जोकोविच को तीन घंटे से ज्यादा समय तक कोर्ट

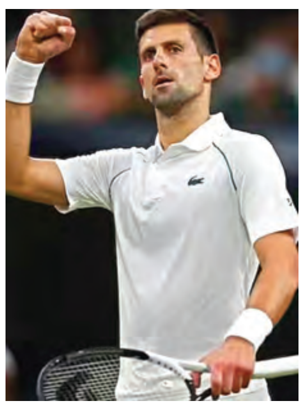

पर संघर्ष करने के लिए मजबूर किया। पहले सेट में उन्होंने 5-3 की बढ़त भी बना ली थी, हालांकि जोकोविच ने वापसी कर टाई-ब्रेकर में सेट जीत लिया। तीसरे सेट में सफीउलिन ने मेडिकल टाइमआउट लिया, फिर भी 6-3 से सेट जीतकर मुकाबला चौथे सेट तक पहुंचाया। आखिर में अनुभव के दम पर जोकोविच ने मैच अपने नाम कर लिया। दूसरी ओर, मौजूदा चैंपियन और दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी जैनिक सिनर ने जापान के क्वालिफायर शिंतारो मोचिजुकी को 6-3, 7-6 (7-0), 6-3 से हराकर लगातार पांचवीं बार विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। अब उनका मुकाबला जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ से होगा। यदि सिनर और जोकोविच अपने-अपने क्वार्टर फाइनल जीतते हैं तो सेमीफाइनल में दोनों आमने-सामने हो सकते हैं।

जोकोविच इस बार खिताब जीतकर रोजर फेडरर के आठ विंबलडन खिताब के रिकॉर्ड की बराबरी करना चाहेंगे। साथ ही वह अपने करियर का 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के भी करीब हैं। हालांकि इस बार खेले गए चार मैचों में से तीन में उन्हें जीत के लिए चार सेट तक खेलना पड़ा है।

ऑल इंग्लैंड क्लब में सोमवार को महिला सिंगल्स का सबसे बड़ा उलटफेर देखने को मिला। जापान की चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका ने दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका को 6-2, 7-6 (7-2) से हराकर पहली बार विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

पिछले तीन महीनों में ओसाका और सबालेंका के बीच यह चौथी भिड़ंत थी। इससे पहले हुए तीनों मुकाबलों में सबालेंका ने जीत दर्ज की थी। लेकिन सेंटर कोर्ट पर इस बार ओसाका शुरुआत से ही हावी रहीं। उन्होंने दमदार सर्विस और सटीक फोरहैंड की मदद से बेसलाइन रैलियों में सबालेंका को पीछे रखा और केवल 32 मिनट में पहला सेट 6-2 से जीत लिया।

ब्राजील फुटबॉल वर्ल्ड कप से बाहर, नेमार ने रिटायरमेंट लिया

नॉर्वे ने 2-1 से हराया, पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचा, इंग्लैंड भी जीता

ईस्ट रदरफोर्ड (न्यू जर्सी), 6 जुलाई (एजेंसियां)। 5 बार का चैंपियन ब्राजील फुटबॉल वर्ल्ड कप से बाहर हो गया। नॉर्वे ने सोमवार को प्री क्वार्टर फाइनल में ब्राजील को 2-1 से हराया। नॉर्वे पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचा है। अब उसका मुकाबला इंग्लैंड से होगा। इंग्लिश टीम ने मेजबान मैक्सिको को 3-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार ने इस हार के बाद संन्यास ले लिया। उन्होंने अमेरिका के न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में ब्राजील की ओर से एकमात्र गोल किया। नॉर्वे की ओर से दोनों गोल एरलिंग हालैंड ने दागे। 34 साल नेमार ने कहा, 'मैंने पूरी कोशिश की। मेरा सफर यहीं से शुरू हुआ था और अब यहीं खत्म हो गया। ब्राजील के लिए मेरा अध्याय अब खत्म हो चुका है।' उन्होंने 2010 में इसी मैदान (तत्कालीन मेटलाइफ स्टेडियम) पर अमेरिका के खिलाफ ब्राजील के लिए डेब्यू किया था।

ब्राजील के पास पहले हाफ में 15वें मिनट के करीब बढ़त लेने का मौका मिला। वीडियो असिस्ट रीव्यू यानी वीएआर के बाद टीम को पेनल्टी मिली, लेकिन ब्रूनो गुइमारेस का शॉट नॉर्वे के गोलकीपर ऑर्जन नीलैंड ने डाइव लगाकर रोक दिया। नीलैंड ने गेब्रियल मार्टिनेली और विनीसियस जूनियर की कोशिशें नाकाम कीं और पहले हाफ में स्कोर 0-0 बनाए रखा।

दूसरे हाफ में ब्राजील के युवा स्ट्राइकर एंड्रिक ने आसान मौका गंवाया। इसके बाद नॉर्वे ने जवाबी हमला बोला। 72वें मिनट में एंड्रियास शेल्डरप ने बाएं छोर से बेहतरीन क्रॉस दिया, जिस पर हालैंड ने जोरदार हेडर लगाकर नॉर्वे को 1-0 की बढ़त दिलाई।

इंजरी टाइम से ठीक पहले हालैंड ने दूसरा गोल करते हुए डिफेंडर डेनिलो के पैरों के बीच से गेंद निकालकर गोल दागा और स्कोर 2-0 कर दिया। यह इस टूर्नामेंट में उनका छठा और सातवां गोल रहा। इसके साथ ही वह गोल्डन बूट की दौड़ में लियोनेल मेसी और किलियन एमबाप्पे की बराबरी पर पहुंच गए।

पाकिस्तानी खिलाड़ी को भारतीय फ्रेंचाइजी से खेलने की इजाजत

मुंबई, 6 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अपने कई खिलाड़ियों को टी20 लीग में खेलने की एनओसी दी है. इसमें अबरार अहमद का नाम भी शामिल है जो द हंड्रेड लीग में भारतीय फ्रेंचाइजी सनराइजर्स लीड्स के लिए खेलते नजर आएंगे. अबरार अहमद के अलावा शादाब खान, अब्दुल्लाह शफीक, उस्मान तारिक, साहिबजादा फरहान को भी टी20 लीग्स में खेलने की इजाजत दी गई है. बता दें ग्लोबल सुपर लीग के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सबसे ज्यादा 16 खिलाड़ियों को एनओसी दी है. इस लीग में लाहौर कलंदर्स की टीम हिस्सा लेने वाली है.

अबरार अहमद को द हंड्रेड के लिए सनराइजर्स फ्रेंचाइजी ने खरीदा था, इसके बाद भारत में

अबरार अहमद

काफी ज्यादा बवाल हुआ था. सोशल मीडिया पर टीम की मालकिन काव्या मारन के खिलाफ सोशल मीडिया पर काफी नफरती ट्वीट्स वायरल हुए थे. हालांकि टीम अपने फैसले पर अड़ी रही. इसके बाद ऐसा लगा कि पीसीबी अपने खिलाड़ी को इस टीम से खेलने की इजाजत नहीं देगा लेकिन ऐसा हुआ नहीं. अबरार अहमद पहली बार द हंड्रेड में खेलेंगे और टीम का मालिकाना हक भारत की कंपनी के पास है. अबरार के अलावा उस्मान तालिक भी द हंड्रेड में खेलते नजर आएंगे. अबरार अहमद को सनराइजर्स हैदराबाद ने 2.55 लाख डॉलर में खरीदा था जो कि लगभग 2.5 करोड़ रुपये होता है. द हंड्रेड का आगाज 21 जुलाई से 16 अगस्त तक होगा.

पीसीबी ने द हंड्रेड 2026, एलपीएल 2026, सीपीएल 2026 और ग्लोबल सुपर लीग 2026 में हिस्सा लेने के लिए अपने 16 खिलाड़ियों को एनओसी दी है. इनमें से 16 खिलाड़ी तो गयाना जाएंगे जहां ग्लोबल सुपर लीग 2026 का आयोजन होगा.

इस लीग में दुनियाभर की लीग्स की चैंपियन टीमें हिस्सा लेती हैं. इस लीग में सूफियां मुकीम, अब्दुल्लाह शफीक, शादाब खान, उसामा मीर जैसे खिलाड़ी खेलने वाले हैं.

4 मैच, 0 जीत, कप्तानी में पूरी तरह फ्लॉप रहे श्रेयस अय्यर!

भारतीय टी20आई का सबसे 'शर्मनाक' रिकॉर्ड

खेल डेस्क, 6 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे T20I में टीम इंडिया को करारी हार का सामना करना पड़ा. श्रेयस अय्यर का कप्तान के रूप में कार्यकाल सही दिशा में नहीं जा रहा है. अब तक चार मैचों में उन्होंने कप्तानी की है और टीम को एक भी जीत नसीब नहीं हुई है. आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों में उन्हें हार मिली और अब इंग्लैंड में भी उनका खाता नहीं खुल पाया है. दूसरे T20I में हार के साथ कप्तान श्रेयस अय्यर के नाम एक शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हो गया है.

टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 191 रनों का लक्ष्य स्कोरबोर्ड पर रखा था. जवाब में इंग्लैंड टीम ने थोड़ा संघर्ष किया, लेकिन 19 ओवर में 4 विकेट रहते लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा कर लिया.

श्रेयस अय्यर ने चार मैचों में टीम इंडिया की कप्तानी की है और एक में भी उन्हें जीत नहीं मिली है. भारत के लिए 12 खिलाड़ियों ने 3 या उससे ज्यादा मैचों में कप्तानी की है. श्रेयस उनमें से इकलौते खिलाड़ी हैं, जिन्होंने अपने शुरुआती 4 मैचों में एक भी जीत हासिल नहीं की.

आयरलैंड के खिलाफ भारत कभी भी इंटरनेशनल क्रिकेट में नहीं हारा था. बेलफास्ट में हुई दो मैचों की T20I सीरीज में टीम इंडिया को आयरलैंड ने 2-0 से हरा दिया.

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच T20I मैचों की सीरीज चल रही है. दूसरा मुकाबला इंग्लैंड ने जीता, वहीं पहला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था. इंग्लैंड सीरीज में 1-0 से आगे है.

इंग्लैंड के खिलाफ T20I सीरीज में अब तीन मैच बचे हैं. अगर भारतीय टीम को सीरीज जीतनी है, तो अगले तीनों मैच जीतने होंगे. अगर इंग्लैंड ने एक भी मैच जीत लिया, तो सीरीज ड्रॉ हो जाएगी. कप्तान श्रेयस अय्यर ऐसा नहीं चाहेंगे. इसी वजह से उन्हें किसी भी हालत में जीत की सख्त जरूरत है.

सड़क बनने से विकास को मिलेगी नई गति : मंत्री पोन्नम

मंत्री ने बीटी सड़क के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया

हनमकोंडा, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री ने कहा कि हनमकोंडा जिले का एल्कथुर्थी मंडल भविष्य में विकास के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क संपर्क से क्षेत्र के गांवों की कनेक्टिविटी बढ़ेगी और लोगों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। सोमवार को एल्कथुर्थी जंक्शन पर मदिपल्ली से एल्कथुर्थी जंक्शन तक की ओर से लगभग 13 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाली बीटी सड़क के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर कूडा के अध्यक्ष , उपाध्यक्ष एवं हनमकोंडा जिला कलेक्टर तथा मार्केट कमेटी के अध्यक्ष संताजी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि सड़क निर्माण पूरा होने के बाद गांवों का मंडल मुख्यालय से संपर्क मजबूत होगा। उन्होंने बताया कि एल्कथुर्थी में न्यायालय, विद्युत उपकेंद्र तथा तहसील कार्यालय जैसी महत्वपूर्ण सरकारी सुविधाएं भी स्थापित की जा रही हैं, जिससे क्षेत्र के समग्र विकास को गति मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों से सड़क निर्माण कार्य में सहयोग करने की अपील करते हुए निर्देश दिया कि परियोजना को निर्धारित समय में पूरा किया जाए। कूडा अध्यक्ष इनगाला वेंकटरामी रेड्डी ने कहा कि नई सड़क बनने से क्षेत्र की कनेक्टिविटी बढ़ेगी और ग्रामीण विकास को नई दिशा मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने कूडा अध्यक्ष इनगाला वेंकटरामी रेड्डी, जिला कलेक्टर चाहत बाजपेयी तथा कूडा के मुख्य योजना अधिकारी अजीत रेड्डी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इसके बाद मंत्री ने अधिकारियों के साथ एल्कथुर्थी से दामेरा जाने वाली मुख्य सड़क का निरीक्षण किया और आम जनता को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने स्वतंत्रता सेनानी एवं भारत के पूर्व उप प्रधानमंत्री की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, पार्टी नेताओं और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया।

नामपल्ली आपराधिक न्यायालय की तीसरी मंजिल पर आग, कोई जनहानि नहीं

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका, फायर ब्रिगेड ने समय रहते काबू पाया

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित नामपल्ली आपराधिक न्यायालय परिसर की तीसरी मंजिल पर सोमवार तड़के आग लग गई, जिससे परिसर में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग को फैलने से पहले ही काबू में कर लिया। दमकल कर्मियों की तत्परता के चलते आग अन्य मंजिलों तक नहीं पहुंच सकी, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। आग पर पूरी तरह से नियंत्रण पा लिया गया है। प्रशासन ने घटना की विस्तृत जांच शुरू कर दी है, ताकि आग लगने के वास्तविक कारणों और संभावित संपत्ति नुकसान का आकलन किया जा सके।

दुर्गम चेरुवु को विश्वस्तरीय पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करें : रेवंत रेड्डी

पर्यटन क्षेत्र के व्यापक विकास पर मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को हैदराबाद स्थित एमसीआरएचआरडी के बोधि पवेलियन में पर्यटन विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में पर्यटन अवसंरचना के विस्तार, इको-टूरिज्म, धार्मिक पर्यटन, शहरी पर्यटन तथा आगामी वैश्विक निवेश सम्मेलन की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहकार रामकृष्णा राव, सरकार के विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन, सीएमओ के मुख्य सचिव शेषाद्रि, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्रीधर, पर्यटन सचिव वाणी प्रसाद तथा पर्यटन निगम की प्रबंध निदेशक गौतमी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि तारामति बारादरी को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में और विकसित किया जाए। साथ ही दुर्गम चेरुवु को विश्वस्तरीय पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में तेज़ी से कार्य किया जाए। उन्होंने मंजीरा गेस्ट हाउस तथा दिलकुशा गेस्ट हाउस के आधुनिकीकरण के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने पर्यटन हब विकास योजना के अंतर्गत विकाराबाद के समग्र विकास पर बल दिया।

उन्होंने वहां स्थित वीरभद्रस्वामी मंदिर को यादाद्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर की तर्ज पर विकसित करने तथा इसके लिए एक विशेष मंदिर समिति गठित करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने कहा कि एफसीआई/क्योर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली वन विभाग की भूमि को पर्यटन विभाग के सहयोग से इको-टूरिज्म परियोजनाओं के रूप में विकसित किया जाए। गुर्रंगुडा इको पार्क की तर्ज पर शहर में नए इको पार्क विकसित किए जाएं तथा फ्यूचर सिटी क्षेत्र की वन भूमि को अंतरराष्ट्रीय स्तर के अर्बन फॉरेस्ट के रूप में विकसित किया जाए। इसके लिए विशेष अधिकारी की नियुक्ति कर परियोजनाओं में तेजी लाई जाए। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने पुराना पुल सहित विरासत पुलों के संरक्षण एवं विकास पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन पुलों को पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित करते हुए पर्यटकों के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। आवश्यकता पड़ने पर यातायात का वैकल्पिक मार्ग सुनिश्चित कर पर्यटकों के लिए इन स्थलों को अधिक आकर्षक बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने दिसंबर में प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट की तैयारियां तत्काल शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के लिए अलग-अलग समितियों का गठन करने पर भी जोर दिया।

कालेश्वरम परियोजना पर बीआरएस का सरकार पर हमला

पूर्व मंत्री बोले- 'पंप चालू करें या हमें जिम्मेदारी दें'

हैदराबाद, 6 जुलाई(स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के वरिष्ठ नेताओं ने कालेश्वरम परियोजना को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर कन्नेपल्ली पंप हाउस से पानी नहीं उठा रही है, जबकि वहां से मोटरें चालू कर लगभग 150 टीएमसी पानी का भंडारण किया जा सकता है। पूर्व मंत्री जगदीश रेड्डी ने कहा कि यदि सरकार परियोजना का संचालन करने में सक्षम नहीं है तो उसे एक सप्ताह के लिए पूर्व मुख्यमंत्री (केसीआर) को इसकी जिम्मेदारी सौंप दे। उन्होंने दावा किया कि बीआरएस एक सप्ताह में पानी उठाकर दिखाएगी। उन्होंने कहा कि यदि सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी की आशंका के अनुरूप कोई दुर्घटना होती है तो उसकी पूरी जिम्मेदारी बीआरएस लेने को तैयार है। उन्होंने यहां तक कहा कि यदि उनके दावे गलत साबित होते हैं तो पार्टी राजनीतिक जीवन से हटने तक को तैयार है।

जगदीश रेड्डी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की सरकार आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के हितों को ध्यान में रखकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) का इस मामले से कोई संबंध नहीं है और सरकार उसकी आड़ लेकर किसानों को गुमराह कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बिजली बिल, धान खरीद और बोनस के खर्च से बचने के लिए पंप नहीं चला रही है। पूर्व मंत्री ने कहा कि एनडीएसए ने अन्नाराम और सुंदिल्ला बैराजों में पानी नहीं भरने का निर्देश नहीं दिया, बल्कि केवल आवश्यक मरम्मत कराने की सलाह दी थी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कन्नेपल्ली और येल्लमपल्ली से पानी नहीं उठाया गया तो बीआरएस फिर से "चलो कन्नेपल्ली-येल्लमपल्ली" आंदोलन शुरू करेगी।पूर्व सांसद विनोद ने भी मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी के बयान पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि वर्ष 2021 की भीषण बाढ़ के दौरान भी भद्राचलम को कोई नुकसान नहीं हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया कि मेडिगड्डा, अन्नाराम और सुंदिल्ला बैराजों से बड़े पैमाने पर अवैध रेत खनन के कारण जलाशयों को नहीं भरा जा रहा है। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि पूरी क्षमता तक पानी भरना संभव नहीं है तो कम से कम आंशिक रूप से जलाशयों को भरकर कन्नेपल्ली से पानी उठाया जाए। बीआरएस नेताओं ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार कालेश्वरम परियोजना का राजनीतिकरण कर रही है, जबकि आने वाले समय में संभावित सूखे की स्थिति को देखते हुए परियोजना का उपयोग किसानों और पेयजल आवश्यकताओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सरकार से तत्काल परियोजना के पंप चालू कर पानी उठाने तथा रेत खनन पर रोक लगाने की मांग की। प्रेस वार्ता में गल्ला श्रीनिवास यादव, धर्मेंद्र रेड्डी सहित अन्य बीआरएस नेता भी उपस्थित थे।

नई प्रधान सचिव ने वन एवं पर्यावरण मंत्री से की शिष्टाचार भेंट

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के वन, पर्यावरण एवं देवादाय विभाग की नवनियुक्त प्रधान सचिव शैलजा रामअय्यर ने सोमवार को राज्य की वन, पर्यावरण एवं देवादाय मंत्री कोंडा सुरेखा से उनके जुबली हिल्स स्थित आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर मंत्री कोंडा सुरेखा ने शैलजा रामअय्यर को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में वन एवं पर्यावरण विभाग और अधिक प्रभावी ढंग से कार्य करेगा तथा सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की सफलतापूर्वक प्राप्ति करेगा। मंत्री ने निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की सोच के अनुरूप पर्यावरण संरक्षण, वन महोत्सव, वन्यजीव एवं जैव विविधता संरक्षण, जंगलों में आग की घटनाओं की रोकथाम तथा वनों की सुरक्षा में आधुनिक तकनीक के उपयोग जैसे कार्यक्रमों को योजनाबद्ध और प्रभावी तरीके से लागू किया जाए। उन्होंने विभाग को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए दीर्घकालिक कार्ययोजना तैयार करने पर भी जोर दिया।

बैठक के दौरान मंत्री कोंडा सुरेखा और प्रधान सचिव शैलजा रामअय्यर के बीच वन एवं पर्यावरण विभाग से जुड़े विभिन्न विषयों तथा वर्तमान में संचालित कार्यक्रमों की प्रगति पर संक्षिप्त चर्चा भी हुई।

महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य योजनाओं पर मंत्री दामोदर राज नरसिम्हा से मिलीं मयूरी सिंह

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा से अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव एवं महिला कांग्रेस की तेलंगाना प्रभारी मयूरी सिंह ने सोमवार को हैदराबाद स्थित उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की। बैठक के दौरान दोनों नेताओं के बीच राज्य सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण, महिला कल्याण, महिलाओं के स्वास्थ्य तथा समग्र विकास के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। मयूरी सिंह ने कहा कि महिला कांग्रेस राज्य सरकार की महिलाओं के हित में चल रही योजनाओं और कल्याणकारी कार्यक्रमों को व्यापक स्तर पर जन-जन तक पहुंचाने के लिए अभियान चलाएगी।

मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने कहा कि चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्यक्रम लागू किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि नर्सिंग अधिकारियों की नियुक्ति, चिकित्सा शिक्षा का विस्तार, महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार तथा स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने जैसे विषयों पर के नेतृत्व में राज्य सरकार विशेष प्राथमिकता के साथ कार्य कर रही है। इस अवसर पर मयूरी सिंह ने मंत्री को बताया कि महिला कांग्रेस तेलंगाना में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा महिलाओं को सरकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

भाजपा ने कालेश्वरम व हाइड्रा मुद्दे पर कांग्रेस-बीआरएस पर साधा निशाना

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने हाइड्रा की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनसंघ के संस्थापक की जयंती सोमवार को नामपल्ली स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत में एन. रामचंदर राव ने कालेश्वरम परियोजना में कथित भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस और बीआरएस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) की जियो-टेक्निकल और अन्य तकनीकी रिपोर्टों में परियोजना की सुरक्षा संबंधी गंभीर कमियां उजागर होने के बावजूद राज्य सरकार ने अब तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं किया है, जो उसकी गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व बीआरएस सरकार ने कालेश्वरम परियोजना को "एटीएम" की तरह इस्तेमाल किया और अब मुख्यमंत्री परियोजना में हुए कथित भ्रष्टाचार पर कठोर कार्रवाई करने के बजाय केवल औपचारिक कदम उठाकर मामले को दबाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और बीआरएस दोनों मिलकर इस मुद्दे पर राजनीतिक नाटक कर रही हैं और जनता को जवाब देना चाहिए। रामचंदर राव ने हैदराबाद में हाइड्रा की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार हाइड्रा के नाम पर गरीबों के मकान तोड़ रही है, जबकि एमआईएम से जुड़े कथित अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने विशेष रूप से फातिमा शैक्षणिक संस्थानों का उल्लेख करते हुए कहा कि नियमों के उल्लंघन और न्यायालय की टिप्पणियों के बावजूद कार्रवाई नहीं होना सरकार के दोहरे रवैये को दर्शाता है। उन्होंने मांग की कि उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप एमआईएम से जुड़े कथित अवैध संस्थानों पर तत्काल कार्रवाई की जाए। अन्यथा भाजपा कांग्रेस, एमआईएम और हाइड्रा की कथित पक्षपातपूर्ण कार्यशैली के खिलाफ राज्यव्यापी जन आंदोलन शुरू करेगी।

मतदाता सूची पुनरीक्षण की समयसीमा एक माह बढ़ाने की मांग

बीआरएस प्रतिनिधिमंडल मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मिला

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी से मुलाकात कर निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम की अवधि एक माह बढ़ाने की मांग की। पूर्व सांसद बी. विनोद कुमार और एमएलसी एल. रमना सहित प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि वर्तमान प्रक्रिया में कई व्यावहारिक कठिनाइयां हैं और निर्धारित समय में मतदाता सत्यापन कार्य को पारदर्शी एवं त्रुटिरहित ढंग से पूरा करना संभव नहीं है। मीडिया से बातचीत में विनोद कुमार ने बताया कि बीआरएस ने एसआईआर प्रक्रिया की निगरानी के लिए विशेष समिति गठित की है, जो बूथ स्तरीय एजेंटों (बीएलए) और बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) के साथ समन्वय कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई स्थानों पर बीएलओ नियमित रूप से कार्य नहीं कर रहे हैं और बड़ी संख्या में पात्र मतदाताओं को अभी तक गणना प्रपत्र नहीं मिले हैं। बीआरएस के अनुसार, राज्य के 3.38 करोड़ मतदाताओं में से लगभग 2.96 करोड़ को गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं, लेकिन 5 जुलाई तक केवल 19 लाख प्रपत्रों का ही डिजिटलीकरण हो पाया है।

पार्टी का कहना है कि पुनरीक्षण अवधि एक माह बढ़ाए जाने से प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और त्रुटिरहित बनेगी तथा पात्र मतदाताओं के नाम सूची से छूटने की आशंका कम होगी। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि संदर्भ के लिए उपयोग की जा रही वर्ष 2002 की मतदाता सूची ईपीआईसी नंबरों के साथ आसानी से उपलब्ध नहीं है, जिससे सत्यापन कार्य प्रभावित हो रहा है। इसके अलावा निर्वाचन आयोग का पोर्टल बार-बार उपलब्ध नहीं रहने, मतदाता सूचियों में ईपीआईसी विवरणों की कमी, बीएलओ को पर्याप्त प्रशिक्षण न मिलने, नामों की वर्तनी में मामूली त्रुटियों के आधार पर मतदाताओं को हटाने, मतदाता मैपिंग संबंधी जानकारी उपलब्ध न कराने तथा जमा किए गए प्रपत्रों की रसीद न देने जैसे मुद्दों पर भी बीआरएस ने चिंता व्यक्त की।

आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट में 3 अतिरिक्त न्यायाधीशों ने ली शपथ

न्यायिक शक्ति बढ़कर 32 हुई, राष्ट्रपति ने नियुक्ति को दी मंजूरी

अमरावती, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में सोमवार को तीन अतिरिक्त न्यायाधीशों ने शपथ ग्रहण की। न्यायमूर्ति सुनीता गंधम, न्यायमूर्ति अलापति गिरिधर और न्यायमूर्ति पुरुषोत्तम कुमार चिंतापल्ली को उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। मुख्य न्यायाधीश लिसा गिल ने उच्च न्यायालय परिसर में आयोजित समारोह में उन्हें शपथ दिलाई। इन नियुक्तियों के साथ ही आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 29 से बढ़कर 32 हो गई है। इन नियुक्तियों को भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा मंजूरी प्रदान की गई है। शपथ ग्रहण समारोह में वरिष्ठ न्यायाधीश, बार काउंसिल के सदस्य, हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि, न्यायिक अधिकारी, रजिस्ट्रार और सरकारी अधिकारी उपस्थित रहे।

'रयथु भरोसा' के तहत 6 दिनों में 7,490 करोड़ रुपये किसानों के खातों में ट्रांसफर

68.37 लाख किसानों को मिला लाभ, सरकार ने रिकॉर्ड उपलब्धि का किया दावा

हैदराबाद, 6 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार ने रयथु भरोसा योजना के तहत मात्र छह दिनों में 7,490.72 करोड़ रुपये सीधे किसानों के बैंक खातों में जमा कर एक रिकॉर्ड बनाया है। मंत्री ने बताया कि 30 जून को शुरू की गई इस योजना के तहत अब तक 68.37 लाख किसानों को लाभ पहुंचाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि यह राशि किसानों के 124.85 लाख एकड़ कृषि भूमि के लिए वित्तीय सहायता के रूप में प्रदान की गई है।

सरकार के अनुसार, इस चरण में 6 से 7 एकड़ भूमि वाले किसानों को भी शामिल किया गया है, जिससे अब 7 एकड़ तक भूमि रखने वाले सभी पात्र किसानों को योजना का लाभ मिल चुका है। मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने दावा किया कि कांग्रेस सरकार अपने चुनावी वादों को तेजी से पूरा कर रही है और किसानों को समय पर सहायता उपलब्ध कराकर कृषि क्षेत्र को मजबूत किया जा रहा है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.